VOL-2

HINDI MEDIUM

08. Computer Software
09. Data Communication
10. Internet
11. Microsoft Windows
12. Microsoft Office
13. Abbreviations

AN ISO 9001:2008 CERTIFIED INSTITUTE

Viva
Technologies

COMPUTER BOOK

CPCT/COMPETITIVE EXAMS/DCA/PGDCA

53, Mayur Market, Thatipur, Gwalior (M.P.) Ph: 0751-4042064 Mob: 94257-03888

DISCLAIMER

This book has been designed & developed by Viva Technologies for institute purpose only. It is not for sale in any means.

08

सॉफ्टवेयर
(Software)

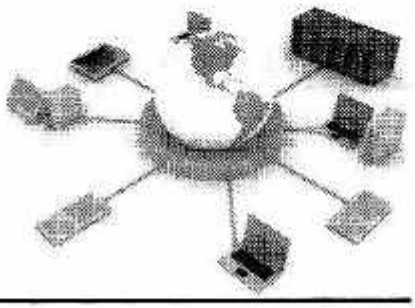

किसी भी कम्प्यूटर सिस्टम का प्रत्येक भाग या तो हार्डवेयर है या सॉफ्टवेयर है। कम्प्यूटर के भौतिक (Physical) बनावट (छू कर महसूस करने योग्य भाग) को *हार्डवेयर* कहते हैं। हार्डवेयर के अन्तर्गत डाटा इनपुट के लिए प्रयुक्त कम्प्यूटर तथा उससे जुड़े सभी साधन हैं। प्रिन्टर, की-बोर्ड और मॉडम जैसी बाहरी डिवाइसों को पेरिफेरल डिवाइस कहते हैं।

किसी भी कम्प्यूटर हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर द्वारा प्रयोग किये जाने वाले कैरेक्टरों की एक सूची निर्धारित है, जिसे कैरेक्टर सेट कहते हैं। हर कैरेक्टर एक नम्बर के द्वारा प्रतिनिधित्व होता है। ASCII कैरेक्टर सेट English के सारे कैरेक्टरों तथा विशेष कंट्रोल कैरेक्टरों के लिए 0 से 127 नम्बरों का उपयोग करता है।

सॉफ्टवेयर, प्रोग्रामिंग भाषा द्वारा लिखे गये निर्देशों की शृंखला है, जिसके अनुसार दिये गये डेटा का प्रोसेस होता है। बिना सॉफ्टवेयर के कम्प्यूटर कोई भी कार्य नहीं कर सकता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य डाटा को सूचना में परिवर्तित करना है। सॉफ्टवेयर के निर्देशों के अनुसार ही हार्डवेयर भी कार्य करता है। इसे *प्रोग्राम* भी कहते हैं। कम्प्यूटर प्रोग्रामों को लिखने वाले और उनका परीक्षण करने वाले व्यक्तियों को प्रोगामर कहते हैं। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के बीच संचार स्थापित करने को *इंटरफेस (Interface)* कहते हैं।

सभी सॉफ्टवेयर लाइसेंस के माध्यम से संरक्षित तथा प्रतिवेधित रहते हैं। सॉफ्टवेयर लाइसेंस सॉफ्टवेयर के निर्माता तथा उपयोगकर्त्ता के बीच कानूनी एग्रीमेंट है, जिसके अन्तर्गत एक से अधिक कम्प्यूटर पर सॉफ्टवेयर को ईस्टॉल करना, कोड में किसी तरह का रूपान्तरण और सॉफ्टवेयर में किसी तरह का बदलाव करना निषेद्य है। यह सॉफ्टवेयर के उपयोग को प्रतिबंधित करता है।

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर विभिन्न तरह के होते हैं। सामान्यतः इसे तीन वर्गों में वर्गीकृत किया जाता है :

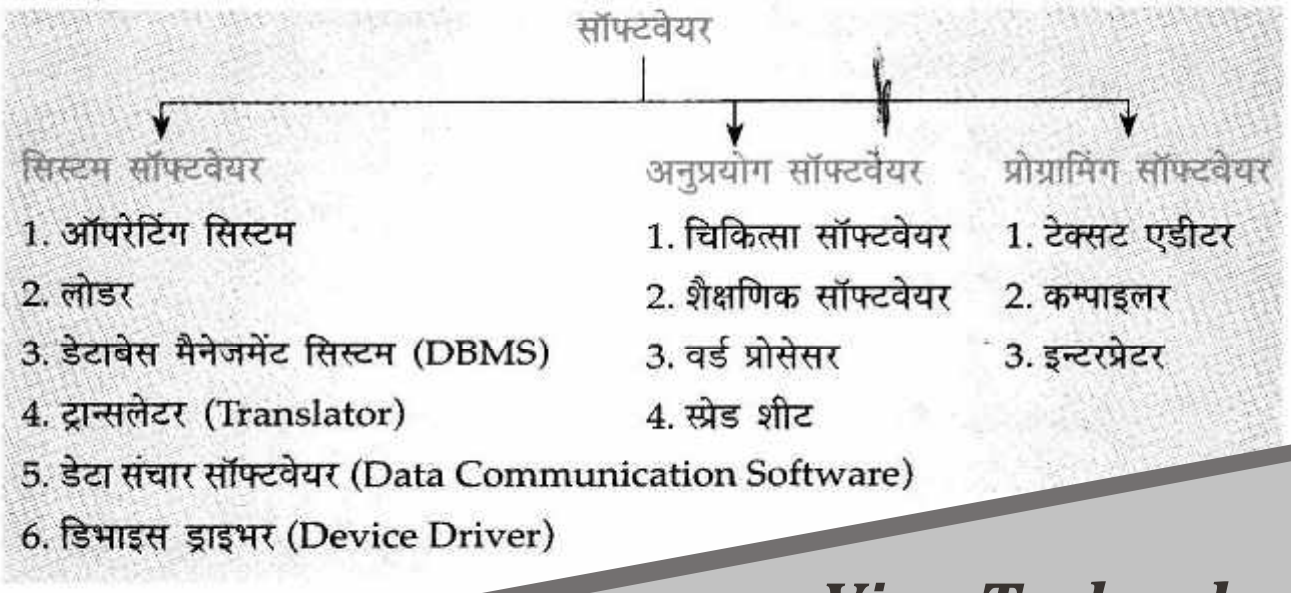

Viva

1. सिस्टम सॉफ्टवेयर (System Software)
2. अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर (Application Software)
3. प्रोग्रामिंग सॉफ्टवेयर (Programming software)

1. सिस्टम सॉफ्टवेयर

यह कम्प्यूटर हार्डवेयर को इसप्रकार नियंत्रित करता है कि अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर अच्छी तरह से चल सके। जैसे; ऑपरेटिंग सिस्टम, डिवाइस ड्राइवर, विंडोज सिस्टम आदि।

2. अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर

यह यूजर को एक या एक से अधिक कोई विशेष कार्य पूरा करने की अनुमति देता है। उच्च स्तरीय की कम्प्यूटर भाषाओं का उपयोग कर अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर बनाये जाते हैं। सॉफ्टवेयर प्रोग्राम अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करते हुए लिखा जाता है, अतः यूजर आसानी से कम्प्यूटर का उपयोग कर सकता है; जैसे–औद्योगिक स्वचालन (Industrial Automation), व्यापार सॉफ्टवेयर, चिकित्सा सॉफ्टवेयर, शैक्षणिक सॉफ्टवेयर, वर्ड प्रौसेसर आदि।

3. प्रोग्रामिंग सॉफ्टवेयर

यह आमतौर पर कम्प्यूटर प्रोग्राम लिखने में एक प्रोग्रामर की सहायता करने के लिए उपकरण प्रदान करता है; जैसे–पाठ संपादक (Text editors), कम्पाइलर (Compiler), डि-बगर (Debugger), इन्टरप्रेटर (Interpreter) आदि। प्रोग्राम में त्रुटि जिससे गलत या अनुपयुक्त परिणाम उत्पन्न होते हैं उसे बग (Bug) कहते हैं। ज्ञात सॉफ्टवेयर बग के लिए इंटरनेट पर उपलब्ध छोटा प्रोग्राम जो निःशुल्क रिपेयर करता है, उसे पैच कहते हैं। सॉफ्टवेयर कोड में बग ढूँढने की प्रक्रिया को डीबगिंग (Debugging) कहते हैं।

ऑपरेटिंग सिस्टम
Operating System

ऑपरेटिंग सिस्टम प्रोग्रामों का एक सेट है जो कम्प्यूटर के संसाधनों को प्रबंधित करने के लिए डिजाइन किया गया है और जिसमें कम्प्यूटर को शुरू (start) करना। प्रोग्रामों को मैनेज करना, मेमोरी को मैनेज करना और इनपुट तथा आउटपुट डिवाइसों के बीच के कार्यों का समन्वय करना शामिल है।

सर्वप्रथम जब हम कम्प्यूटर ऑन करते हैं तो हमारे मदरबोर्ड पर BIOS (Basic Input Output System) ROM चिप ढूँढ़ता है। इस BIOS चिप में विभिन्न एक्सपैंसन स्लॉट, पोर्ट, ड्राइव तथा आपरेटिंग सिस्टम के उपयोग के लिए निर्देश डाला (Burn) रहता है। कम्प्यूटर ऑन होते ही बुट सिक्वेंस या स्टार्ट अप प्रौसेस आरंभ होता है, जिसके अर्न्तगत BIOS चिप से निर्देश (Instruction) तथा प्रोग्रामिंग कोड लोड करता है। तत्पश्चात् क्रम में निर्देश देता है। बाह्य (External) तथा आंतरिक (Internal) उपकरणों (Equipment) की सूची और कई सेल्फ टेस्ट को कार्यान्वित करता है जिसे Power On Self Test कहते हैं । कम्प्यूटर इस टेस्ट के दौरान किसी त्रुटि का पता होने पर Error code प्रदान करता है। यह error code हार्डवेयर जैसे मेमोरी, की-बोर्ड, मॉनिटर एवं डिस्क ड्राइव्स में कोई कठिनाई आने पर देता है।

Power On Self Test सफलतापूर्वक समाप्त होने के पश्चात् बूट स्ट्रैप की प्रक्रिया आरंभ होती है जिसे बूटिंग (Booting) कहते हैं। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑपरेटिंग सिस्टम आरंभ (Start) करता है। इस प्रक्रिया में ऑपरेटिंग सिस्टम को कम्प्यूटर सेकेन्डरी मेमोरी या ऑक्जिलरी मेमोरी से मेन मेमोरी या RAM में लोड करता है। इन प्रक्रिया में सारे कम्पोनेन्ट कम्प्यूटर सिस्टम से ठीक से जुड़े हैं तथा कार्य कर रहे हैं यह भी सुनिश्चित हो जाता है।

कम्प्यूटर हार्डवेयर हमारी भाषा नहीं समझते हैं, वे द्विआधारी (Binary Number) 1 अथवा 0 की भाषा समझते हैं, ऑपरेटिंग सिस्टम, हार्डवेयर, एप्लिकेशन सिस्टम तथा उपयोगकर्ता के बीच एक माध्यम का कार्य करता है। इसका कार्य कम्प्यूटर को चलाना तथा उसज काम करने योग्य बनाये रखना है। ये हमारे दिये निर्देशों अथवा डेटा को मशीनी भाषा में बदलता है तथा परिणाम (output) को पुनः हमारी भाषा में बदलकर एक माध्यम के रूप में कार्य करता है; जैसे– विन्डोज 95, 98, विस्टा 2000, XP, MS-DOS (डिस्क ऑपरेटिंग सिस्टम) यूनिक्स, लिनिक्स आदि।

कम्प्यूटर एप्लिकेशन तथा नियंत्रण के आधार पर ऑपरेटिंग सिस्टम पाँच प्रकार के होते हैं :

1. वास्तविक समय ऑपरेटिंग सिस्टम (Real time operating system) : इसका मुख्य उद्देश्य यूजर को तिव्र Responce time उपलब्ध कराना है। ये प्रणाली मशीनरी, वैज्ञानिक और औद्योगिक उपकरणों को नियंत्रित करने के लिए उपयोग किया जाता है। इसमें उपयोगकर्ता का हस्तक्षेप कम होता है, तथा एक प्रोग्राम के परिणाम का दूसरे प्रोग्राम में इनपुट डेटा के रूप में प्रयोग होता है। वास्तविक समय ऑपरेटिंग सिस्टम का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा यह है कि एक विशेष ऑपरेशन एक निश्चित समय अवधि में ही पूर्ण हो जाये, नहीं तो आगे के प्रोग्राम में त्रुटि आ जायेगी तथा परिणाम रुक जायेगा। उदाहरण– वैज्ञानिक अनुसंधान, रेलवे आरक्षण, उपग्रहों का संचालन आदि।

2. टाइम शेयरिंग सिस्टम (Time sharing operating system) : इसमें यूजर को एक ही संसाधन का साझा उपयोग करना होता है। ऑपरेटिंग सिस्टम विभिन्न यूजर के आवश्यकताओं को संतुलित करता है कि हर प्रोग्राम जो वे उपयोग कर रहे हैं पर्याप्त है या नहीं। इस ऑपरेटिंग सिस्टम में मेमोरी का सही प्रबंधन आवश्यक होता है। इसमें प्रत्येक प्रोग्राम को CPU का बराबर समय मिलता है।

3. एकल काम ऑपरेटिंग सिस्टम (Single tasking operating system) : इस प्रकार के ऑपरेटिंग सिस्टम एक यूजर को प्रभावी रूप से एक समय में एक ही काम करने की अनुमति देता है।

4. बैच प्रोसेसिंग ऑपरेटिंग सिस्टम (Batch processing operating system) : इस सिस्टम में काम समूह में होता है। अर्थात् ऑपरेटिंग सिस्टम जब सारे कार्य समूह में यूजर के हस्तक्षेप के बिना प्राथमिकता के आधार पर करता है तो उस सिस्टम को बैच प्रोसेसिंग सिस्टम कहते हैं; जैसे– पेरौल (Payroll) बनाना, बिलिंग (Billing) आदि।

5. बहु प्रोग्रामिंग ऑपरेटिंग सिस्टम (Multi programming operating system) : ऐसे सिस्टम में ऑपरेटिंग सिस्टम द्वारा एक से अधिक प्रोग्राम या कार्य एक ही साथ कार्य करते हैं। हर कार्य को CPU का एक निश्चित समय दिया जाता है जिसे टाइम स्लाइसिंग कहते हैं।

6. मल्टी प्रौसेसिंग ऑपरेटिंग सिस्टम (Multi Processing operating system) **या पैरेलल प्रौसेसिंग सिस्टम** (Parallel Processing system) : इस सिस्टम में एक ही कम्प्यूटर सिस्टम में दो या अधिक सेन्ट्रल प्रौसेसिंग यूनिट का उपयोग होता है।

कुछ महत्वपूर्ण ऑपरेटिंग सिस्टम

1. एम एस डॉस MS-DOS (Disc Operating System) : व्यापक रूप से पर्सनल कम्प्यूटर में स्थापित (Installed) माइक्रोसॉफ्ट का प्रथम ऑपरेटिंग सिस्टम था। यह सरल गैरसुचित्रित (Non-graphical), कमांड लाइन ऑपरेटिंग सिस्टम है। यह सरल है परन्तु यूजर फ्रेन्डली नहीं, क्योंकि इसमें कमांड याद रखना होता है। इसका सर्वाधिक लोकप्रिय संस्करण 7.0 है।

2. एम एस विंडोज (Microsoft windows) : यह माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित ग्राफिकल यूजर इंटरफेस ऑपरेटिंग सिस्टम है। इसमें एम एस डॉस के कमियों को ध्यान में रखा गया तथा इसे यूजर फ्रेंडली बनाया गया। इसके अन्य संस्करण विंडोज-95, विंडोज-98, विंडोज एक्सपी, विंडोज विस्टा भी हैं। सर्वाधिक वर्तमान सर्वर संस्करण विंडोज सर्वर 2008 है। इसे सिखना तथा इसपर काम करना भी सरल है।

3. यूनिक्स (Unix) : यह सन् 1969 में AT&T कर्मचारियों (Employees) द्वारा वेल प्रयोगशाला में विकसित ऑपरेटिंग सिस्टम है। जिनमें केन थॉमसन (Ken Thompson), डेनिस रिची (Dennis Ritchic), डगलस मैक्लरॉय (Douglas Mcllroy) तथा जो ओसाना (Joe Ossanna) शामिल थे। सर्वर तथा वर्क-स्टेशन दोनों में यूनिक्स ऑपरेटिंग सिस्टम का वृहत उपयोग होता है। यूनिक्स असेम्बली भाषा में सर्वप्रथम लिखा गया था। सन् 1973 में इसे C प्रोग्रामिंग भाषा में दोबारा लिखा गया। इसमें करनल Kernal) द्वारा डेटा प्रबंधन होता है।

4. लाइनक्स (Linux) : सन् 1991 में इसका प्रथम संस्करण लाया गया था। यह यूनिक्स के तरह कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम है जो लाइनक्स करनल (Linux Kernal) पर आधारित है। इसका उपयोग मुख्यतः सर्वर में ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए होता है। यह ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर है।

वर्चुअल मेमोरी

Virtual Memory

यह एक काल्पनिक स्मृति क्षेत्र है जो ऑपरेटिंग सिस्टम द्वारा समर्थित (Supported) है। इसे हम मेमोरी एड्रेस का विकल्प भी मान सकते हैं जिसे प्रोग्राम निर्देश तथा डेटा संग्रह के लिए उपयोग करता है। वर्चुअल मेमोरी का उद्देश्य एड्रेस स्पेस को बढ़ाना है। यह हार्ड डिस्क पर स्पेस है जिसे CPU extended RAM की तरह प्रयोग करता है। इसे लॉजिकल मेमोरी भी कहा जा सकता है तथा यह ऑपरेटिंग सिस्टम द्वारा नियंत्रित होता है।

ट्रांसलेटर

Translator

ट्रांसलेटर, प्रोग्राम या निर्देशों की शृंखला है जो प्रोग्रामिंग भाषा को मशीनी भाषा में रूपान्तरित कर देता है। यह तीन प्रकार के होता है :

1. असेम्बलर (Assembler) : यह असेम्बली भाषा में लिखे गये प्रोग्राम को मशीनी भाषा में रूपान्तरित करता है।

2. कम्पाइलर (Compiler) : कम्पाइलर एक प्रोग्राम है जो उच्चस्तरीय भाषा में लिखे गये प्रोग्राम या स्रोत (Source) कोड को मशीनी भाषा या object प्रोग्राम में रूपान्तरित करता है। यह पूरे प्रोग्राम को एक बार में पढ़ता है तथा सारी गलतियों को बताता है। गलतियाँ दूर होने पर प्रोग्राम को मशीन भाषा में रूपान्तरित कर देता है। (कंपाइलिंग के फलस्वरूप executable program का निर्माण होता है।)

3. इंटरप्रेटर (Interpreter) : यह उच्चस्तरीय प्रोग्रामिंग भाषा में दिये गये निर्देशों को निम्नस्तरीय मशीन भाषा में ट्रांसलेट करता है। इंटरप्रेटर हर निर्देश को एक-एक कर ट्रांसलेट करता है। एक निर्देश को ट्रांसलेट कर बिना संग्रहित किये क्रियान्वयित (execute) करता है, फिर तब दूसरे निर्देश को ट्रांसलेट करता है। इस तरह जब सारा प्रोग्राम क्रियान्वयित हो जाता है तो अन्त में प्रतिक्रिया (Response) देता है।

Viva

Viva Technologies

डिवाइस ड्राइवर
Device Driver

इसे *सॉफ्टवेयर ड्राइवर* भी कहते हैं। यह एक कम्प्यूटर प्रोग्राम है जो उच्चस्तरीय कम्प्यूटर प्रोग्राम को हार्डवेयर डिवाइस के साथ संबंध स्थापित करने (intract) में सहायता करता है। कम्प्यूटर बस या संचार सब सिस्टम जिससे हार्डवेयर जुड़ा है के द्वारा डिवाइस ड्राइवर संबंध स्थापित करता है।

अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर
Application Software

उपयोगिता के आधार पर अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर दो प्रकार के हाते हैं :

1. **विशेष अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर** (Special Application Software) : यह किसी विशेष कार्य को पूरा करने में सक्षम होता है। जैसे– मौसम विज्ञान, वायुयान नियंत्रण, टिकट आरक्षण, आदि के लिए विशेष अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर उपयोग होता है।

2. **सामान्य अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर** (General Function Application Software) : इसे अनेक उपयोगकर्ता उपयोग कर सकते हैं। जब आवश्यकता बहुत सामान्य सी होती है, तब अनुप्रयोग पैकेज भी प्रयोग किया जा सकता है।

कुछ सामान्य अनुप्रयोग पैकेज निम्नलिखित हैं :

(a) **इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट** (Electronic spreadsheet) : यह स्क्रीन पर संख्या को टेबल के रूप में प्रकट करने में सक्षम होता है, तथा उसकी गणना कर सकता है। उन संख्याओं को ग्राफ तथा चार्ट के रूप में भी व्यक्त कर सकते हैं। जैसे– माइक्रोसॉफ्ट एक्सल, लोटस 123, के-स्प्रेड, ओपेन कैल्क आदि।

(b) **वर्ड प्रोसेसर** (Word Processor) : यह कम्प्यूटर स्क्रीन पर दस्तावेज तैयार करने में सहायता करता है। उस दस्तावेज को रूपान्तरित, संग्रहित तथा प्रिन्ट किया जा सकता है; जैसे– वर्ड स्टार (Word Star), वर्ड पैड (Word Pad), एम एस वर्ड (MS-Word), के-वर्ड, ओपेन राइटर आदि।

(c) **कम्प्यूटर ग्राफिक्स** (Computer Graphics) : इस प्रोग्राम को डिजाइन, ग्राफ और चार्ट बनाने तथा संशोधन करने के लिए उपयोग किया जाता है। जैसे– CAD (Computer Aided Design), CAM (Computer Aided Manufacturing), हारवर्ड ग्राफिक्स इत्यादि।

(d) **डेस्कटॉप पब्लिशिंग** (DTP–Desk Top Publishing) : कम कीमत पर अच्छी गुणवत्ता के साथ प्रकाशन के लिए DTP सॉफ्टवेयर प्रयोग किया जाता है। यह इनपुट, वर्ड-प्रोसेसर या सीधे DPT सिस्टम से लेता है और इसमें इलेक्ट्रॉनिक रूप से ग्राफिक्स जोड़कर पेज पूरा किया जाता है। फिर उच्च रिजोल्यूसन आउटपुट यंत्र से प्रिन्ट कर लिया जाता है। जैसे– पेज मेकर, कोरल ड्रॉ, माइक्रोसॉफ्ट पब्लिशर इत्यादि।

(e) **डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम या डाटाबेस सॉफ्टवेयर** (DISMS–Data Base Management System or Database Software) : इस सिस्टम के अन्तर्गत जो भी डेटा हम कम्प्यूटर में स्टोर करना चाहते हैं, उसे इनपुट करने, परिवर्तन करने, क्रमबद्ध करने तथा रिपोर्ट तैयार करने की सुविधा देता है। यह डेटा का सुनियोजित रिकार्ड रखने में सक्षम होता है; जैसे– डी-बेस IV, एम एस एक्सल आदि।

Viva

(f) रिपोर्ट जेनरेटर (Report Generator) : यह डेटाबेस से डेटा लेकर प्रयोक्ता के आवश्यकतानुसार विभिन्न तरह के रिपोर्ट तैयार करता है; जैसे–RPG (रिपोर्ट प्रोग्राम जेनरेटर)।

(g) एकाउंटिंग पैकेज (Accounting Package) : इस प्रोग्राम के उपयोग से वित्तीय लेखांकन (Accounting), बैंक खातों, स्टॉक, आय और व्यय का लेखा-जोखा सरलता से होता है; जैसे–टैली (Tally)।

(h) प्रस्तुति सॉफ्टवेयर (Presentation Software) : इसका उपयोग शब्दों और चित्रों को सजाकर कहानी कहने, सार्वजनिक प्रस्तुति या सूचना देने में होता है। उदाहरण– पावर प्वाइंट, फ्रिलान्स, पेज, पेज मिल इत्यादि। प्रस्तुति सॉफ्टवेयर को *प्रस्तुति ग्राफिक्स* भी कहते हैं।

Operating System	Word Processing	Spread sheet	Presentation	Database
MS-DOS-	Word Star	Lotus 1-2-3		D base
MS-Windows	Word Pad	MS-Excel	MS-Power Point	MS-Access
	MS-Word		Page Maker	
Linux-	K-Word	K-Spread	K-Presentes	
	Ab-Word	Open Calc		
	Open writer	Star Calc	Star Impress	Star Base
	Star writer			

ट्रंकी सिस्टम (Turnkey System) : किसी विशेष अनुप्रयोग के लिए आवश्यक हार्डवेयर और साफ्टवेयर को ट्रंकी सिस्टम कहते हैं।

फ्री वेयर (Free Ware) : फ्री वेयर एक साफ्टवेयर है जिसे बिना मूल्य चुकाये या इंटरनेट से फ्री डाउनलोड कर सकते हैं। जैसे—इस्टैंट मैसेजिंग और गूगल टूलबार।

यूटीलिटी सॉफ्टवेयर

Utility Software

यह एक छोटा साफ्टवेयर है जो ऑपरेटिंग सिस्टम के कार्य क्षमता में वृद्धि करता है।

यह विशेष रूप से कम्प्यूटर हार्डवेयर, ऑपरेटिंग सिस्टम या अनुप्रयोग के प्रबंधन को एक साथ कार्य करने में सहायता करता है। यूटीलिटी सॉफ्टवेयर एक कार्य या कार्य का एक छोटा भाग पूरा (perform) करता है। इसकी सहायता से कम्प्यूटर का उपयोग करना और भी सरल हो जाता है।

1. डिस्क फार्मेटिंग (Disk Formating) : यह हार्डडिस्क या दूसरे भंडारण माध्यम को उपयोग करने के पहले ऑपरेटिंग सिस्टम के अनुकूल बनाने में सहायता करता है।

2. डिस्क क्लिनर (Disk Cleaner) : यह उपयोगकर्ता को हार्ड डिस्क भर जाने पर अनावश्यक प्रोग्राम को हटाने का निर्णय लेने में मदद करता है तथा हटाकर मेमोरी की क्षमता में वृद्धि करता है।

3. बैकअप प्रोग्राम (Backup Program) : यह सॉफ्टवेयर कम्प्यूटर में स्टोर सारे सूचनाओं को कॉपी करके इच्छित जगह पर रखता है जिससे मेमोरी में कोई क्षति होने पर सारे सूचनाओं को फिर से संग्रहित किया जा सकता है।

Viva

4. डिस्क कम्प्रेसन (Disk Compression) : ये सॉफ्टवेयर हार्ड डिस्क के सारे सूचनाओं को कॉम्प्रेस (Compress) कर देता है ताकि और सूचनाओं को इनमें संग्रहित किया जा सके। स्टोरेज की थोड़ी सी जगह में बहुत सी फाइलों को स्टोर करने के लिए फाइल कम्प्रेसन (Compression) का प्रयोग किया जाता है।

5. वायरस स्कैनर (Virus Scanner) : ये कम्प्यूटर फाइल तथा फोल्डरों के वायरस को निष्क्रिय करने के लिए स्कैन करता है। इसे *एन्टीवायरस* भी कहते हैं।

6. डिस्क फ्रैगमेंटेसन (Disk Fragmentation) : डिस्क फ्रैगमेंटेसे उपयोगकर्त्ता के कम्प्यूटर के हार्डडिस्क में फ्रैगमेंटेसन फाइलों को एक जगह जमा करने की प्रक्रिया है।

डिस्क फ्रैगमेंटेसन एक टूल है जिसके उपयोग से हमारे कम्प्यूटर के हार्डडिस्क में डाटा को rearrange करता है तथा फ्रैगमेंटेड फाइलों को reunit करता है, जिसके फलस्वरूप हमारा कम्प्यूटर अधिक सरलता से कार्य करने में सक्षम होता है।

प्रोग्राम डॉक्यूमेंटेशन

Program Documentation

प्रोग्राम डॉक्यूमेंटेशन एक प्रकार का डाक्यूमेंटेशन है, जो किसी प्रोग्राम का विस्तृत लिखित विवरण देता है। प्रोग्राम कैसे लिखा गया है, प्रोग्राम का टेस्ट रिजल्ट क्या होगा या बाद में प्रोग्राम के विकास या मेंटेनेंस में क्या बाधाएँ या क्षमता है, ये सभी प्रोग्राम डॉक्यूमेंटेशन में लिखित रूप में रहते हैं। यदि यूजर (User) जानना चाहते हैं कि प्रोग्राम वास्तविक में क्या करता है तथा यह कैसे एक्जिक्यूट (Execute) होगा तब उन्हें प्रोग्राम डॉक्यूमेंटेशन की सहायता लेना चाहिए। प्रोग्राम डॉक्यूमेंटेशन का साधारण सा उदाहरण प्रोग्राम या सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट का instruction mannual है, जो end user को प्रदान किया जाता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. ..... एक प्रोग्राम है जिससे कंप्यूटर का उपयोग करना आसान हो जाता है।
   (a) ओपरेटिंग सिस्टम (b) ऐप्लिकेशन (c) यूटिलिटी
   (d) नेटवर्क (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

2. प्रोग्राम में त्रुटि (Error) जिससे गलत या अनुपयुक्त परिणाम उत्पन्न होते हैं, उसे ..:..... कहते हैं।
   (a) बग (b) बाइट (c) एट्रिब्यूट
   (d) यूनिट प्रोब्लम (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

3. कंप्यूटर का प्रत्येक कम्पोनेन्ट या तो .....होता है
   (a) हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर (b) सॉफ्टवेयर या CPU/RAM
   (c) ऐप्लिकेशन सॉप्टवेयर या सिस्टम सॉफ्टवेयर
   (d) इनपुट डिवाइस या आउटपुट डिवाइस (e) इनमें से कोई नहीं

4. सॉफ्टवेयर का प्राथमिक उद्देश्य डाटा को.....में बदलना है।
   (a) वेब साइट (b) सूचना (c) प्रोग्राम
   (d) ऑब्जेक्ट (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

5. ....., सॉफ्टवेयर कोड में त्रुटियां ढूंढने की एक प्रक्रिया है।
   (a) कम्पाइलिंग (b) टेस्टिंग (c) रनिंग
   (d) डीबगिंग (e) इनमें से कोई नहीं

6. वर्चुअल मेमरी क्या होती है?
(a) हार्ड डिस्क की मेमरी जिसे CPU एक्सटेंडेड RAM की तरह प्रयोग करता है
(b) RAM में होती है
(c) तभी आवश्यक होती है यदि आपके कंम्प्यूटर में कोई RAM न हो
(d) फ्लॉपी डिस्कों के लिए बैकअप डिवाइस
(e) इनमें से कोई नहीं

7. कंम्प्यूटर को.....बताता है कि इसके कम्पीनेंट्स का प्रयोग कैसे किया जाए?
(a) युटिलिटी (b) नेटवर्क (c) ऑपरेटिंग सिस्टम
(d) एप्लिकेशन प्रोग्राम (e) इनमें से कोई नहीं

8. यूजर, एप्लिकेशन सोफ्टवेयर, हार्डवेयर को कनेक्ट करते हुए, इंटरफेस के रूप में फंक्शन करते हुए किस प्रकार का सोफ्टवेयर कंप्यूटर प्रोसेसों को मैनेज करता है ?
(a) सिस्टम सोफ्टवेयर (b) यूटिलिटी प्रोग्राम (c) ट्रान्सलेटर
(d) आपरेटिंग सिस्टम (e) इनमें से कोई नहीं

9. ज्ञात सोफ्टवेयर बग के लिए रिपेअर जो सामान्यतः इंटरनेट पर बिना चार्ज उपलब्ध होता है उसे ..... कहते हैं।
(a) वर्शन (b) पैच (c) ट्यूटोरियल
(d) FAQ (e) इनमें से कोई नहीं *(RBI 2012)*

10. बैकअप क्या होता है?
(a) अपने नेटवर्क को अधिक कंपोनेन्ट जोड़ना
(b) मूल स्रोत से किसी भिन्न डेस्टिनेशन पर कॉपी कर के डाटा का संरक्षण करना
(c) नये डाटा से पुराना डाटा फिल्टर करना
(d) टेप पर डाटा को एक्सेस करना
(e) इनमें से कोई नहीं

11. कौन-सा प्रोग्राम कम्प्यूटर के विभिन्न भागों का नियंत्रण करता है और प्रयोक्ता को कम्प्यूटर के साथ इंटरऐक्ट करने देता है?
(a) यूटिलिटी सॉफ्टवेयर (b) ओपरेटिंग सिस्टम (c) वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर
(d) डाटाबेस प्रोग्राम (e) इनमें से कोई नहीं

12. प्रोग्रामों का समूह जो आपकी कंप्यूटर सिस्टम के चलने को कंट्रोल करता है और सूचना प्रोसेस करता है उसे.....कहते हैं।
(a) ओपरेटिंग सिस्टम (b) कंप्यूटर (c) ऑफिस
(d) कंपाइलर (e) इंटरप्रीटर

13. अनुदेशों का सेट जो कंप्यूटर को क्या करना है यह बताता है, उसे.....कहते हैं।
(a) मेटर (b) इन्स्ट्रक्टर (c) कंपाइलर
(d) प्रोग्राम (e) डिबग्गर *(RBI 2009, SBI 2009, IBPS Clerk 2011)*

14. ओपरेटिंग सिस्टम द्वारा सीधे हैंडल नहीं किए जाने वाले अधिकांश कार्य निम्नलिखित में से कौन-सा हैंडल कर सकता है?
(a) वर्टिकल-मार्केट ऐप्लिकेशन्स (b) यूटिलिटीज
(c) एल्गोरियम्स (d) इंटेग्रेटेड सॉपटवेयर (e) कंपाइलर्स

Viva

15. कम्प्यूटर की भौतिक बनावट (छू कर महसूस करने योग्य भाग) कहलाती है—
(a) हार्डवेयर (b) सॉफ्टवेयर (c) की-बोर्ड
(d) मेमोरी (e) इनमें से कोई नहीं *(RBI 2009, IBPS Clerk 2011)*

16. डाटा का सुनियोजित रिकार्ड रखने के लिए सामान्यतया इनमें से किस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है?
(a) डाटाबेस सॉफ्टवेयर (b) वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर (c) ऑपरेटिंग सिस्टम
(d) यूटिलिटी सॉफ्टवेयर (e) इनमें से कोई नहीं

17. मूल स्रोत से किसी भिन्न डेस्टिनेशन पर कॉपी कर के डाटा का संरक्षण करना क्या कहलाता है?
(a) मेश (b) बूट (c) बैकअप
(d) इन्स्टॉलेशन (e) इनमें से कोई नहीं

18. एम०एस०डॉस आधारित पर्सनल कम्प्यूटरों पर निम्न में से कौन-सा पैकेज डाटाबेस के रूप में अधिक पाया गया है?
(a) डोबेस–3 (b) कोरल (c) वर्ड-स्टार
(d) आटोकैड (e) इनमें से कोई नहीं

19. DOS का पूरा नाम क्या है?
(a) डिस्क ऑफ सिस्टम (b) डिस्क आपरेटिंग सिस्टम (c) डिवाइस आपरेटिंग सिस्टम
(d) डोर आपरेटिंग सिस्टम (e) इनमें से कोई नहीं

20. कम्प्यूटर पर काम करने के लिए मुख्यतः किसकी जरूरत पड़ती है?
(a) हार्डवेयर (b) साफ्टवेयर (c) स्कैनर
(d) 1 तथा 2 दोनों (e) इनमें से कोई नहीं

21. विषम शब्द को चुनिए।
(a) यूनिक्स (UNIX) (b) MS-DOX
(c) विंडोज 98 (WINDOWS 98) (d) एक्सेस (ACCESS) *(SSC 2013)*

22. कंप्यूटरों के संदर्भ में सॉफ्टवेयर का क्या अर्थ है?
(a) कंप्यूटर प्रोग्राम्स (b) कंप्यूटर सरकिट्री
(c) ह्यूमन ब्रेन (d) फ्लॉपी डिस्क *(SSC 2013)*

23. यूनिक्स का विकास कब हुआ?
(a) 1950 (b) 1955 (c) 1960
(d) 1969 (e) इनमें से कोई नहीं

24. यूनिक्स की मुख्य भाषा है—
(a) कोबोल (b) बेसिक (c) एसेंबली
(d) जावा (e) इनमें से कोई नहीं

25. किसी फर्म के सभी ट्रांजेक्शनों की एक ही बार में ग्रुपिंग और प्रोसैसिंग करने को क्या कहते हैं?
(a) डाटाबेस प्रबंध प्रणाली (b) बैच प्रोसैसिंग (c) रीअल टाइम सिस्टम
(d) ऑन लाइन सिस्टम (e) इनमें से कोई नहीं

Viva
Viva Technologies

26. कम्प्यूटर में काम करने के लिए किस सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाता है?
(a) सिस्टम (b) एप्लीकेशन (c) प्रोग्राम
(d) पैकेज (e) इनमें से कोई नहीं

27. कौन-सा सॉफ्टवेयर कम्प्यूटर के हार्डवेयर को नियंत्रित करता है?
(a) एप्लीकेशन (b) सिस्टम (c) प्रोग्राम
(d) मेमोरी (e) इनमें से कोई नहीं

28. कम्पाइलर कम्प्यूटर की किस प्रकार की भाषा है?
(a) उच्चस्तरीय भाषा (b) निम्नस्तरीय भाषा (c) पास्कल भाषा
(d) कोबोल भाषा (e) इनमें से कोई नहीं

29. उच्चस्तरीय भाषा में लिखे गये प्रोग्राम को कम्प्यूटर अपनी समझ के लिए निम्नस्तरीय भाषा में किसकी मदद से बदलता है?
(a) कम्पाइलर (b) इंटरप्रेटर (c) दोनों
(d) हार्डवेयर (e) इनमें से कोई नहीं

30. कम्प्यूटर में सिस्टम सॉफ्टवेयर का सबसे महत्वपूर्ण भाग कौन-सा होता है?
(a) कम्पाइलर (b) इंटरप्रेंटर (c) ऑपरेटिंग सिस्टम
(d) पैकेज (e) इनमें से कोई नहीं

31. कम्प्यूटर में उपयोग के लिए बाजार में बिकने वाले प्रोग्राम को क्या कहते हैं?
(a) सॉफ्टवेयर प्रोग्राम (b) सॉफ्टवेयर पैकेज (c) सॉफ्टवेयर सिस्टम
(d) सॉफ्टवेयर भाषा (e) इनमें से कोई नहीं

32. टर्नकी सिस्टम क्या है?
(a) हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर की पूर्णता है। (b) साफ्टवेयर की पूर्णता
(c) भाषा की पूर्णता (d) हार्डवेयर की पूर्णता (e) इनमें से कोई नहीं

33. यूनिक्स के निर्माता हैं—
(a) रॉर्ड फेन्सन (b) केन थामसन (c) रमावर्त कैथरीन
(d) जानसन (e) जानसन एवं केन थामसन

34. यूनिक्स की विशेषताएँ क्या हैं?
(a) एक साथ अनेक काम (b) एक साथ अनेक लोग काम कर सकते हैं
(c) काफी सुरक्षित है (d) करनल (kernal) डाटा का प्रबंध करता है
(e) उपर्युक्त सभी

35. संकेतों का संग्रह, जो कि कम्प्यूटर को बताता है कि किसी विशेष काम को कैसे किया जायेगा, क्या कहलाता है?
(a) आंकड़ा संगणना (b) प्रोग्राम (c) फाइल
(d) सूचना (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

36. निम्न में से कौन उपभोक्ता एवं हॉर्डवेयर के बीच एक मध्यस्थ (एजेंट) की तरह काम करता है?
(a) कम्पाइलर (b) ओ० एस० (Operating system)
(c) ट्रांसलेटर (d) उपर्युक्त सभी (e) इनमें से कोई नहीं

Viva

37. कम्प्यूटर की असेम्बली भाषा में लिखे गये प्रोग्राम को मशीन भाषा में बदलने का काम कौन करता है ?
(a) असेम्बलर (b) कम्पाइलर (c) इंटरप्रिंटर
(d) प्रोसेसर (e) इनमें से कोई नहीं

38. हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के बीच संबंध बनाने की तकनीक या सुविधा को क्या कहा जाता है ?
(a) इंटरनेट (b) इंटरफेस (c) इंटरकॉम
(d) ईप्रोम (e) इनमें से कोई नहीं

39. किसी प्रोग्राम की मशीनी भाषा में किया गया अनुवाद क्या कहलाता है ?
(a) एनालॉग प्रोग्राम (b) ऑब्जेक्ट प्रोग्राम (c) पर्सनल प्रोग्राम
(d) ऑफिसियल प्रोग्राम (e) इनमें से कोई नहीं

40. प्रोग्रामिंग भाषा में लिखे गये मूल प्रोग्राम को क्या कहा जाता है ?
(a) यूथ प्रोग्राम (b) स्रोत-प्रोग्राम (c) फर्म प्रोग्राम
(d) लूप प्रोग्राम (e) इनमें से कोई नहीं

41. कैड शब्द का सम्बन्ध कम्प्यूटर में किससे है ?
(a) एकाउन्ट (b) डिजाइन से (c) मीडिया
(d) साइन्स से (e) आर्टस से

42. किस ऑपरेटिंग सिस्टम में उपयोगकर्ता एक साथ कई कम्प्यूटर ऑपरेट कर सकते हैं ?
(a) विंडोज (b) एम.एस.डॉस (c) टाइम शेयरिंग
(d) उपर्युक्त सभी (e) इनमें से कोई नहीं

43. कम्प्यूटर का सॉफ्टवेयर पेज मेकर किस ऑपरेटिंग सिस्टम से संबंध रखता है ?
(a) एम० एस० डॉस (b) यूनिक्स (c) विन्डोज
(d) उपर्युक्त सभी (e) इनमें से कोई नहीं

44. डाटाबेस में बैंक अप्स का क्या उपयोग होता है ?
(a) सिस्टम की कार्यप्रणाली को चेक करने में
(b) सुरक्षा के लिए (c) ट्रांजेक्शन का रिकार्ड प्रदान करने हेतु
(d) खोये हुए डाटा को वापस करने हेतु (e) इनमें से कोई नहीं

45. DOS का उपयोग क्या है ?
(a) ''इनपुट'' तथा 'आउटपुट' कार्यों को नियंत्रित करना
(b) यूजर तथा कम्प्यूटर के बीच संबंध स्थापित करना
(c) 1 तथा 2 दोनों (d) इंटरनेट में सहायता करना (e) इनमें से कोई नहीं

46. एक सॉफ्टवेयर, जो एच० एल० एल० प्रोग्राम को मशीनी भाषा में परिवर्तित करता है उसे कहते हैं—
(a) कम्पाइलर (b) एसेम्बल (c) लोडर
(d) इंटर प्रेटर (e) इनमें से कोई नहीं

47. कम्प्यूटर के संचालन में प्रयुक्त प्रोग्राम, नियम तथा कम्प्यूटर क्रियाओं से संबंधित अन्य लिखित (या चिप में दर्ज) सामग्री को कहा जाता है—
(a) सॉफ्टवेयर (b) हार्डवेयर (c) नेटवर्क
(d) फर्मवेयर (e) इनमें से कोई नहीं

Viva

48. ओरेकल (Oracle) है—
(a) एक प्रचालन तंत्र (b) शब्द संसाधक सॉफ्टवेयर (c) डाटाबेस सॉफ्टवेयर
(d) उपर्युक्त तीनों (e) इनमें से कोई नहीं

49. कौन-सा सॉफ्टवेयर शब्द संसाधन में प्रयोग किया जाता है ?
(a) पेजमेकर (b) वर्ड स्टार (c) एम० एस० वर्ड
(d) उपर्युक्त तीनों (e) इनमें से कोई नहीं

50. 'टैली' (Tally) सॉफ्टवेयर का प्रयोग किस काम के लिए किया जाता है ?
(a) DTP (b) संचार (c) नेटवर्किंग
(d) एकाउंटिंग (e) इनमें से कोई नहीं

51. असेम्बलर का कार्य है—
(a) बेसिक भाषा को यंत्र भाषा में परिवर्तित करना
(b) उच्चस्तरीय भाषा को यंत्र भाषा में परिवर्तित करना
(c) असेम्बली भाषा की यंत्र भाषा में परिवर्तित करना
(d) असेम्बली भाषा को उच्च स्तरीय भाषा में परिवर्तित करना
(उत्तरांचल PCS 2005, IBPS Clerk 2011)

52. C.A.D. का तात्पर्य है—
(a) कम्प्यूटर एल्गोरिथम फॉर डिजाइन
(b) कम्प्यूटर एडेड डिजाइन (c) कम्प्यूटर एप्लीकेशन इन डिजाइन
(d) उपर्युक्त तीनों (e) इनमें से कोई नहीं

53. यूजर यह कैसे निर्धारित कर सकता है कि कम्प्यूटर पर कौन-सा प्रोग्राम उपलब्ध है ?
(a) हार्ड डिस्क की प्रोपर्टिज चेक करके
(b) बूटिंग प्रौसेस के दौरान इनस्टाल्ड प्रोग्राम देखकर
(c) इनस्टाल्ड प्रोग्राम की लिस्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम चेक कर
(d) डिस्क पर सेव की गई विद्यमान फाइलें चेक करके
(e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

54. रीज्यूम बनाने के लिए किस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है ?
(a) Ms-Word (b) Pagemaker (c) 1 और 2 दोनों
(d) Java (e) इनमें से कोई नहीं

55. हार्डवेयर में शामिल है—
(a) डाटा इनपुट करने के लिए प्रयुक्त सभी साधन
(b) डाटा इनपुट और आउटपुट करने लिए प्रयुक्त कम्प्यूटर और उससे जुड़े सभी साधन
(c) इन्ट्रक्सन के सेट (d) सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (e) इनमें से कोई नहीं

56. कम्प्यूटर प्रोग्रामों को लिखने वाले और उनका परीक्षण करने वाले व्यक्तियों को क्या कहते हैं।
(a) प्रोग्रामर (b) कम्प्यूटर विज्ञानी (c) सॉफ्टवेयर इंजीनियर
(d) प्रोजेक्ट डेवलपर (e) इनमें से कोई नहीं

57. MS–Word ..... का उदाहरण है।
(a) ऑपरेटिंग सिस्टम (b) एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर (c) प्रोसेसिंग डिवाइस
(d) इनपुट डिवाइस (e) इनमें से कोई नहीं

viva

58. कम्प्यूटर के कम्पोनेंट ठीक से ऑपरेट हो रहे हैं और कनेक्टेड हैं यह सुनिश्चित करने के लिए कौन-सा प्रौसेस चेक करता है?

(a) बूटिंग (b) प्रौसेसिंग (c) सेविंग

(d) एडिटिंग (e) इनमें से कोई नहीं

59. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है ?

(a) वर्चुअल मैमरी हार्ड ड्राइव पर स्पेस है जहाँ आपरेटिंग सिस्टम मैमरी-बाउंड होने पर डाटा स्टोर करना आरंभ करती है

(b) RAM से डाटा एक्सेस करना वर्चुअल मैमरी से डाटा एक्सेस करने से धीमा होता है

(c) वर्चुअल मैमरी से डाटा प्रयुक्त करते समय, ओपरेटिंग सिस्टम RAM फाइल नामक फाइल बिल्ड करती है

(d) यदि कोई कंप्यूटर मैमरी-बाउंड है तो अधिक RAM जोड़ने से समस्या हल नहीं होगी

(e) इनमें से कोई नहीं

60. जब आप कम्प्यूटर ऑन करते हैं तब बूट रूटिन यह टेस्ट करता है—

(a) RAM टेस्ट (b) डिस्क ड्राइव टेस्ट (c) मेमोरी टेस्ट

(d) पॉवर ऑन सेल्फ टेस्ट (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

61. कम्प्यूटर को बनानेवाले फिजीकल कम्पोनेन्ट्स को .... कहते हैं।

(a) ऑपरेटिंग सिस्टम (b) हार्डवेयर (c) सॉफ्टवेयर

(d) ब्राउजर (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

62. मल्टीपल प्रौसेसर द्वारा दो या अधिक प्रोग्रामों का साथ-साथ प्रौसेसिंग निम्नलिखित हैं—

(a) मल्टी प्रोग्रामिंग (b) मल्टीटास्किंग (c) टाइम शेयरिंग

(d) मल्टी प्रौसेसिंग (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009, IBPS PO 2011)*

63. किसी प्रोग्राम के मानव द्वारा पठनीय वर्शन को.......कहते हैं।

(a) सोर्स कोड (b) प्रोग्राम कोड (c) ह्यूमन कोड

(d) सिस्टम कोड (e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad PO 2010)*

64. ......एक बार में एक स्टेटमेंट को कन्वर्ट और एक्जीक्यूट करता है।

(a) कम्पाइलर (b) इंटरप्रेटर (c) कनवर्टर

(d) इन्स्ट्रक्शन्स (e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad PO 2010)*

65. शब्द......किसी उपकरण को यह डेजिग्नेट करता है कि जिसे कंप्यूटर से उसकी फंक्शनैलिटी बढ़ाने के लिए जोड़ा जा सकता है।

(a) डिजिटल डिवाइस (b) सिस्टम ऐड-ऑन (c) डिस्क पैक

(d) पैरिफेरल डिवाइस (e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad PO 2010)*

66. यदि कंप्यूटर में प्रिंटर या स्कैनर जैसी नई डिवाइस अटैच की जाती है तो डिवाइस का प्रयोग किए जाने से पहले इसका ....इंस्टाल किया जाना चाहिए।

(a) बफर (b) ड्राइवर (c) पेजर

(d) सर्वर (e) इनमें से कोई नहीं *(Punjab & Sind 2010)*

67. कम्पाइलिंग से ....क्रिएट होता/होती है।

(a) प्रोग्राम स्पेसिफिकेशन (b) एल्गोरिद्म (c) एक्जीक्यूटेबल प्रोग्राम

(d) सब रूटीन (e) इनमें से कोई नहीं *(Punjab & Sind 2010, RBI*

Viva

Viva Technologies

68. कंप्यूटर इन्स्ट्रक्शन लिखने के प्रोसैस को .... कहते हैं।
(a) एसेम्बलिंग (b) कम्पाइलिंग (c) एक्जीक्यूटिंग
(d) कोडिंग (e) इनमें से कोई नहीं *(Punjab & Sind 2010)*

69. सामान्य शब्द ''पेरिफरल इक्विपमेंट'' का प्रयोग किसलिए किया जाता है?
(a) कंप्यूटर सिस्टम के साथ अटैच की गई कोई भी डिवाइस
(b) बड़े पैमाने के कंप्यूटर सिस्टम
(c) प्रोग्राम कलेक्शन
(d) कार्यालय के दूसरे उपकरण जो डेस्कटॉप कंप्यूटर से न जुड़े हो
(e) इनमें से कोई नहीं *(Punjab & Sind 2010)*

70. हार्डवेयर में क्या शामिल है?
(a) कंप्यूटर में डाटा इनपुट करने के लिए प्रयुक्त सभी डिवाइसें
(b) अनुदेशों का समूह जिन्हें कंप्यूटर रन करता है या एक्जीक्यूट करता है
(c) कंप्यूटर और इससे जुड़ी वे सभी डिवाइसें जो डाटा के इनपुट और आउटपुट के लिए प्रयुक्त होती है
(d) सेंट्रल प्रोसैसिंग यूनिट, मेमरी व स्टोरेज सहित इनफारमेशन को प्रोसैस करने में लगी सभी डिवाइसें
(e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011)*

71. .....वह प्रोग्राम है जो कंप्यूटर को प्रयोग करने में आसान बना देता है।
(a) एप्लिकेशन (b) युटिलिटी (c) नेटवर्क
(d) आपरेटिंग सिस्टम (e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011)*

72. डिवाइस ड्राइवर क्या है?
(a) बाहरी स्टोरेज डिवाइसों के लिए टाइनी पावर कॉर्ड
(b) विशेषज्ञ, जो डिवाइसों के कार्यनिष्पादन को अधिकतम करना जानते हैं
(c) छोटे, विशेष उद्देश्य वाले प्रोग्राम
(d) आपरेटिंग सिस्टम के सबसे भीतरी पुर्जे
(e) आपरेटिंग सिस्टमों के सब्स्टीट्यूट *(Union Bank of India Clerk 2011)*

73. कंप्यूटर बूट "boot' नहीं कर सकता यदि, उसमें .... नहीं होता।
(a) कंपाइलर (b) लोडर (c) ऑपरेटिंग प्रणाली
(d) अॅसेंब्लर/संग्राहक (e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011)*

74. नीचे सूचीबद्ध चार शब्दों में से कौन-सा उनसे सम्बद्ध नहीं है?
(a) एप्लिकेशन (b) पेरिफेरल (c) प्रोग्राम
(d) सॉफ्टवेयर (e) इनमें से कोई नहीं
(Union Bank of India Clerk 2011, IBPS Clerk 2011)

75. ऑपरेटिंग प्रणाली और कंप्यूटर में प्रोसेसर इनके मिश्रण को..........कंप्यूटर्स के रूप में संदर्भित किया जाता है।
(a) फर्मवेयर (b) स्पेसिफिकेशन (c) न्यूनतम जरूरत
(d) प्लॅटफार्म (e) इनमें से कोई नहीं *(Bank of Bar...*

Viva Technologies

76. फ्री वेयर के दो उदाहरण क्या हैं?
(a) विनझिप और लिनक्स
(b) शेयरवेयर और फाइल शेयरिंग
(c) माइक्रोसॉफ्ट वर्ड और गूगल टूलबार
(d) इंस्टंट मेसेजिंग और गूगल टूलबार
(e) माइक्रोसॉफ्ट पॉवर पॉइंट व माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल *(Allahabad Bank PO 2011)*

77. वेंडर-सृजित / क्रिएटेड प्रोग्रॅम में संशोधनों को.....कहा जाता है।
(a) पैचेस (b) अँटीवायरसेस (c) होल्स
(d) फिक्सेस (e) ओवरलैपस् *(Allahabad Bank PO 2011)*

78. प्रत्येक कंप्यूटर में.....है और कई में.....भी होता है।
(a) ऑपरेटिंग प्रणाली, क्लायंट / ग्राहक प्रणाली
(b) ऑपरेटिंग प्रणाली, अनुदेश सैट्स
(c) ॲप्लिकेशन प्रोग्रॅम्स, ऑपरेटिंग प्रणाली
(d) ॲप्लिकेशन प्रोग्रॅम्स, ग्राहक / क्लाएंट प्रणाली
(e) ऑपरेटिंग प्रणाली, ॲप्लिकेशन प्रोग्रॅम *(Allahabad Bank PO 2011)*

79. निम्न में से कौन से प्रकार का कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर जिसे खरीदा नहीं जा सकता?
(a) ऑफ-द-शेल्फ (b) टेलर मेड (c) कस्टम-विकसित
(d) ऑफ-द-शेल्फ बदलावोंसहित
(e) ये सभी खरीदे जा सकते हैं *(Allahabad Bank PO 2011)*

80. कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर की परिभाषा ऐसी हो सकती है.....
(a) कंप्यूटर और उसके सहयोगी साधन / उपकरण
(b) ऐसे अनुदेश जो कंप्यूटर को बताते हैं कि क्या करना है
(c) कंप्यूटर के घटक जो लक्ष्यपूर्ति का कार्य करते हैं
(d) कंप्यूटर और नेटवर्क के बीच का इंटरफेस / चर्चा
(e) कंप्यूटर और उसके डाटा बेस के बीच का इंटरएक्शन/परिचर्चा
(Allahabad Bank PO 2011)

81. पहले से चल रहे कंप्यूटर को रीस्टार्ट करना.....कहलाता है।
(a) बूटिंग (b) स्टार्टिंग (c) रीबूटिंग
(d) सैकंड-स्टार्टिंग (e) इनमें से कोई नहीं
(Allahabad Bank Clerk 2011, IBPS Clerk 2011)

82. कंप्यूटर उपकरण को क्या कहते हैं?
(a) हार्डवेयर (b) बाइट (c) माउस
(d) सॉफ्टवेयर (e) डिफॉल्ट *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

83. उस हार्डवेयर के लिए प्रयुक्त सामान्य शब्द कौन सा है जो जरूरी नहीं कि कंप्यूटर के मूल कार्य के लिए हो, बल्कि बाहर से जुड़ा हो?
(a) आइकन (b) बिट (c) कीबोर्ड
(d) प्रिंटर (e) पेरिफेरल

Viva

84. सिस्टम के ..... में प्रोग्राम या इन्स्ट्रक्शन होते हैं।
(a) पेरिफेरल (b) सॉफ्टवेयर (c) इनफारमेशन्
(d) आइकन (e) हार्डवेयर *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

85. कंप्यूटर के प्रत्येक प्रोग्राम, डाटा और सिस्टम फाइल की प्रति ..... बैकअप में होती है।
(a) रिस्टोरेशन (b) बूटस्ट्रैप (c) डिफरंशियल
(d) फुल (e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

86. आपके कंप्यूटर का प्रत्येक घटक या तो .....
(a) एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर होता है या सिस्टम सॉफ्टवेयर
(b) सॉफ्टवेयर होता है या CPU/RAM
(c) हार्डवेयर होता है या सॉफ्टवेयर
(d) इनपुट डिवाइस होता है या आउटपुट डिवाइस
(e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

87. कंप्यूटर कंट्रोल करने संबंधी इंस्ट्रक्शन्स या प्रोग्रामों को ..... कहते हैं।
(a) सॉफ्टवेयर (b) हार्डवेयर (c) ह्यूमनवेयर
(d) प्रोग्रामर (e) एनालिस्ट्स *(IBPS Clerk 2011)*

88. ..... , एक समय में एक कथन को कन्वर्ट और एक्जेक्यूट करता है।
(a) कन्वर्टर (b) कंपाइलर (c) इंस्ट्रक्टर
(d) इंटरप्रेटर (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

89. एसेंब्लर के बारे में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है?
(a) एसेंब्ली लैंग्वेज के इंस्ट्रक्शन्स को मशीन लैंग्वेज में ट्रांसलेट करता है
(b) यह C प्रोग्राम को ट्रांसलेट नहीं करता है
(c) यह प्रोग्राम एक्जेक्यूशन में शामिल होता है
(d) एक ट्रांसलेटिंग प्रोग्राम है
(e) यह BASIC प्रोग्राम को ट्रांसलेट नहीं करता है *(IBPS Clerk 2011)*

90. निम्नलिखित में से कौन-सा हार्डवेयर का एक उदाहरण नहीं है?
(a) माउस (b) प्रिंटर (c) मॉनिटर
(d) ऑपरेटिंग सिस्टम (e) स्कैनर *(IBPS Clerk 2011)*

91. स्टोरेज की थोड़ी सी जगह में बहुत सी फाइलों को स्टोर करने के लिए निम्न में से किसका प्रयोग किया जा सकता है?
(a) फाइल एड्जेस्टमेंट (b) फाइल कॉपिंग (c) फाइल रीडिंग
(d) फाइल कम्पैटिबिलिटी (e) फाइल कम्प्रैशन *(IBPS Clerk 2011)*

92. निम्न में से कौन-सा हार्डवेयर है, सॉफ्टवेयर नहीं?
(a) एक्सेल (b) प्रिंटर ड्राइवर (c) आपरेटिंग सिस्टम
(d) पावर पाइंट (e) कंट्रोल यूनिट *(IBPS Clerk 2011)*

93. निम्न में से कौन-सा कम्पाइलर के बारे में सत्य नहीं है?
(a) उच्च स्तरीय भाषा के इन्स्ट्रक्शन का मशीन की भाषा में अनुवाद करता है
(b) सारे सोर्स प्रोग्राम का मशीन की भाषा के प्रोग्राम में अनुवाद करता है

Viva Technologies

(c) यह प्रोग्राम के एक्जीक्यूशन में शामिल होता है
(d) यह अनुवाद का प्रोग्राम है
(e) यह प्रोग्राम रन करने के लिए उपयोगी है *(IBPS Clerk 2011, SSC 2013)*

94. प्रिंटर और मॉनिटर जैसे पेरिफेरल उपकरणों को ..... माना जाता है।
(a) डाटा (b) सॉफ्टवेयर (c) हार्डवेयर
(d) इनफारमेशन (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

95. यह कंप्यूटर सिस्टम का वह भाग है जिसे कोई छू नहीं सकता .....
(a) हार्डवेयर (b) प्रिंटर (c) माउस
(d) स्कैनर (e) सॉफ्टवेयर *(IBPS Clerk 2011)*

96. वर्ड प्रोसैसर का श्रेष्ठ उपयोग किसके लिए होगा?
(a) तस्वीर पेंट करने के लिए (b) आकृति ड्रॉ करने के लिए (c) कहानी टाइप करने के लिए
(d) आय व व्यय का हिसाब लगाने के लिए
(e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

97. निम्न में से कौन-सा हार्डवेयर है, सॉफ्टवेयर नहीं है?
(a) एक्सेल (b) प्रिंटर ड्राइवर (c) ऑपरेटिंग सिस्टम
(d) पावर पाइंट (e) CPU *(IBPS Clerk 2011)*

98. ..... कमांड्स को सम्पन्न करने की प्रक्रिया है।
(a) फेचिंग (b) स्टोरिंग (c) डीकोडिंग
(d) एक्जीक्यूटिंग (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

99. POST का पूर्ण रूप क्या है?
(a) Power On Self Test (b) Program On Self Test
(c) Power On System Test (d) Program On System Test
(e) Power Off System Test *(IBPS Clerk 2011)*

100. लाइनेक्स ..... किस्म का सॉफ्टवेयर है।
(a) शेयरवेयर (b) कमर्शियल (c) प्रॉपराइटरी
(d) ओपन सोर्स (e) हिडन टाइप *(IBPS Clerk 2011, RBI 2012)*

101. ऑपरेटिंग सिस्टम और युटिलिटी प्रोग्राम सॉफ्टवेयर के उस वर्ग के हैं जिन्हें ..... कहा जाता है।
(a) एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर (b) सीक्वेंशियल सॉफ्टवेयर (c) सॉफ्टवेयर स्वीट्स
(d) BIOS सॉफ्टवेयर (e) सिस्टम सॉफ्टवेयर *(IBPS Clerk 2011)*

102. प्रिंटर, कीबोर्ड और मोडम जैसी बाहरी डिवाइसें ..... कहलाती हैं।
(a) ऐड-ऑन डिवाइसें (b) पेरिफेरल्स (c) एक्स्ट्रा हार्डवेयर डिवाइसें
(d) PC एक्सपैंशन स्लॉट एड-ऑन्स (e) स्पैशल-बाइस
(IBPS Clerk 2011)

103. लाइनक्स एक .....
(a) कंप्यूटर सिस्टम है (b) ऑपरेटिंग सिस्टम है
(c) एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर का पीस है (d) CPU डिवाइस का एक प्रकार है
(e) हार्डवेयर है

Viva

104. जब एक कंप्यूटर में दो प्रोसेसर लगाए जाते हैं, तो उसे ..... कहते हैं।
(a) डबल प्रोसैसिंग (b) सीक्वेंशियल प्रोसैसिंग (c) CPU डुप्लिकेट प्रोसैसिंग
(d) क्लस्ट्रिंग (e) पैरेलल प्रोसैसिंग *(IBPS Clerk 2011)*

105. कोई डिवाइस जिन सभी करैक्टर्स का प्रयोग कर सकती है, उसे इसका ..... कहते हैं।
(a) स्किल सेट (b) करेक्टर अल्फाबेट (c) करेक्टर्स कोड्स
(d) कीबोर्ड करैक्टर्स (e) करेक्टर सेट *[SBI 2012]*

106. मूर्त, कम्प्यूटर का भौतिक उपकरण जिसे देखा और छुआ जा सकता है ..... कहलाता है।
(a) हार्डवेयर (b) सॉफ्टवेयर (c) स्टोरेज
(d) इनपुट/आउटपुट (e) इनमें से कोई नहीं *[SBI 2012]*

107. कम्प्यूटर का कोई कंपोनेन्ट जिसे आप देख और छू सकते हैं .....
(a) सॉफ्टवेयर (b) पेरिफेरल (c) स्टोरेज
(d) CPU (e) हार्डवेयर *[SBI 2012]*

108. जिससे कम्प्यूटर एक से अधिक टास्क परफार्म कर सकता है उस सेट ऑफ इंस्ट्रक्शन्स के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा पद उपयुक्त है?
(a) हार्डवेयर (b) सॉफ्टवेयर (c) ह्यूमनवेयर
(d) फर्मवेयर (e) इनमें से कोई नहीं *[SBI 2012]*

109. प्रोग्राम के टेस्ट रिजल्ट और प्रिंटआउट के साथ-साथ प्रोग्रामिंग चक्र और प्रोग्राम का विस्तृत लिखित विवरण ..... कहलाता है।
(a) डाक्यूमेंटेशन (b) आउटपुट (c) रिपोर्टिंग
(d) स्पेक शीट्स (e) डाइरेक्टरी *[IBPS PO 2012]*

110. ..... प्रोग्रामों का एक सेट है जो कम्प्यूटर के संसाधनों को प्रबंधित करने के लिए डिजाइन किया गया है और जिसमें कम्प्यूटर शुरू करना, प्रोग्रामों को मैनेज करना, मेमरी को मैनेज करना और इनपुट तथा आउटपुट डिवाइसों के बीच के कार्यों का समन्वय करना शामिल है।
(a) एप्लिकेशन सूट (b) कम्पाइलर (c) इनपुट/आउटपुट सिस्टम
(d) इंटरफेस (e) ऑपरेटिंग सिस्टम (OS) *[IBPS PO 2012]*

111. कम्प्यूटर के डाटा का सी.पी.यू. से परिधि यंत्रों को अंतरण किसके माध्यम से प्राप्त किया जाता है?
(a) मोडम (b) कम्प्यूटर पार्ट्स
(c) इन्टरफेस (d) बफर मेमरी *[SSC Tier–I 2012]*

112. विशिष्ट प्रतिबंधों के आधार पर सॉफ्टवेयर के प्रयोग का कानूनी अधिकार ..... के माध्यम से दिया जाता है।
(a) सॉफ्टवेयर प्राइवेसी नीति (b) सॉफ्टवेयर लाइसेंस
(c) सॉफ्टवेयर पासवर्ड मैनेजर (d) सॉफ्टवेयर लॉग
(e) इनमें से कोई नहीं *[RBI 2012]*

113. एक प्रकार का सॉफ्टवेयर जो कम्प्यूटर के इंटर्नल ऑपरेशन्स कंट्रोल करता है और कैसे कम्प्यूटर अपने सभी पार्ट्स के साथ काम करता है उसका कंट्रोल करता है वह निम्नलिखित में से कौन-सा है?

Viva

(a) शेयरवेयर (b) पब्लिक डोमेन सॉफ्टवेयर
(c) ऐप्लिकेशन सॉफ्टवेयर (d) ओपरेटिंग सिस्टम सॉफ्टवेयर
(e) इनमें से कोई नहीं *[RBI 2012]*

114. जब आप PC बूट करते हैं तब क्या होता है?
(a) ओपरेटिंग सिस्टम के अंश डिस्क में मैमरी में कॉपी किये जाते हैं
(b) ओपरेटिंग सिस्टम के अंश मैमरी से डिस्क में कॉपी किये जाते हैं
(c) आपरेटिंग सिस्टम के अंश कंपाइल किये जाते हैं
(d) ओपरेटिंग सिस्टम के अंश एम्यूलेट किये जाते हैं
(e) PC बंद हो जाता है *[RBI 2012]*

115. लिनक्स ..... का एक उदाहरण है।
(a) फ्रीवेयर (b) ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर (c) शेयर वेयर
(d) कॉम्प्लिमेंटरी (e) इनमें से कोई नहीं *[RBI 2012]*

116. ..... तब होता है जब ओपरेटिंग सिस्टम RAM में लोडेड होता है।
(a) कॉपिंग (b) डिवाइस ड्राइविंग (c) बूटिंग
(d) मल्टीटास्किंग (e) इनमें से कोई नहीं *[RBI 2012]*

117. .....एक विंडोज युटिलिटी प्रोग्राम है जो अनावश्यक हिस्सों फ्रेग्मेंट्स को पहचानता और हराता है और फाइलों तथा अप्रयुक्त डिस्क स्पेस को पुनर्व्यवस्थित करता है ताकि ऑपरेशन इष्टतम ढंग से हो सके।
(a) बैकअप (b) डिस्क क्लीनअप (c) डिस्क डीफ्रेग्मेंटर
(d) रीस्टोर (e) डिस्क रीस्टोरर *(SBI PO 2013)*

118. सिस्टम को बूट करने का क्या अभिप्राय है?
(a) ऑपरेटिंग सिस्टम को लोड करना (b) कम्प्यूटर को डिसमिस करना
(c) 'बूटिंग' नामक एप्लिकेशन प्रोग्राम चलाना
(d) कम्प्यूटर को भौतिक रूप से किक करना *(SSC 2013)*

उत्तर

1.	(c)	2.	(a)	3.	(a)	4.	(b)	5.	(d)	6.	(a)	7.	(a)
8.	(d)	9.	(b)	10.	(b)	11.	(b)	12.	(a)	13.	(d)	14.	(b)
15.	(a)	16.	(a)	17.	(c)	18.	(a)	19.	(b)	20.	(d)	21.	(d)
22.	(a)	23.	(d)	24.	(c)	25.	(c)	26.	(b)	27.	(b)	28.	(b)
29.	(c)	30.	(c)	31.	(b)	32.	(a)	33.	(b)	34.	(e)	35.	(b)
36.	(b)	37.	(a)	38.	(b)	39.	(b)	40.	(b)	41.	(b)	42.	(c)
43.	(c)	44.	(d)	45.	(c)	46.	(a)	47.	(a)	48.	(c)	49.	(d)
50.	(d)	51.	(c)	52.	(b)	53.	(b)	54.	(c)	55.	(c)	56.	(a)
57.	(b)	58.	(a)	59.	(a)	60.	(d)	61.	(b)	62.	(d)	63.	(b)
64.	(b)	65.	(d)	66.	(b)	67.	(c)	68.	(d)	69.	(a)	70.	(c)
71.	(b)	72.	(c)	73.	(c)	74.	(b)	75.	(d)	76.	(d)	77.	(a)
78.	(e)	79.	(e)	80.	(b)	81.	(c)	82.	(a)	83.	(e)	84.	(b)
85.	(d)	86.	(c)	87.	(a)	88.	(d)	89.	(c)	90.	(d)	91.	(e)
92.	(e)	93.	(d)	94.	(c)	95.	(e)	96.	(c)	97.	(e)	98.	(d)
99.	(a)	100.	(d)	101.	(e)	102.	(b)	103.	(b)	104.	(e)	105.	(e)
106.	(a)	107.	(e)	108.	(b)	109.	(a)	110.	(e)	111.	(c)	112.	(b)
113.	(d)	114.	(a)	115.	(b)	116.	(c)	117.	(c)	118.	(a)		

★★★

Viva Technologies

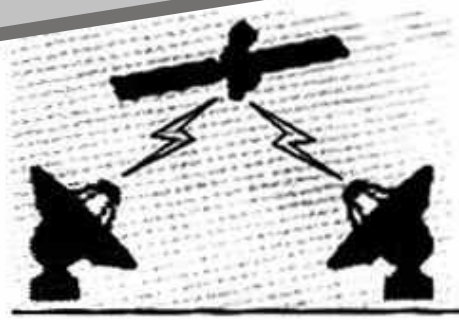

डेटा संचार
(Data Communication)

डेटा संचार दो या दो से अधिक कम्प्यूटर केन्द्रों के बीच डिजिटल या एनालॉग डेटा का स्थानान्तरण है, जो आपस में संचार चैनल से जुड़ा होता है।

डेटा संचार के लाभ

- डेटा को भौतिक रूप (Physical) से भेजने में तथा डेटा तैयार करने में लगने वाले समय की बचत।
- आधुनिक कम्प्यूटर के प्रोसेसिंग शक्ति तथा संग्रहण क्षमता का पूर्ण उपयोग।
- फाइल से सूचनाओं की तीव्र प्राप्ति।
- फाइलों के नकल से बचाव तथा शुद्धता।
- कम खर्च में डेटा का आदान-प्रदान।

संचार चैनल के प्रकार
Types of Transmission Channel

संचार चैनल मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं

1. सिम्पलेक्स चैनल
Simplex Channel

A ⟶ B
प्रेषक (Sender)   प्राप्तकर्ता (Receiver)

इसमें डेटा का प्रवाह हमेशा एक ही दिशा में होता है। जैसे– रेडियो स्टेशन से रेडियो सिग्नल श्रोताओं के पास पहुँचता है, पर श्रोता वापस उन्हें रेडियो स्टेशन स्थानांतरित नहीं कर सकता है। सिग्नल एक ही दिशा में अर्थात् 'A' से 'B' की ओर जाता है।

2. अर्द्ध डुप्लेक्स चैनल
Half Duplex Channel

A ⇄ B
प्रेषक या प्राप्तकर्ता (Sender or Receiver)   प्राप्तकर्ता या प्रेषक (Receiver or Sender)

इस चैनल में डेटा का प्रवाह दोनों दिशाओं में होता है। परन्तु एक समय में किसी एक ही दिशा में डेटा का प्रवाह होता है, अर्थात् 'A' से 'B' या 'B' से 'A' की ओर। जैसे– टेलीफोन लाइन।

3. पूर्ण डुप्लेक्स चैनल
Full Duplex Channel

(प्रेषक) A ⟶ B (प्राप्तकर्ता)
(प्राप्तकर्ता) A ⟵ B (प्रेषक)

Viva

Viva Technologies

इस चैनल में डेटा का प्रवाह दोनों दिशाओं में एक साथ हो सकता है। एक ही समय में डेटा 'A' से 'B' की ओर तथा 'B' से 'A' की ओर आ-जा सकता है।

इन्फार्मेशन ट्रांसफर स्पीड

Information Transfer Speed

इन्फॉर्मेशन ट्रांसफर स्पीड को बिट्स और बॉड (Bits and Bauds) रेट से मापा जाता है।

एक सेकंड में स्थानांतरित बिट्स की गति को *बिट रेट* कहते हैं।

एक सेकंड में सिग्नल के अवस्था में परिवर्तन कितनी बार होता है इसे *बॉड रेट* कहते हैं।

डेटा कम्युनिकेशन माध्यम

Data Communication Medium

एक कम्प्यूटर से टर्मिनल या टर्मिनल से कम्प्यूटर तक डाटा के प्रवाह के लिए किसी माध्यम की आवश्यकता होती है जिसे कम्युनिकेशन लाइन या डेटा लिंक कहते हैं। ये निम्नलिखित प्रकार के होते हैं—

1. स्टैन्डर्ड टेलीफोन लाइन (Standard Telephone line)
2. को-एक्सियल केबल (Coaxial-Cable)
3. माइक्रोवेव ट्रांसमिशन (Microwave Transmission)
4. उपग्रह संचार (Satellite Communication)
5. प्रकाशीय तंतु (Optical Fibers)

1. स्टैन्डर्ड टेलीफोन लाइन : यह व्यापक रूप से उपयोग होने वाला डेटा कम्युनिकेशन माध्यम है। इसके ज्यादा प्रभावी रूप से उपयोग होने का कारण यह है कि इसे जोड़ना सरल है तथा बड़ी मात्रा में टेलीफोन केबल लाइन उपलब्ध हैं। ये दो ताँबे के तार होते हैं जिनपर कुचालक की एक परत चढ़ी होती है।

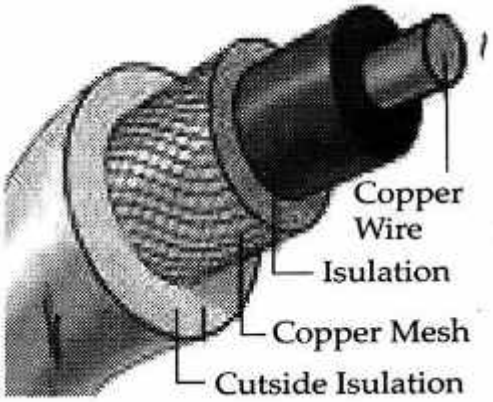

2. को-एक्सियल केबल : यह उच्च गुणवत्ता के संचार माध्यम है। ये जमीन या समुद्र के नीचे से ले जाये जाते हैं। को-एक्सियल केबल के केन्द्र में ठोस तार होता है जो कुचालक से चारों तरफ घिरा रहता है। इस कुचालक के ऊपर तार की जाली बनी होती है, जिसके ऊपर कुचालक की परत होती है। ये टेलीफोन तार की तुलना में महँगा होता है, पर अधिक डेटा कम्युनिकेशन की क्षमता होती है। इसका उपयोग केबल टीवी नेटवर्क तथा कम्प्यूटर नेटवर्क में किया जाता है।

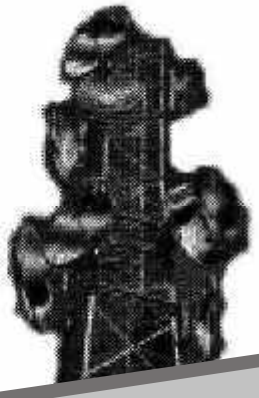

3. माइक्रोवेव ट्रांसमिशन या इनफ्रारेड ट्रांसमिशन : इस सिस्टम में सिग्नल खुले जगह से होकर रेडियो सिग्नल की तरह संचारित किये जाते हैं। यह स्टैन्डर्ड टेलीफोन लाइन तथा को-एक्सियल केबल की तुलना में तीव्र गति से संचार प्रदान करता है। इस सिस्टम में डेटा सीधी रेखा में गमन करती है तथा एन्टिना की आवश्यकता होती है। लगभग 30 मीलों पर रिले स्टेशन की जरूरत होती है। लम्बी दूरी सिग्नल भेजने के लिए सिग्नल को एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन पर विस्तार कर (Amplified)

Viva Technologies

भेजा जाता है। यह बैंडविड्थ अच्छा प्रदान करता है पर वर्षा, धूल,बर्फ, बादल अर्थात् खराब वातावरण से प्रभावित होता है। इसका उपयोग टेलीविजन प्रसारण तथा सेलुलर नेटवर्क में होता है।

4. उपग्रह संचार : उपग्रह संचार तीव्र गति के डेटा संचार का माध्यम है। यह लम्बी दूरी के संचार के लिए आदर्श माना जाता है। अंतरिक्ष में स्थित उपग्रह को जमीन पर स्थित स्टेशन से सिग्नल भेजा जाता है। उपग्रह उस सिग्नल का विस्तार कर दूसरे जमीनी स्टेशन को जो हजारों मील दूर अवस्थित होता है, पुनः भेजता है। इस सिस्टम में विशाल डेटा का समूह तीव्र गति से अधिकतम दूरी तक भेजा जा सकता है। इसका उपयोग उपग्रह फोन, टीवी तथा इंटरनेट के लिए होता है।

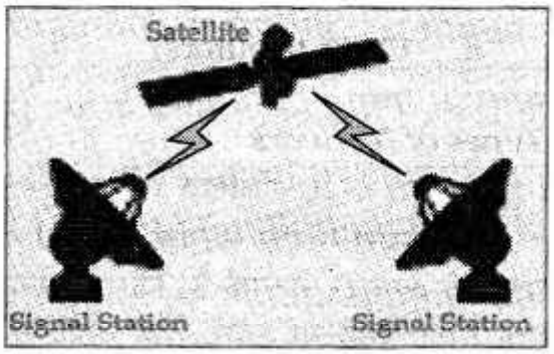

5. प्रकाशीय तंतु संचार : प्रकाशीय तंतु एक नई तकनीक है जिसने धातु के तारों और केबल के जगह पर विशिष्ट प्रकार के ग्लास या प्लास्टिक के तंतु का उपयोग डाटा संचार के लिए किया जाता है। ये धातु की तुलना में काफी हल्की, आकार में कम तथा तीव्र गति से डेटा संचारित करने में सक्षम है। यह शोर कम तथा बैंडविड्थ अधिक प्रदान करता है। इसका उपयोग टेलीकम्युनिकेशन और नेटवर्किंग के लिए होता है। यह पूर्ण आंतरिक परावर्तन (Total Internal Reflection) के सिद्धान्त पर कार्य करता है। यह रेडियो आवृति अवरोधों से मुक्त होता है।

नेटवर्क
Network

नेटवर्क आपस में एक दूसरे से जुड़े कम्प्यूटरों का समूह है जो एक दूसरे से संचार स्थापित करने तथा सूचनाओं, संसाधनों को साझा इस्तेमाल करने में सक्षम होते हैं। जैसे—प्रिंटर इत्यादि। किसी भी नेटवर्क को स्थापित करने के लिए प्रेषक, प्राप्तकर्ता, माध्यम तथा प्रोटोकॉल की आवश्यकता होती है। विश्व का प्रथम कम्प्यूटर नेटवर्क ARPANET है।

प्रोटोकॉल (Protocol) : प्रोटोकॉल किसी भी नेटवर्क में विशेष नियमों तथा मानकों का समूह है जिसके नियमानुसार डेटा स्थानान्तरण तथा आपस में एक दूसरे कम्प्यूटरों को जोड़ा जाता है।

नोड (Nodes) : किसी नेटवर्क में नोड एक कनेक्सन प्वाइंट है जहाँ डेटा ट्रांसमिशन का अंत होता है या वहाँ से पुनः डेटा का वितरण होता है

सर्वर (Server) : सर्वर मुख्य कम्प्यूटर है जो नेटवर्क से जुड़ें दूसरे कम्प्यूटरों को रिसोर्सेस प्रदान करते हैं। यह नेटवर्क में सबसे महत्त्वपूर्ण तथा शक्तिशाली कम्प्यूटर है। सर्वर एक सेन्ट्रल कम्प्यूटर है जो बहुत सारे PCs, वर्कस्टेशन्स और अन्य कम्प्यूटरों के लिए डाटा और प्रोग्रामों के संग्रह को होल्ड करता है।

टर्मिनल (Terminal) : यह मेनफ्रेम या सुपर कम्प्यूटर के संसाधनों का साझा इस्तेमाल के लिए उपयोग होता है।

डम्ब टर्मिनल (Dumb Terminal) : यह नगण्य इंटेल्जिेंस वाला कम्प्यूटर है।

Viva
Viva Technologies

नेटवर्क के लिए आवश्यक उपकरण
Networking Devices

नेटवर्क स्थापित करने के लिए मुख्य उपकरण निम्नलिखित हैं—

1. रिपीटर्स (Repeaters) 2. हब (Hub) 3. स्विच (Switches)
4. राउटर्स (Routers) 5. गेटवे (Gateways)

नेटवर्क के प्रकार
Types of Network

नेटवर्क के निम्नलिखित प्रकार हैं—

1. लोकल एरिया नेटवर्क (Local Area Network–LAN) **या स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क :** यह एक कम्प्यूटर नेटवर्क है, जिसके अन्दर छोटे भौगोलिक क्षेत्र जैसे– घर, ऑफिस, भवनों का एक छोटा समूह या हवाई अड्डा आदि में कम्प्यूटर नेटवर्क है। वर्तमान लैन ईथरनेट तकनीकी पर आधारित है। इस नेटवर्क का आकार छोटा, लेकिन डेटा संचारण की गति तीव्र होती है।

2. वाइड एरिया नेटवर्क (Wide Area Network–WAN) **व्यापक क्षेत्र नेटवर्क** : इस नेटवर्क में कम्प्यूटर आपस में लीज्ड लाइन या स्विचड सर्किट के द्वारा जुड़े रहते हैं। यह नेटवर्क व्यापक भौगोलिक क्षेत्र देश, महादेश में फैला नेटवर्क का जाल है। इंटरनेट इसका अच्छा उदाहरण है। भारत में CMC द्वारा विकसित इंडोनेट वैन का उदाहरण है। बैंकों द्वारा प्रदत्त ATM सुविधा वाइड एरिया नेटवर्क का उदाहरण है।

3. मेट्रोपोलिटन एरिया नेटवर्क (Metropolitan Area Network–MAN) : MAN दो या दो से अधिक लोकल एरिया नेटवर्क को जोड़ता है। यह शहर की सीमाओं के भीतर स्थित कम्प्यूटरों का नेटवर्क है। राउटर्स, स्विच और हब्स मिलकर एक MAN का निर्माण करते हैं।

4. कैम्पस एरिया नेटवर्क (Campus Area Network–CAN) : CAN सीमित भौगोलिक क्षेत्र में LAN के जुड़ने (interconnection) से निर्मित कम्प्यूटर नेटवर्क है। इसमें उपयोग होने वाले नेटवर्कींग equipment जैसे—राउटर्स, स्विच ऑप्टिकल फाइबर इत्यादि कैम्पस owner के द्वारा owned होता है।

नेटवर्क टोपोलॉजी
Network Topology

नेटवर्क टोपोलॉजी विभिन्न नोड्स या टर्मिनल को आपस में जोड़ने का तरीका है। यह विभिन्न नोड्स के बीच भौतिक संरचना को दर्शाता है।

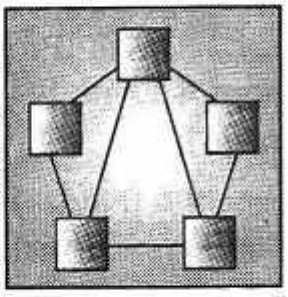

नेटवर्क टोपोलॉजी के प्रकार

1. मेस (Mesh) नेटवर्क : यह नेटवर्क उच्च ट्रैफीक स्थिति में मार्ग (Routes) को ध्यान में रखकर उपयोग किया जाता है। इसमें किसी भी स्रोत (Source) से कई मार्गों से संदेश भेजा जा सकता है। पूर्णतः इन्टरकनेक्टेड मेस नेटवर्क खर्चीला है, क्योंकि इसमें ज्यादा केबल (Cable) तथा हर नोड में इंटेलिजेंस की आवश्यकता होती है। इस नेटवर्क में उच्च सुरक्षा अनुप्रयोग में डाटा प्रेषित किया जाता है।

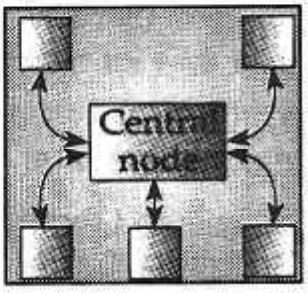

2. स्टार (Star) **नेटवर्क** : इस नेटवर्क में एक केन्द्रीय नोड (Central Node) होता है जो इंटेलिजेंस से युक्त होता है। बाकी नोड्स इससे जुड़े रहते हैं। इस केन्द्रीय नोड को *हब (Hub)* कहते हैं। कोई एक केबल (Cable) में कोई कठिनाई आने पर एक ही नोड विफल होता है परन्तु अगर हब में कोई कठिनाई आती है तो सारा नेटवर्क विफल हो जाता है।

Viva

3. रिंग (Ring) नेटवर्क : इस नेटवर्क में सभी नोड्स में समान रूप से इंटेलिजेंस होता है। डेटा का प्रवाह हमेशा एक ही दिशा में होता है परन्तु किसी भी एक केबल या नोड में कठिनाई आने पर दूसरे दिशा से संचार संभव है।

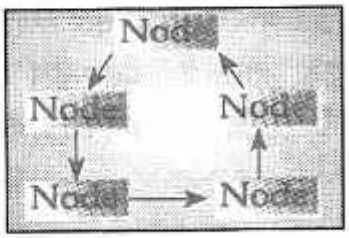

4. बस (Bus) नेटवर्क—इस नेटवर्क में सभी नोड्स एक ही केवल में जुड़े रहते हैं। कोई भी नोड किसी दूसरे नोड को डेटा प्रेषित करना चाहता है तो उसे देखना होता है कि बस में कोई डेटा प्रवाहित तो नहीं हो रहा है। बस खाली रहने पर नोड डेटा प्रेषित कर सकता है। डेटा प्राप्त करने के लिए हर नोड के पास इतनी इंटेलिजेंस होनी चाहिए कि वह बस से अपने पता (address) ज्ञात कर डेटा प्राप्त कर सके। इसमें कम केबल की आवश्यकता होती है तथा कोई नया नोड जोड़ना आसान होता है। परन्तु प्रमुख ट्रांसमिशन लाइन में कठिनाई आने पर सारा नेटवर्क विफल हो जाता है।

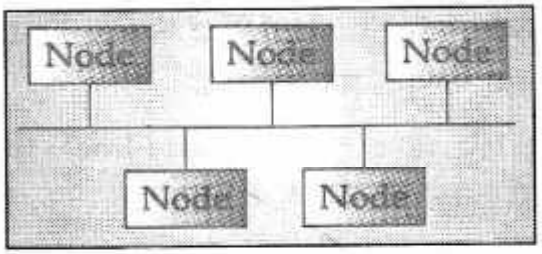

मॉडुलेशन
Modulation

यह किसी जानकारी (Information) को लम्बी दूरी तक सिग्नल के रूप में भेजने के लिए उपयोग होता है। मॉडुलेशन डिजिटल सिग्नल को एनालॉग रूप में बदलने की प्रक्रिया है। यह मॉडम (MODEM-Modulactor-Demodulator) के द्वारा संभव होता है। मॉडम एक विद्युत यंत्र है जो डिजिटल सिग्नल को एनालॉग सिग्नल में बदलकर भेजता है, तथा एनालॉग सिग्नल को डिजिटल सिग्नल में बदलकर प्राप्त करता है।

मॉडुलेशन तीन प्रकार के होते हैं—

1. आयाम (Amplitude) मॉडुलेशन : इस प्रक्रिया में वाहक सिग्नल का आयाम सूचना युक्त डिजिटल सिग्नल के अनुरूप बदला जाता है।

2. आवृत्ति (Frequency) मॉडुलेशन : इस प्रक्रिया में वाहक सिग्नल की आवृत्ति को सूचना युक्त डिजिटल सिग्नल के अनुरूप बदला जाता है।

3. चरण (Phase) मॉडुलेशन : इस प्रक्रिया में वाहक सिग्नल के फेज (phase) को डिजिटल सिग्नल के अनुरूप बदला जाता है।

डेटा ट्रांसमिशन सेवा
Data Transmission Service

डेटा को एक स्थान से दूसरे स्थान भेजने के लिए जिस सेवा का उपयोग होता है उसे डेटा ट्रांसमिशन सेवा कहते हैं। इस सेवा को देने वाले को डेटा ट्रांसमिशन सेवा प्रदाता (Data Transmission Service Provider) कहते हैं। जैसे–

1. VSNL—विदेश संचार निगम लिमिटेड
2. BSNL—भारत संचार निगम लिमिटेड
3. MTNL—महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड

डेटा ट्रांसमिशन सेवा निम्नलिखित हैं—

1. डायल अप लाइन (Dial up line) : डायल अप लाइन टेलीफोन कनेक्शन से संबंधित है जो एक सिस्टम में बहुत सारे लाइनों तथा यूजरों से जुड़ा है। इसका उपयोग टेलीफोन की

Viva Technologies

तरह नम्बर डायल कर संचार स्थापित करने में किया जाता है। इसे कभी-कभी स्विच्ड लाइन भी कहा जाता है। यह पहले से विद्यमान टेलीफोन सेवा का उपयोग करता है। ब्राडबैंड तकनीक भी डायल अप कनेक्शन के द्वारा ही उपयोग होता है।

2. डिजिटल सब्सक्राइबर लाइन (DSL): यह एक high speed इंटरनेट सेवा है जो केबल (cable) के माध्यम से ऑन लाइन सुविधा प्रदान करता है। यह डायल अप सेवा की तरह ही कॉपर टेलीफोन लाइन का उपयोग करता है, परन्तु यह डायल अप सेवा से काफी तेज स्पीड प्रदान करता है। DSL सेवा के लिए DSL मॉडम की आवश्यकता होती है जो टेलिफोन लाइन तथा कम्प्यूटर को जोड़ता है।

3. लीज्ड लाइन (Leased line): लीज्ड लाइन आवाज और डेटा दूरसंचार सेवा के लिए दो स्थानों को जोड़ती है। यह एक सिर्फ, समर्पित लाइन (Dedicated Cable) नहीं है, बल्कि यह वास्तव में दो बिन्दु के बीच आरक्षित सर्किट है। यह कम या ज्यादा दोनों दूरी में संभव है। इसे समर्पित (Dedicated) लाइन भी कहते हैं। इसका सबसे अधिक उपयोग उद्योगों द्वारा अपने शाखा कार्यालयों को जोड़ने के लिए किया जाता है, क्योंकि यह नेटवर्क ट्रैफिक के लिए बैंडविड्थ की गारंटी देता है।

4. एकीकृत सेवा डिजिटल नेटवर्क (ISDN–Integrated Services Digital Network): एकीकृत सेवा डिजिटल नेटवर्क सर्किट स्विच्ड टेलीफोन नेटवर्क के माध्यम से आवाज, डेटा और छवि का स्थानान्तरण है। इस सेवा के अन्तर्गत आवाज, डेटा या छवि डिजिटल रूप में भेजा जाता है अतः शोर से बिल्कुल मुक्त रहता है। इस लाइन में कई उपकरणों को संलग्न किया जा सकता है, और जरूरत के अनुरूप इस्तेमाल किया जा सकता है। अर्थात् ISDN लाइन लोगों की पूरी संचार व्यवस्था की देखभाल कर सकता है। इस सेवा में मॉडम की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि डेटा का आदान प्रदान डिजिटल रूप में होता है।

नेटवर्क इंटरफेस कार्ड
NIC–Network Interface Card

यह एक हार्डवेयर डिवाइस है जो कम्प्यूटर को नेटवर्क में संचार स्थापित करने में सक्षम बनाता है। नेटवर्क के अन्तर्गत कम्प्यूटर एक निश्चित प्रोटोकॉल के तहत् डेटा पैकेट का आपस में आदान-प्रदान करते हैं।

वायरलेस तकनीक
Wireless Technology

वायरलेस तकनीक जैसा कि नाम से ज्ञात होता है यह बिना तारों (wire) की तकनीक है। अर्थात् इसके द्वारा डेटा का परिवहन बिना तारों या केबल के होता है। इस तकनीक के प्रयोग से केबल के खर्च भी बचत होती है। इस तकनीक में केबल के स्थान पर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों, माइक्रोवेव, इन्फ्रारेड तरंगों आदि के द्वारा डेटा का परिवहन होता है। वायरलेस तकनीक के अनुप्रयोग निम्नलिखित हैं–टेलीविजन रिमोट कंट्रोल, सेलुलर फोन, वाई-फाई आदि।

वाई-मैक्स (WiMAX–World wide Interoperability for Microwave Access): यह एक डिजिटल वायरलेस संचार प्रणाली है। यह तकनीक बिना केबल के 75 MB/सेकंड ब्रॉडबैड स्पीड प्रदान करता है।

वायरलेस लोकल लूप
WLL–Wireless Local Loop

यह एक वायरलेस संचार प्रणाली है जिसमें उपभोक्ता नेटवर्क से रेडियो आवृत्ति (Radio Frequency) के प्रयोग से जुड़ते हैं। यह बेहतर आवाज तथा उच्च गति डेटा क्षमता प्रदान करता है। जिस स्थान पर लैंडलाइन टेलीफोन कनेक्शन का प्रावधान संभव नहीं है वहाँ वायरलेस लोकल लूप तकनीक प्रभावी सेवा है। यह सी डी एम ए (Code Division Multiple Access) पर आधारित है। आजकल यह नेटवर्क के लिए लोकप्रिय साधन है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. मेनफ्रेम या सुपरकंप्यूटर में एक्सेस के लिए यूजर्स अक्सर ..... का उपयोग करते हैं।
(a) टर्मिनल (b) नोड (c) डेस्कटॉप
(d) हैंडहेल्ड (e) इनमें से कोई नहीं

2. पर्सनल कंप्यूटर .... बनाने के लिए साथ कनेक्ट किए जा सकते हैं।
(a) सर्वर (b) सुपर कंप्यूटर (c) एन्टरप्राइज
(d) नेटर्वक (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009, IBPS PO 2011)*

3. टिपिकल नेटवर्क में सबसे महत्वपूर्ण या शक्तिशाली कंप्यूटर कौन-सा है?
(a) डेस्कटॉप (b) नेटवर्क क्लाइंट (c) नेटवर्क सर्वर
(d) नेटवर्क स्टेशन (e) इनमें से कोई नहीं

4. ..... हार्डवेयर और सोफ्टवेयर का एक कोंबिनेशन हैं जो कंप्यूटिंग डिवाइसों के बीच सूचना के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है।
(a) नेटवर्क (b) पेरिफरल (c) एक्सपैंशन बोर्ड
(d) डिजिटल डिवाइस (e) इनमें से कोई नहीं

5. सर्वर्स वे कंप्यूटर हैं जो ..... से कनेक्टेड दूसरे कंप्यूटरों को रिसोर्सेस प्रोवाइड करते हैं—
(a) नेटवर्क (b) मेनफ्रेम (c) सुपरकंप्यूटर
(d) क्लाइंट (e) इनमें से कोई नहीं

6. डायल-अप इंटरनेट एक्सेस का एक लाभ निम्नलिखित है—
(a) यह ब्रोडबैंड टेक्नोलॉजी का उपयोग करता है
(b) यह विद्यमान टेलीफोन सेवा का उपयोग करता है
(c) यह सुरक्षा के लिए राऊटर का उपयोग करता है
(d) मॉडेम स्पीड बहुत तेज होती है (e) इनमें से कोई नहीं

7. ..... टेपोलोजी में नेटवर्क कंपोनेन्ट एक ही केबल से कनेक्ट किए जाते हैं।
(a) स्टार (b) रिंग (c) बस
(d) मेश (e) मिक्स्ड

8. सूचना शेयर करने के लिए एक-दूसरे से कनेक्टेड दो या अधिक कम्प्यूटर से ..... बनता है।
(a) नेटवर्क (b) राऊटर (c) सर्वर
(d) टनल (e) पाइपलाइन

Viva
Viva Technologies

9. बड़े पैमाने पर भौगोलिक रूप से अलग-अलग फैले हुए ऑफिस LANs एक कार्पोरेट ..... के उपयोग से कनेक्ट किए जा सकते हैं।
(a) CAN (b) LAN (c) DAN
(d) WAN (e) TAN

10. निम्नलिखित में से कौन-सा एक छोटा सिंगल-साइट नेटवर्क है?
(a) LAN (b) DSL (c) RAM
(d) USB (e) CPU

11. LAN (लोकल एरिया नेटवर्क) से जुड़े कंप्यूटर.....
(a) तेज चल सकते हैं (b) ऑनलाइन जा सकते हैं
(c) इन्फर्मेशन और/या पेरिफरल उपकरण शेयर कर सकते हैं
(d) ई-मेल कर सकते हैं (e) इनमें से कोई नहीं

12. स्थानीय क्षेत्र नेटवर्किंग (LAN) किसके लिए उपयोगी है?
(a) रेलवे (b) बैंक (c) व्यापारी
(d) मोटर-वाहन दफ्तर (e) इनमें से कोई नहीं

13. टेलीफोन ब्रॉडकास्ट किस प्रकार के ट्रांसमिशन का उदाहरण है?
(a) सिमप्लेक्स (b) हाफ डुप्लेक्स (c) फुल-डुप्लेक्स
(d) ऑटोमेटिक (e) इनमें से कोई नहीं

14. ब्राडबैण्ड तकनीक का उपयोग निम्नलिखित में से किस प्रकार के इंटरनेट कनेक्शन द्वारा किया जाता है?
(a) लीज्ड लाइन कनेक्शन (b) डायल-अप कनेक्शन (c) 1 और 2 दोनों
(d) ISDN कनेक्शन (e) इनमें से कोई नहीं

15. विश्व का प्रथम कम्प्यूटर नेटवर्क किसे माना जाता है?
(a) I net (b) NSF Net (c) ARPANET
(d) V net (e) Internet

16. निम्नलिखित किस तकनीक में डाटा ट्रांसफर करने के लिए सोर्स डिवाइस और डेस्टिनेशन डिवाइस का लाइन ऑफ साइट में होना आवश्यक है—
(a) LAN (b) ब्लूटूथ (c) WAN
(d) इन्फ्रारेड (e) उपर्युक्त तीनों

17. प्रथम नेटवर्क जिससे इंटरनेट की नींव पड़ी—
(a) ARPA NET (b) NSF NET (c) V NET
(d) I NET (e) इनमें से कोई नहीं

18. जब कई कम्प्यूटरों को एक ही जगह पर जोड़ना होता है, तो उसे क्या कहा जाता है?
(a) LAN (b) WAN (c) INFINET
(d) WON (e) DON

19. बैंकों द्वारा उपलब्ध कराई गई एटीएम की सुविधा किस नेटवर्किंग का उदाहरण है?
(a) स्थानीय नेटवर्किंग (b) व्यापक क्षेत्रीय नेटवर्किंग (c) मिश्रित नेटवर्किंग
(d) बहुउद्देशीय नेटवर्किंग (e) इनमें से कोई नहीं

Viva

20. निम्नांकित में से कौन समान समूह का नहीं है?
(a) इंटरनेट (b) एप्पल टॉक (c) बस
(d) रिंग (e) इनमें से कोई नहीं

21. व्यापक क्षेत्र नेटवर्किंग निम्नांकित किसके लिए उपयोगी नहीं है?
(a) विदेश मंत्रालय (b) नगर विमानन विभाग (c) विदेशी बैंक
(d) नगर निगम (e) इनमें से कोई नहीं

22. ..... एक सेन्ट्रल कम्प्यूटर है जो बहुत से PCs, वर्क-स्टेशन और अन्य कम्प्यूटरों के लिए डाटा और प्रोग्रामों के संग्रह को होल्ड करता है।
(a) सूपर कम्प्यूटर (b) मिनी कम्प्यूटर (c) लैपटॉप
(d) सर्वर (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS PO 2011)*

23. .....एक बहुत ही सीमित भौगोलिक क्षेत्र, सामान्यतः एक ही बिल्डिंग में पर्सनल कंप्यूटरों को टिपिकली कनेक्ट करता है।
(a) LAN (b) BAN (c) TAN
(d) NAN (e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad PO 2010)*

24. LAN से जुड़े कंप्यूटर.....सकते हैं।
(a) तेजी से चल (b) इनफार्मेशन और/या पेरिफरल एक्विपमेंट शेयर कर
(c) ई-मेल कर (d) ओनलाइन जा (e) इनमें से कोई नहीं
(SBI Asso. PO 2010)

25. किसी टिपिकल नेटवर्क में सबसे महत्वपूर्ण या शक्तिशाली कंप्यूटर कौन-सा है?
(a) डेस्कटॉप (b) नेटवर्क स्टेशन (c) नेटवर्क क्लाइंट
(d) नेटवर्क सर्वर (e) इनमें से कोई नहीं
(Union Bank of India Clerk 2011)

26. डम्ब टर्मिनल क्या है?
(a) माइक्रो कंप्यूटर
(b) नगण्य इंटेलिजेंस वाला टर्मिनल
(c) सेंट्रल कंप्यूटर
(d) CPU के साथ टर्मिनल
(e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011)*

27. निम्न में से किसका संदर्भ छोटे, एकल साइट नेटवर्क से है?
(a) LAN (b) DSL (c) RAM
(d) USB (e) CPU *(Union Bank of India Clerk 2011)*

28. कम्प्यूटर नेटवर्क में कौन-से प्रकार का संसाधन सामान्यतः शेयर किया जाता है?
(a) प्रिंटर्स (b) स्पिकर्स (c) फ्लापी डिस्क ड्राइव
(d) कुंजीपटल (e) इनमें से कोई नहीं

Viva

29. कार्यालय / ऑफिस LANs जो भौगोलिक तौर पर बड़े पैमाने पर बिखरे हुए हैं उनको कारपोरेट ..... के प्रयोग से जोडा जा सकता है।
(a) CAN (b) LAN (c) DAN
(d) WAN (e) TAN *(Union Bank of India Clerk 2011)*

30. एक.....नियमों का सैट है।
(a) संसाधन / रिसोर्स लोकेटर (b) डोमेन (c) हाइपरटेक्स्ट्
(d) यूआरएल (URL) (e) प्रोटोकॉल *(Allahabad Bank PO 2011)*

31. टर्मिनल क्या है?
(a) कंप्यूटर को पावर सप्लाई देने वाला उपकरण
(b) वह बिंदु जिस पर डाटा कंप्यूटर में प्रवेश करता है या निकलता है
(c) किसी प्रोग्राम का अंतिम अनुदेश
(d) कोई भी इनपुट / आउटपुट उपकरण
(e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

32. उस डिवाइस को क्या कहते हैं जो केबल के प्रयोग के बिना नेटवर्क से कनेक्ट कर देती है?
(a) डिस्ट्रीब्यूटिड (b) वायरलेस (c) सेंट्रलाइज्ड
(d) ओपन सोर्स (e) स्कैटर्ड
(Allahabad Bank Clerk 2011, IBPS PO 2011, RBI 2012)

33. कंप्यूटर ..... में दो या अधिक कंप्यूटर और अन्य डिवाइसेस होते हैं जो डाटा और प्रोग्राम शेयर करने के लिए कनेक्टेड होते हैं।
(a) नेटवर्क (b) सिस्टम (c) वर्क स्टेशन
(d) डिवाइस (e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

34. इंटरनेट एक्सेस के जिस तरीके में एक फोन लाइन की जरूरत होती है, लेकिन डायल अप से तेज एक्सेस स्पीड मिलती है उसे ..... कनैक्शन कहते हैं।
(a) केबल एक्सेस (b) सैटेलाइट एक्सेस (c) फाइबर-ऑप्टिक सेवा
(d) डिजिटल सब्सक्राइबर लाइन (DSL) (e) मोडम *[IBPS PO 2012]*

35. लोकल एरिया नेटवर्क्स (LANs) में निम्न में से किस मद का प्रयोग **नहीं** किया जाता है?
(a) कम्प्यूटर (b) मोडम
(c) इन्टरफेस कार्ड (d) केबल *[SSC Tier–I 2012]*

36. उस नेटवर्क टॉपोलॉजी का क्या नाम है, जिसमें प्रत्येक संभावित नोड में द्विदिशीय कड़ियाँ हैं?
(a) रिंग (b) स्टार
(c) ट्री **(d)** मेश *[SSC Tier–I 2012]*

37. LAN किसका लघु रूप है?
(a) लोकल एरिया नोड्स (b) लार्ज एरिया नेटवर्क
(c) लार्ज एरिया नोड्स (d) लोकल एरिया नेटवर्क

Viva
Viva Technologies

38. पूर्णतः अंतर संयोजित नेटवर्क संस्थिति के लिए एक अन्य नाम है :
(a) मेश (b) स्टार
(c) ट्री (d) रिंग *[SSC Tier–I 2012]*

39. उस नेटवर्क का नाम क्या है जो केवल कॉलेज परिसर तक सीमित होता है ?
(a) इंटरनेट (b) वाइड परिसर नेटवर्क
(c) कैम्पस एरिया नेटवर्क (d) एक्सट्रानेट
(Jharkhand Sachiwalaya 2013)

40. टिपिकल नेटवर्क में ..... सबसे महत्वपूर्ण/शक्तिशाली कंप्यूटर है।
(a) डेस्कटॉप (b) नेटवर्क क्लाइंट (c) नेटवर्क सर्वर
(d) नेटवर्क स्टेशन (e) नेटवर्क स्विच *(SBI PO 2013)*

उत्तर

1.	(a)	2.	(d)	3.	(c)	4.	(a)	5.	(a)	6.	(a)	7.	(c)
8.	(a)	9.	(d)	10.	(a)	11.	(c)	12.	(c)	13.	(b)	14.	(b)
15.	(c)	16.	(d)	17.	(a)	18.	(a)	19.	(b)	20.	(b)	21.	(d)
22.	(d)	23.	(a)	24.	(b)	25.	(d)	26.	(b)	27.	(a)	28.	(a)
29.	(d)	30.	(e)	31.	(b)	32.	(b)	33.	(a)	34.	(d)	35.	(b)
36.	(d)	37.	(d)	38.	(a)	39.	(c)	40.	(c)				

★★★

Viva

10

इंटरनेट
(Internet)

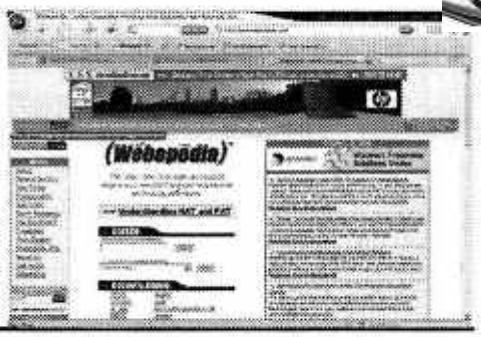

परिचय

Introduction

इंटरनेट का पूरा नाम इंटरनेशनल नेटवर्क (International Network) है। यह आपस में एक-दूसरे से जुड़े कम्प्यूटर नेटवर्क की एक ग्लोबल संरचना है। यह TCP/IP (Transmission Control Protocol/Internet Protocol) प्रोटोकॉल का उपयोग करते हुए डेटा को पैकेट स्विचिंग के द्वारा आदान-प्रदान करता है। यह नेटवर्कों का नेटवर्क है, जो लाखों पब्लिक और प्राइवेट शैक्षणिक, औद्योगिक तथा सरकारी नेटवर्कों को सारे विश्व में विस्तार करता है। ये आपस में ताँबे के तारों, फाइबर ऑप्टिकल केबल, वायरलेस कनेक्शन तथा दूसरे तकनीकों से जुड़े हैं। विश्व के लगभग सारे नेटवर्क इंटरनेट से जुड़े हैं। इंटरनेट कम्प्यूटर पर आधारित अन्तर्राष्ट्रीय सूचनाओं का तंत्र है। इसे 'सूचना राजपथ' (Infromation superhighway) भी कहते हैं।

इंटरनेट विभिन्न सूचना संसाधनों और सेवाओं जैसे कि इलेक्ट्रॉनिक मेल, ऑनलाईन चैट, ऑनलाइन बैंकिंग, फाइल ट्रांसफर और शेयरिंग, ऑनलाइन गेमिंग, इंटरलिंक्ड हाइपरटेक्सट दस्तावेज एवं वर्ल्ड वाइड वेब इत्यादि को वहन (carry) करती है।

किसी कम्प्यूटर को इंटरनेट से जोड़ने के लिए हमें इंटरनेट सर्विस प्रोभाइडर की सेवा लेनी होती है ततपश्चात् टेलीफोन लाइन के माध्यम से कम्प्यूटर को इंटरनेट सर्विस प्रोभाइडर के सर्वर से जोड़ा जाता है।

भारत में इंटरनेट सेवा का आरंभ 15 अगस्त 1995 में विदेश संचार निगम लिमिटेड द्वारा आरंभ किया गया था। भारत में लोकप्रिय इंटरनेट सेवा प्रदाता VSNL (विदेश संचार निगम लिमिटेड), BSNL (भारत संचार निगम लिमिटेड), MTNL (महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड), मंत्रा ऑनलाइन तथा सत्यम ऑनलाइन इत्यादि हैं। इन कम्पनियों का भारत के अनेकों शहरों में DNS (Domain Name System) सर्वर है। DNS सर्वर एक कम्प्यूटर है, जो दूसरे कम्प्यूटर के डोमेन (Domain) नाम को IP (Internet Protocol) एड्रेस में अनुवाद करता है। वर्तमान समय में BSNL द्वारा दो माध्यमों में इंटरनेट की सेवा उपलब्ध कराई जाती है।

1. PSTN–Public Switched Telephone Network.
2. ISDN–Integrated Services Digital Network.

इंटरनेट के आवश्यक घटक

Equipments required for Internet

इंटरनेट का उपयोग करने के लिए निम्नलिखित उपकरण होने चाहिए—

1. पर्सनल कम्प्यूटर (PC)
2. मॉडम (Modem)
3. संचार माध्यम
4. इंटरनेट सॉफ्टवेयर या वेब ब्राउजर
5. इंटरनेट सर्विस प्रोभाइडर

Viva

मॉडम
Modem

जब इंटरनेट को टेलीफोन लाइन के माध्यम से कनेक्ट करते हैं तो मॉडम की आवश्यकता होती है। यह कम्प्यूटर में चल रहे इंटरनेट ब्राउजर और इंटरनेट सर्विस प्रोभाइडर के बीच आवश्यक लिंक है। टेलीफोन लाइन पर एनालॉग सिग्नल भेजा जा सकता है, जबकि कम्प्यूटर डिजिटल सिग्नल देता है। अतः इन दोनों के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए मॉडम की आवश्यकता होती है, जो डिजिटल सिग्नल को एनालॉग में तथा एनालॉग को डिजिटल सिग्नल में रूपान्तरित करता है। यह मॉडुलेटर-डिमॉडुलेटर का संक्षिप्त रूप है। मॉडम के दोनों ओर कम्प्यूटर और टेलीफोन लाइन जुड़ा होना आवश्यक है। मॉडम के स्पीड को BPS (Bits Per Second) में मापते हैं। उपलब्ध स्पीड 9600 BPS, 28800 BPS, 33600 BPS हैं। इंटरनेट से जुड़ने की स्पीड (Connecting Speed) टेलीफोन सर्विस पर निर्भर करती है। आजकल टेलीफोन सेवा जो ISDN उपयोग करता है, 128 KBPS या इससे उच्च गति पर मॉडम को इंटरनेट से जोड़ने में सक्षम होता है। अतः मॉडम ऐसी डिभाइस है जो डेटा को पल्स में परिवर्तित करता है तथा उन्हें टेलीफोन लाइन पर संप्रेषित करता है।

इंटरनेट सॉफ्टवेयर या वेब ब्राउजर

वेब एक विशाल पुस्तक की तरह है तथा वेब ब्राउजर एक सॉफ्टवेयर है जो कम्प्यूटर को इंटरनेट से जोड़ता है। कुछ प्रमुख वेब ब्राउजर निम्नलिखित हैं—

1. नेटस्केप नेविगेटर (Netscape Navigator)
2. माइक्रोसॉफ्ट इंटरनेट एक्सपलोरर (Microsoft Internet Explorer)
3. मौजिला फायरफॉक्स (Mosilla Firefox)
4. NCSA मॉजैक (NCSA Mosaic)
5. ओपेरा (Opera) 6. सफारी (Safari) 7. क्रोम (Chrome)

इन सॉफ्टवेयर का उपयोग कर हमलोग इंटरनेट से जुड़ने में सक्षम होते हैं, तथा वेब से अपनी पसंद की जानकारियों को प्राप्त कर सकते हैं। वेब ब्राउजर का उपयोग कर हमलोग किसी विशेष पेज या लोकेशन पर उसके पता (Address) टाइप कर जा सकते हैं, इस पता को URL (Uniform Resource Locator) कहते हैं। URL में प्रयुक्त हो रहे टूल्स (Tools) और इंटरनेट पता (Internet address) जहाँ जानकारी मिल सकती है, दोनों रहता है। जैसे– URL : http://www.manipalgroup.com में टूल्स http है तथा इंटरनेट पता www.manipalgroup.com है।

वेब ब्राउजर के प्रयोग से वेबसाइट ब्राउज करना
Browsing the Websites using Web Browser

सर्वप्रथम वेब ब्राउजर खोलते हैं। यदि हमलोग इंटरनेट एक्सपलोरर प्रयोग करते हैं तो **Start > Program > Internet Explorer** सेलेक्ट करते हैं। जब वेब ब्राउजर खुल जाता है, तब हम स्वतः होमपेज से शुरू करते हैं। अधिकांश वेब साइट में मेन पेज, होम पेज होता है जो शेष वेब साइट पेजों के डोरवे (door way) का काम करता है। होम पेज भी हम अपनी इच्छानुसार चुन सकते हैं या खाली (Blank) रख सकते हैं। अब हमलोग जिस वेब साइट का निरीक्षण (visit) करना होता है उसका URL टाइप कर उसे खोल सकते हैं। फलस्वरूप हमें उस साइट पर उपलब्ध सारी सेवायें उपलब्ध हो जाती है। इस पेज से पीछे पेज पर जाने के लिए BACK बटन तथा आगे पेज पर जाने के लिए FORWARD बटन क्लिक करते हैं। परन्तु ये बटन जिन पेजों को हम खोल चुके हैं उनके बीच ही काम करता है। टूलबार के HOME बटन

viva

पर क्लिक कर हम किसी भी वक्त होम पेज पर जा सकते हैं, या दूसरा URL टाइप कर दूसरे वेब पेज को खोल सकते हैं। वेवसाइट वेवपेजों, चित्र, ध्वनी एवं एनिमेशन आदि का समूह है तथा किसी भी वेवसाइट का नाम www से आरंभ होता है। जिस साइट का हम प्रायः प्रयोग करते हैं उसके URL को बूकमार्क कर लेते हैं।

इंटरनेट के उपयोग

Uses of Internet

इंटरनेट के निम्नलिखित उपयोग हैं।

1. सूचनाओं की खोज (Search for Information) : इंटरनेट पर बहुत सारे साइट्स होते हैं जिनमें लिटरेचर, सिनेमा, शेयर्स, संगीत का भंडार और भी बहुत सारी जानकारियों का भंडार इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध होता है। लेकिन अगर हम इनको ढूँढ़ पाने में सक्षम नहीं होते हैं तो इंटरनेट पर सर्च टूल भी है, जिनपर इन्हें टाइप कर इनका URL पता कर सकते हैं तथा ब्राउज कर सकते हैं। कुछ सर्च इंजन निम्नलिखित हैं—गूगल [http://www.google.com], लाइकॉस [http://www.lycos.com], याहू [http://www.yahoo.com], खोज [http;//www.khoj.com] इत्यादि। साइबर 411 (Cyber 411) एक विशाल सर्च इंजन है, जो 16 सर्च इंजन के परिणाम को मिलाकर देता है और यह बहुत तीव्र गति से कार्य करता है। खोज एक भारतीय सर्च इंजन है।

2. इलेक्ट्रॉनिक मेल (Electronic Mail) : यह व्यापक रूप से प्रयोग होने वाला इंटरनेट सेवा है जिसे संक्षिप्त में ई-मेल (e-mail) कहते हैं। ई-मेल पते के दो भाग होते हैं यूजर नाम तथा डोमेन नाम। यूजर नेम में कहीं भी space नहीं हो सकता है। इसके द्वारा संदेश को शीघ्र भेजा या प्राप्त किया जा सकता है। इसके लिए प्रत्येक उपयोगकर्ता का ई-मेल एड्रेस तथा पासवर्ड होता है जो ई-मेल एकाउन्ट बनाकर प्राप्त किया जाता है। पासवर्ड से उपयोगकर्त्ता अपने ई-मेल की गोपनीयता बरकरार रख सकता है। ई-मेल का Subject संदेश के विषय-वस्तु के बारे में बताता है। ई-मेल एकाउन्ट में एक स्टोरेज एरिया होता है जिसे मेल-बॉक्स कहते हैं। प्रेषित मेल प्राप्तकर्ता के मेल बॉक्स में चला जाता है, जिसे खोलकर प्राप्तकर्ता संदेश प्राप्त करता है। ई-मेल के साथ ग्राफ, ध्वनि, फाइल या फोटो जोड़कर भेजा जा सकता है जिसे Attachments कहते हैं। यह डाक टिकट की आवश्यकता को घटाता है तथा संदेश को भेजने तथा प्राप्त करने में लगे समय की बचत करता है। ड्राफ्ट फोल्डर संदेशों की कॉपियाँ रखता है जिसे हम आरंभ करते हैं या भेजने के लिए तैयार नहीं हैं। ई-मेल का जन्मदाता *आर. टोमलिंसन* है। पहला फ्री ई-मेल सेवा के जन्मदाता *सबीर भाटिया* हैं जिन्होंने जून 1996 में हॉटमेल सेवा शुरू की।

भारत में प्रमुख ई-मेल प्रदान करने वाले साइट www.rediffmail.com, www.yahoomail.com, www.hotmail.com, www.india.com, www.gmail.com हैं।

3. दूसरे व्यक्ति से वार्तालाप करना (Chat with other people) : यदि हम अनजान व्यक्ति से बात करना तथा नये दोस्त बनाना पसंद करते हैं तो इंटरनेट सबसे अच्छा माध्यम है। चैट प्रोग्राम के द्वारा बिना किसी व्यक्ति की भौगोलिक स्थिति जाने हुए हम बातचीत कर सकते हैं। चैट के अन्तर्गत यूजर किसी विषय पर लिखित रूप से चर्चा करते हैं। इंटरनेट से जुड़े कम्प्यूटरों का उपयोग कर दो या अधिक व्यक्तियों द्वारा वार्तालाप करना *चैटिंग (Chatting)* कहलाता है।

4. टेलनेट (Telnet) : टेलनेट प्रोग्राम का प्रयोग कर हम दूसरे कम्प्यूटर को जोड़कर ऐसे कार्य कर सकते हैं, जैसे हम उसके की-बोर्ड के पास बैठे हैं। हम अपने कम्प्यूटर द्वारा दूर

Viva Technologies

स्थित कम्प्यूटर पर कार्य कर सकते हैं तथा उसके संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। इसे *रिमोट लॉगइन (Remote login)* भी कहा जाता है।

5. यूजनेट (Usenet) : यह लोगों का समूह है जो सभी जगह मान्यता प्राप्त एक या अधिक लेबल News group के द्वारा विषय (Article) की अदला-बदली (Exchange) करते हैं। यूजनेट अपने उपयोगकर्ता के लिए उपलब्ध ग्रुप के सेट के बारे में निर्णय लेता है। यह सेट हर साइट के लिए भिन्न-भिन्न होता है।

6. वर्ल्ड वाइड वेब (World Wide Web) : वर्ल्ड वाइड वेब (www) और इंटरनेट दोनों दो चीजें हैं परन्तु दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। वर्ल्ड वाइड वेब जानकारी युक्त पेजों का विशाल संग्रह है जो एक दूसरे से जुड़ा है। जिसे वेब पेज कहते हैं। वेब पेज HTML भाषा में लिखा होता है जो कम्प्यूटर में प्रयुक्त एक भाषा है। HTML हाइपरटेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज का संक्षिप्त रूप है। हर पेज टेक्स्ट, चित्र, ध्वनि क्लिप, विडियो क्लिप, एनिमेशन और विभिन्न चीजों का संयोग है। वेब पेज को जो रोचक बनाता है वह है हाइपरलिंक, जिसे अक्सर लिंक कहा जाता है। हाइपरलिंक पर माउस प्वाइंटर से प्वाइंट करने पर प्वाइंटर का आकार हाथ जैसा हो जाता है। हर लिंक किसी दूसरे पेज को इंगित करता है और जब हम इस पर क्लिक करते हैं, हमारा ब्राउजर लिंक से जुड़े पेज को उपलब्ध कराता है। अतः वर्ल्ड वाइड वेब एक विशाल सूचनाओं का डेटाबेस है तथा हर सूचना एक दूसरी सूचना से जुड़ा है। वेब पेज को रीलोड करने के लिए रीलोड बटन का प्रयोग करते हैं। वर्ल्ड वाइड वेब का विकास *टिम बर्नर्स ली* ने 1989 में किया था।

7. फाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल (FTP) : यह इंटरनेट पर जुड़े दो कम्प्यूटर के बीच फाइल स्थानान्तरण करने की सुविधा है। वेब ब्राउजर का उपयोग कर हम फाइल को डाउनलोड तो कर सकते हैं, पर अपलोड नहीं कर सकते हैं। FTP अनुप्रयोग हमें वेब साइट पर फाइल अपलोड करने में सहायता करता है।

8. ई-कॉमर्स (E-Commerce) : ई-कॉमर्स बिना कागज के व्यापार जानकारी का इलेक्ट्रॉनिक डेटा इंटरचेंज के द्वारा आदान-प्रदान है। ई-कॉमर्स के अन्तर्गत वस्तुओं या सेवाओं को खरीद या बिक्री इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम जैसे– इंटरनेट के द्वारा होता है। यह इंटरनेट पर व्यापार है।

9. विडियो कान्फरेंसिंग (Video Conferencing) : यह इंटरनेट के द्वारा विभिन्न स्थलों पर ऑडियो और विडियो डेटा संचारित करने के लिए तथा दो या दो से अधिक प्रतिभागियों के बीच एक सम्मेलन का आयोजन करने में सक्षम बनाता है। अर्थात् दो या दो से अधिक व्यक्ति इंटरनेट के द्वारा ऐसे वार्तालाप कर सकते हैं जैसे वे आमने-सामने हों। इसमें कम्प्यूटर के साथ-साथ विडियो कैमरा, माइक्रोफोन तथा स्पीकर की आवश्यकता होती है। यह एक विडियो टेलीफोन की तरह काम करता है। Voice Conversation इंटरनेट टेलीफोनी के माध्यम से भी संभव है।

10. ऑनलाइन खरीदारी (Online Shopping) : ऑनलाइन खरीदारी की प्रक्रिया में उपभोक्ता उत्पादों या सेवाओं की खरीद इंटरनेट के माध्यम से करते हैं, तथा इंटरनेट के माध्यम से उपभोक्ता की माँगों को पूरा किया जाता है।

11. मनोरंजन (Entertainment) : इंटरनेट का उपयोग मनोरंजन के लिए भी किया जाता है। जैसे– ऑनलाइन गेम, सिनेमा, कहानियाँ, खेल, संगीत आदि का इंटरनेट पर असीम भंडार है।

12. ई-लर्निंग (e-learning) : बिना क्लासरूम में गये कम्प्यूटर के विषय में अध्ययन को ई-लर्निंग कहते हैं।

Viva Technologies

इंटरनेट संबंधित शब्दावली
Internet related Terms

1. **URL** (Uniform Resource Locator) : यह इंटरनेट पर किसी भी संसाधन का पता देने के लिए स्टैन्डर्ड तरीका है। यह इंटरनेट पर उपलब्ध सूचनाओं का पता बताता है तथा उस सूचना के प्रोटोकॉल एवं डोमेन नाम को भी दर्शाता है। जैसे– http://www.yahoo.com में http हाइपर टेक्स्ट ट्रांसफर प्रोटोकॉल है जिसका उपयोग कर वर्ल्ड वाइड वेब पर yahoo.com नामक वेबसाइट पर जा सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी भारत की पहली राजनीतिक पार्टी है जिसने इंटरनेट पर अपना वेबसाइट बनाया तथा भारत में सिक्किम राज्य ने सर्वप्रथम इंटरनेट पर टेलीफोन डायरेक्ट्री उपलब्ध कराई।

2. **TCP/IP** (Transmission Control Protocal/Internet Protocal) : यह नियमों का एक समूह है, जो इंटरनेट कैसे कार्य करता है यह निर्णय करता है। यह दो कम्प्यूटर के बीच सूचना स्थानान्तरण और संचार को संभव करता है।

3. **अपलोड** (Upload) : एक स्थानीय कम्प्यूटर से दूर स्थित कम्प्यूटर पर डेटा स्थानान्तरण की प्रक्रिया अपलोड है। जब हम अपने कम्प्यूटर से इंटरनेट पर दूसरे कम्प्यूटर को उपयोग करने के लिए फाइल की प्रतिलिपि डालते हैं तो उस फाइल को अपलोड कर रहे होते हैं।

4. **डाउनलोड** (Download) : एक दूर स्थित कम्प्यूटर या सर्बर से एक स्थानीय कम्प्यूटर के लिए डेटा हस्तांतरण की प्रक्रिया अर्थात् जब हम अपने कम्प्यूटर में इंटरनेट के प्रयोग से दूसरे कम्प्यूटर या सर्बर से फाइल की प्रतिलिपि डाल रहे हैं उसे डाउनलोड कहते हैं।

5. **गेटवे** (Gateway) : यह संचार यंत्र या प्रोग्राम है जो दो भिन्न-भिन्न प्रोटोकॉल वाले नेटवर्क के बीच डेटा संप्रेषित करता है।

6. **आई पी एड्रेस** (IP Address) : आई पी एड्रेस चार संख्याओं का एक समूह है जो डॉट (.) से अलग किया जाता है। जिसका एक भाग नेटवर्क का पता (Network Address) तथा दूसरा भाग नोड पता (Node Address) है। नेटवर्क में जुड़े प्रत्येक नोड का IP-एड्रेस खास तथा अलग-अलग होता है। उदाहरण– IP-एड्रेस 202.54.15.178 में 202.54 नेटवर्क एड्रेस है तथा 15.178 नोड एड्रेस है।

7. **HTTP** (Hyper Text Transfer Protocal) : यह इंटरनेट पर प्रयुक्त एप्लिकेशन स्तर का प्रोटोकॉल है, जो वेब पेज के प्रसारण का निर्धारण करता है।

8. **स्पैम** (Spam) : इंटरनेट पर लोगों को संदेश या विज्ञापन बार-बार भेजना जिसका उन्होंने अनुरोध नहीं किया है, अर्थात् अवांछित संदेश या विज्ञापन लोगों के ई-मेल बॉक्स में भेजना स्पैम कहलाता है। यह आनसॉलिसिटेड तथा जंक ई-मेल है।

9. **डोमेन नाम** (Domain Name) : एक विशेष नाम है जो इंटरनेट साइट की पहचान बताता है। किसी इंटरनेट वेबसाइट का URL के अंत में डॉट (Dot) के बाद के नाम को डोमेन नाम कहते हैं। जैसे– http://www.yahoo.com में .com डोमेन नेम है। यह किसी संस्था या देश को इंगित करता है।

जैसे–	.acro	: एवीएशन	.biz	: बिजनेस आर्गेनाइजेशन
	.gov	: सरकारी संस्था	.edu	: शैक्षिक संस्था
	.in	: भारत	.org	: आर्गेनाइजेशन
	.net	: नेटवर्क	.mil	: सैनिक
	.name	: पर्सनल	.asia	: एशिया
	.jobs	: नौकरी	.com	: कॉमर्शियल

10. फ्लैश (Flash) : यह छोटे-छोटे एप्लिकेशन प्रोग्राम हैं जो वेब पेज पर चलते हैं तथा सुनिश्चित करते हैं कि फार्म ठीक से पूरा हो गया एवं एनिमेशन प्रदान करते हैं फ्लैश कहलाते हैं।

11. सर्फिंग (Surfing) : इंटरनेट के द्वारा अपने पसंद तथा आवश्यकता के अनुरूप साइट को ढूँढ़ना तथा एक्सप्लोर करना सर्फिंग है। इसके द्वारा इंटरनेट से आवश्यकता अनुसार लगभग हर सूचना प्राप्त कर सकते हैं।

12. वायरस (Virus) : वायरस एक प्रोग्राम है जो हमारे कम्प्यूटर सिस्टम में बिना हमारी इच्छा तथा जानकारी (Knowledge) के लोड हो जाता है। एक वायरस बार-बार खुद की प्रतिलिपि तैयार कर सकता है और उपलब्ध सारे मेमोरी का उपयोग कर सिस्टम की गति को धीरे या पूर्णतः रोक सकता है।

कुछ वायरस कम्प्यूटर के बूटिंग से स्वयं को जोड़ लेता है तथा जितनी बार कम्प्यूटर बूट करता है वह उतना ही फैलता जाता है या कम्प्यूटर को रीबूट करता रहता है। यह कम्प्यूटर के डेटा या प्रोग्राम को क्षति पहुँचाता है। हमारे कम्प्यूटर में वायरस के आने का सामान्य तरीका इंटरनेट तथा अवांछित ई-मेल है।

कम्प्यूटर वायरस भिन्न-भिन्न प्रकार के होते हैं—

(a) बूट सेक्टर वायरस (Boot sector virus)
(b) परजीवी वायरस (Parasitic virus)
(c) मल्टीपार्टाइट वायरस (Multipartite virus)
(d) लिंक वायरस (Link virus)
(e) मैक्रो वायरस (Macro virus)

वायरस को नष्ट करने के लिए बनाये गये प्रोग्राम या सॉफ्टवेयर को एन्टीवायरस कहते हैं। इसमें आटो प्रोटेक्ट तथा रीयल टाइम प्रोटेक्सन की सुविधा रहती है जो इंटरनेट से किसी फाइल का उपयोग करने के पहले उसे जाँच लेता है कि यह वायरस मुक्त है या नहीं। अगर फिर भी वायरस सिस्टम में सक्रिय हो जाता है, तो हमें पॉपअप विंडो के साथ सूचित कर देता है। जिसे हम एन्टीवायरस के सिस्टम स्कैन चलाकर हटा सकते हैं। कुछ समय के अंतराल पर पूर्ण सिस्टम स्कैन (Full System Scan) चलाकर हम कम्प्यूटर को वायरस मुक्त रखने में सक्षम हो सकते हैं। सर्वप्रथम दिखनेवाला पर्सनल कम्प्यूटर वायरस सी-ब्रेन है।

भारत में सर्वप्रथम दिखाई देने वाला कम्प्यूटर वाइरस 'हैप्पी वर्थडे जोशी' है। कुछ कम्प्यूटर वाइरस निम्नलिखित हैं—

(1) सी-ब्रेन (C–Brain)
(2) मंकी (Monkey)
(3) वान हॉफ (Vanhalf)
(4) माइकल एंगेलो (Michelangelo)
(5) क्रिपर (Creeper)
(6) हैप्पी वर्थडे जोशी (Happy Birthday Joshi)

13. पासवर्ड (Password) : यह एक गोपनिय कोड है जो कुछ प्रोग्रामों या दूसरे ईमेल में प्रविष्टि प्रतिबंधित करता है। इसके प्रयोग से हम कुछ प्रोग्राम, डाटा या ईमेल को सुरक्षा (Security) प्रदान करते हैं। यह अल्फान्यूमेरिक या चिह्नों, अंकों एव शब्दों का संयोजन (Cambination) हो सकता है।

14. हैकर (Hacker) : व्यक्ति जो अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए अन्य व्यक्तियों के कम्प्यूटर और कम्प्यूटर नेटवर्क से जानकारी गैर-कानुनी तरीके उसे हानी पहुँचाने के लिए प्राप्त करता है, हैकर कहलाता है।

Viva Technologies

15. पिसिंग स्कैम (Phishing scam) : संवेदनशील तथा गोपनीय व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रयास को पिसिंग स्कैम कहते हैं। जैसे— किसी व्यक्ति विशेष के बैंक खाता संख्या, पासवर्ड तथा क्रेडिट कार्ड विवरण इत्यादि। इसके लिए स्कैमर ई-मेल, फैक्स या किसी कंपनी की अधिकारिक वेवसाइट के समान अवैध वेवसाइट का सहारा लेता है।

16. सर्च इंजन (Search engine) : सर्च इंजन वर्ल्ड वाइड वेब पर इनफॉर्मेशन की खोज करने के लिए विशेषीकृत प्रोग्राम है, जो Specificed Keyboards के अनुसार, डॉक्यूमेंट को सर्च करता है। कुछ सर्च इंजन के उदाहरण निम्नलिखित हैं—गूगल (Google), बींग (Bing) और याहू (Yahoo) इत्यादि।

मल्टीमीडिया
Multimedia

लोग आपस में अपनी बात कहने या एक दूसरे तक कोई सूचना पहुँचाने के लिए भिन्न-भिन्न माध्यम की सहायता लेते हैं। ये माध्यम निम्नलिखित हो सकते हैं– ध्वनि (Audio), दृश्य (Video), प्रतीक (Symbol), शब्द (Text), एनिमेशन (Animation) इत्यादि।

मल्टीमीडिया अपनी बात या सूचना को एक से अधिक माध्यम का उपयोग कर दूसरे तक पहुँचाना है। दूसरे शब्दों में शब्द, ध्वनि, ग्राफिक्स तथा एनिमेशन का एक साथ संपादित होना मल्टीमीडिया है। एक मल्टीमीडिया आधारित कम्प्यूटर में सारे आवश्यक हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर होने चाहिए जो इन सारे कार्यों को एक साथ करने में सक्षम हो सके।

मल्टीमीडिया सिस्टम के लिए आवश्यक हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर
Hardware and Software requirements for Multimedia System

1. ग्राफिक्स एक्सलरेटर कार्ड (Graphics Accelerator Card)
2. सीडी रॉम ड्राइव
3. साउन्ड कार्ड
4. माइक्रोफोन तथा कैमरा
5. मल्टीमीडिया सॉफ्टवेयर

मल्टीमीडिया का उपयोग
Uses of Multimedia

मल्टीमीडिया का उपयोग निम्नलिखित क्षेत्रों में होता हैं—

1. शिक्षा एवं प्रशिक्षण देने (Education and Training) में
2. व्यापार (Business) में
3. मनोरंजन (Entertainment) में
4. विज्ञान (Science) में इत्यादि।

मल्टीमीडिया के तत्त्व
Elements of Multimedia

मल्टीमीडिया के निम्नलिखित तत्त्व हैं—

1. शब्द (Text) : इसके अन्तर्गत स्क्रीन पर शब्दों को दिखाया जाता है। इसका उपयोग सूचनाओं को प्रदान करने के लिए किया जाता है। शब्दों को विशेष टूल्स (Special Tools) जैसे– बोल्ड, ब्लिंक (Blink) तथा अन्डरलाइन (Underline) का उपयोग कर आकर्षक तथा रोचक बनाया जाता है।

2. चित्र (Picture) : कम्प्यूटर के द्वारा अच्छी गुणवत्ता के चित्र स्क्रीन पर तैयार किये जाते हैं। किसी सूचना को लोगों को सरलता से समझाने के लिए शब्दों के साथ चित्र का उपयोग किया जाता है।

Viva

3. चलचित्र (Movies): मल्टीमीडिया प्रोग्राम का उपयोग कर कम्प्यूटर को टेलीविजन के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। पारिवारिक उत्सवों, फिल्मों तथा शिक्षाप्रद फिल्मों आदि को सीडी (Compact Disc) में संग्रहित कर कम्प्यूटर पर देखा जा सकता है।

4. एनिमेशन (Animation): यह ग्राफिक्स चित्रों का समूह है जिसे तीव्रता से एक के बाद एक दिखाया जाता है ताकि वो सिनेमा की तरह गतिशील दिखाई दे सके। इसका उपयोग बच्चों के कार्टून फिल्म, विडियो गेम, ऑटोमोबाइल उद्योग द्वारा सुरक्षित ड्राइविंग के लिए फिल्म आदि बनाने के लिए होता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. वेब पेज का एक वर्ड जिसे क्लिक करने पर दूसरा डाक्यूमेन्ट खुलता है, उसे ..... कहते हैं।
(a) एंकर (b) हाइपरलिंक (c) रेफरेन्स
(d) URL (e) इनमें से कोई नहीं

2. इंटरनेट बैंकिंग का क्या अर्थ है?
(a) नेट पर बैंकों की बैठक (b) नेट प्रैक्टिस
(c) इंटरनेट के जरिए बैंकिंग
(d) विदेशों के साथ संव्यवहार (e) ये सभी

3. निम्नलिखित में से कनेक्टिविटी का उदाहरण कौन-सा है?
(a) इंटरनेट (b) फ्लॉपी डिस्क (c) पॉवर कॉर्ड
(d) डाटा (e) इनमें से कोई नहीं

4. ई-मेल भेजते समय.....की लाइन संदेश की विषय वस्तु के बारे में बता देती है।
(a) टू (b) सब्जेक्ट (c) कन्टेन्ट्स
(d) CC (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

5. ..... ऐसे डिवाइस हैं जिनका प्रयोग टेलीकम्युनिकेशन लाइनों पर डाटा ट्रान्समिट करने के लिए किया जाता है—
(a) ड्राइव्स (b) ड्राइव बेज (c) मॉडेम
(d) प्लैटफार्म (e) इनमें से कोई नहीं

6. निम्नलिखित में से कौन-सा पद केवल नेटवर्क का कनेक्शन है जिसे साथ जोड़ा जा सकता है ?
(a) वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (b) इंटरनेट (c) इंट्रानेट
(d) एक्स्ट्रानेट (e) इनमें से कोई नहीं

7. अनसॉलिसिटेड-ई-मेल को क्या कहते हैं?
(a) न्यूजग्रुप (b) यूजनेट (c) बैकबोन
(d) फ्लेमिंग (e) स्पैम

8. ..... का प्रयोग करते हुए वेब पेज का कोड लिखा जाता है।
(a) फिफ्थ जनरेशन लैंग्वेज (b) विनजिप (Winzip) (c) पर्ल (Perl)
(d) हाइपरटेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज (e) URL

9. छोटे एप्लिकेशन प्रोग्राम, जो वेब पेज पर चलते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि फॉर्म ठीक से पूरा हो गया है या एनिमेशन प्रोवाइड करते हैं उन्हें ..... कहते हैं।
(a) फ्लैश (b) स्पाइडर्स (c) क्रूक्रीज
(d) एप्लेट्स (e) स्पार्क्स

Viva
Viva Technologies

10. एक पॉइंटर ..... पर पोजिशन किया जाता है, तब इसका आकार हाथ जैसा होता है।
(a) ग्रामर एरर (b) हाइपरलिंक (c) स्क्रीन टिप
(d) स्पेलिंग एरर (e) फार्मेटिंग एरर *(IBPS PO 2011)*

11. आपको ऐसे किसी से ई-मेल प्राप्त होता है जिसे आप नहीं जानते हैं, आपको क्या करना चाहिए?
(a) इसे सीधा पुलिस को भेजना चाहिए (b) बिना खोले इसे मिटा देना चाहिए
(c) खोलकर आप उन्हें नहीं जानते हैं बताते हुए उसका उत्तर देना चाहिए
(d) उत्तर देकर उनकी वैयक्तिक जानकारी माँगनी चाहिए
(e) उत्तर देकर बताइए की आप उनसे संपर्क बनाये रखना चाहते हैं

12. भारत की पहली राजनीतिक पार्टी का नाम बतावें जिसने इंटरनेट पर अपना वेबसाइट बनाया।
(a) भारतीय जनता पार्टी (b) लोक जनशक्ति पार्टी (c) राष्ट्रीय जनता दल
(d) समाजवादी पार्टी (e) जनता पार्टी

13. भारत में सर्वप्रथम किस राज्य ने इंटरनेट पर टेलीफोन डायरेक्टरी उपलब्ध कराई है?
(a) सिक्किम (b) अरुणाचल प्रदेश (c) आन्ध्र प्रदेश
(d) बिहार (e) उत्तर प्रदेश

14. HTML का पूरा नाम है—
(a) Hyper Transrfer Mail Language (b) High Tech Mail Language
(c) Hyper Text Mark up Language (d) Hyper Tech Make up Language
(e) Hyper Tech Mail Language

15. इन्टरनेट निम्नलिखित में से किसके द्वारा चलाया जाता है?
(a) I & B (b) IETF (c) Inter NIC
(d) VSNL (e) None of these

16. .....वह डिवाइस है जो दो या अधिक नेटवर्कों को जोड़ता है।
(a) गेटवे (b) पाथवे (c) रोडवे
(d) बस (e) NSF Net

17. .....HTTP का उपयोग करती है।
(a) वर्कबुक (b) सर्वर (c) वर्कशीट
(d) वेबपेज (e) बैकबोन

18. w.w.w..... प्रोटोकॉल का उपयोग करता है।
(a) FTP (b) HTTP (c) WBC
(d) MTP (e) इनमें से कोई नहीं

19. एक वेबसाइट समूह है.....।
(a) वेब पेजेस या HTML डॉक्यूमेंट का (b) ग्राफिक फाइलों का
(c) लॉक कुंजी (d) उपर्युक्त सभी (e) इनमें से कोई नहीं
(IBPS Clerk 2011)

20. 'स्पैम' निम्नलिखित में से किसे कहते हैं?
(a) डिलीटेड ई-मेल (b) अनसॉलिसिटेड ई-मेल (c) इनकमिंग ई-मेल
(d) व्यूड ई-मेल (e) इनमें से कोई नहीं

Viva

21. कोई वेबसाइट एक्सेस करने पर सबसे पहले जो पेज या मेन पेज दिखाई पड़ता है उसे क्या कहते हैं?
(a) Master Page (b) Home Page (c) First Page
(d) Banner Page (e) Grand Page *(SBI 2009)*

22. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?
(a) इंटरनेट से जुड़ा कोई कम्प्यूटर इंटरनेट से जुड़े किसी अन्य कम्प्यूटर से जुड़ सकता है।
(b) हाइपरटेक्स्ट को हाइपरलिंक के नाम से भी जाना जाता है।
(c) प्रोटोकॉल नियमों एवं कानूनों का एक सेट नहीं है।
(d) इंटरनेट एक Commercial Information Service भी है।
(e) इंटरनेट एक एकल एवं बहुत बड़ा नेटवर्क है।

23. नेटवर्क पर दस्तावेजों की अदला-बदली के लिए जरूरी नहीं है—
(a) फ्लापी (b) टेलीफोन लाइन (c) कनेक्टर
(d) उपग्रह (e) इनमें से कोई नहीं

24. कम्प्यूटर को इंटरनेट में जोड़ने में मदद करता है—
(a) ब्राउजर (b) नेट फिट (c) विंडोज-95
(d) केबल (e) इनमें से कोई नहीं

25. 'org' का सम्बन्ध किस क्षेत्र से है?
(a) शिक्षा (b) गैर-व्यावसायिक (c) व्यावसायिक
(d) संगठन (e) इनमें से कोई नहीं

26. '.com' डोमेन का संबंध है?
(a) व्यक्तिगत विशेषता (b) कला से संबंधित (c) व्यापारिक संस्था
(d) सूचना से संबंधित (e) इनमें से कोई नहीं

27. भारत में इंटरनेट की शुरुआत कब हुई?
(a) 15 अगस्त, 1995 (b) 9 अगस्त, 1995 (c) 8 अगस्त, 1994
(d) 7 अगस्त, 1996 (e) इनमें से कोई नहीं

28. भारत में इंटरनेट की सुविधा कब से प्रारंभ हुई थी?
(a) अगस्त 1992 (b) 1993 (c) 1994
(d) 1995 (e) 1996

29. संचार के उद्देश्य से कम्प्यूटर में क्या प्रयोग होता है?
(a) मेटसर्फिंग (b) सॉफ्टवेयर (c) भाषा
(d) मॉडम (e) इनमें से कोई नहीं

30. इंटरनेट से सम्बन्धित एफ० टी० पी० शब्द का पूरा मतलब क्या है?
(a) फाइल ट्रान्सफर प्रोटोकाल (b) फाइल ट्रान्सफर प्रॉबलम्ब (c) फाइल ट्रान्सफर प्रीवियस
(d) फाइल ट्रान्सफर परफेक्ट (e) इनमें से कोई नहीं

31. w.w.w. से शुरू होने वाला पता किससे सम्बन्ध रखता है?
(a) मोडेम से (b) इंटरनेट से (c) टेलीफोन से
(d) वेबसाइट (e) इनमें से कोई नहीं

Viva
Viva Technologies

32. दूर बैठे व्यक्ति इंटरनेट के द्वारा सम्पर्क करके वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद-बिक्री तथा लेन-देन का कार्य किस तरह से करते हैं ?
(a) ई-कामर्स के माध्यम से (b) इंटरनेट के माध्यम से (c) ई-मेल के माध्यम से
(d) वेबसाइट के माध्यम से (e) इनमें से कोई नहीं

33. वेबसाइट का address निम्नलिखित में से कहलाता है—
(a) User ID (b) URL (c) Time Stamp
(d) उपर्युक्त सभी (e) इनमें से कोई नहीं

34. एक कम्प्यूटर का डाटा दूर स्थित किसी अन्य कम्प्यूटर पर इंटरनेट से भेजने के लिए निम्न में किसका प्रयोग किया जाता है ?
(a) टैलेक्स (b) मॉडेम (c) फैक्स
(d) टेलीग्राफ (e) इनमें से कोई नहीं

35. भारत में इंटरनेट की सेवायें किसके द्वारा उपलब्ध हो रही हैं ?
(a) VSNL के द्वारा (b) MTNL के द्वारा (c) उपर्युक्त दोनों के द्वारा
(d) WLL के द्वारा (e) इनमें से कोई नहीं

36. मोडेम का पूरा नाम क्या है ?
(a) मोडूलेटर डिमोडूलेटर (b) मोडूलेटर डिमोडूलेशन (c) मोडूलेटर डिस्कशन
(d) उपर्युक्त सभी (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

37. ई-मेल का पूरा नाम क्या है ?
(a) इंग्लिश मेल (b) इलेक्ट्रिक मेल (c) इलेक्ट्रॉनिक मेल
(d) इसेन्सियल मेल (e) इनमें से कोई नहीं

38. इंटरनेट का पूरा नाम है—
(a) इंटरकांटिनेंटल नेटवर्क (b) इंटरनेशनल नेटवर्क (c) इंटरनल नेटवर्क
(d) इंटरकॉम नेटवर्क (e) इनमें से कोई नहीं

39. वह युक्ति जिसके द्वारा आंकड़ों को टेलीफोन के माध्यम से बाइनरी सिग्नलों की सहायता से भेजा जाता है, कहलाता है—
(a) मोडेम (b) मॉनीटर (c) माउस
(d) O.C.R. (e) इनमें से कोई नहीं

40. 'सूचना राजपथ' किसे कहते हैं ?
(a) ई-मेल को (b) पेजर को (c) सेल्यूलर फोन को
(d) इंटरनेट को (e) इनमें से कोई नहीं

41. ई-मेल (E–Mail) का जन्मदाता किसे माना जाता है ?
(a) बिल गेट्स (b) टिमोथी बिल (c) लिंकन गोलिटसबर्ग
(d) रे टामलिंसन (e) इनमें से कोई नहीं

42. W.W.W. का पूर्ण रूप है—
(a) वेब वर्किंग विंडो (b) विंडो वर्ल्ड वाइड (c) वर्ल्ड वाइड वेब
(d) वर्ल्ड वर्किंग वेब (e) इनमें से कोई नहीं

Viva

43. W. W. W. के आविष्कारक तथा प्रवर्तक हैं—
(a) बिल गेट्स (b) ली. एन. फियोंग (c) एन रसेल
(d) टिमबर्नर्स ली (e) इनमें से कोई नहीं *(UPPCS 2004)*

44. याहू, गूगल एवं MSN हैं —
(a) इन्टरनेट साइट्स (b) कम्प्यूटर ब्राण्ड (c) स्विट्जरलैंड निर्मित घड़ियाँ
(d) शनि ग्रह के छल्ले (e) इनमें से कोई नहीं *(उत्तरांचल PCS 2005)*

45. निम्नलिखित में कौन-सी सूचना प्रौद्योगिकी शब्दावली नहीं है?
(a) साइबर स्पेस (b) अपलोड (c) प्रकाश भण्डारण
(d) मोडेम (e) इनमें से कोई नहीं *(UPPCS 2001)*

46. 'स्पैम' (Spam) किस विषय से सम्बन्धित शब्द है?
(a) कम्प्यूटर (b) कला (c) संगीत
(d) खेल (e) इनमें से कोई नहीं *(Chhattisgarh PSC 2004-05)*

47. निम्नांकित में से कौन-सी सूचना प्रौद्योगिकी पारिभाषिकीय नहीं है?
(a) लॉग इन (b) मोडेम (c) पासवर्ड
(d) पिनाका (e) इनमें से कोई नहीं

48. भारत में सर्वप्रथम दिखाई देने वाला कम्प्यूटर वायरस है—
(a) सी-ब्रेन (b) कोलम्बस (c) मैक बग
(d) माइकल एंजेलो वायरस (e) इनमें से कोई नहीं

49. जब इंटरनेट का उपयोग सन्देश प्रेषित करने में किया जाता है तो यह सुविधा कहलाती है—
(a) साइबर स्पेस (b) निकनेट (c) E-मेल
(d) आईनेट (e) इनमें से कोई नहीं

50. हार्डवेयर के उस टुकड़े को क्या कहते हैं जो आपके कंप्यूटर के डिजिटल सिग्नल को अनालॉग में बदलता है और टेलिफोन लाइनों के जरिए यात्रा कर सकता है?
(a) रेड वायर (b) ब्लू कॉर्ड (c) टॉवर
(d) मोडम (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS PO 2011)*

51. ..... में माइकेल एंजेलो नामक वायरस विश्व में चिन्ता का कारण बना हुआ था।
(a) 1999 (b) 1992 (c) 1994
(d) 1993 (e) इनमें से कोई नहीं

52. ईमेल क्या है?
(a) एक इंटरेट स्टैण्डर्ड जो यूजर को फाइल्स अपलोड और डाउनलोड करने देता है
(b) एक ऑनलाइन एरिया जिसमें यूजर किसी खास विषय के बारे में लिखित रूप से चर्चा करता है
(c) कम्प्यूटर नेटवर्क के माध्यम से संदेशों तथा फाइलों का ट्रांसमिशन
(d) एक रियल टाइम टाइप्ड कनवर्सेसन (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

53. चैट क्या है?
(a) एक इंटरेट स्टैण्डर्ड जो यूजर को फाइल्स अपलोड और डाउनलोड करने देता है
(b) एक ऑनलाइन एरिया जिसमें यूजर किसी खास विषय के बारे में लिखित रूप से चर्चा करता है

Viva Technologies

(c) कम्प्यूटर नेटवर्क के माध्यम से संदेशों तथा फाइलों का ट्रांसमिशन
(d) एक रियल टाइम टाइप्ड कनवर्सेसन (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

54. गोपनीय कोड जो कुछ प्रोग्रामों में प्रविष्टि प्रतिबंधित करता है .....
(a) पासवर्ड (b) पासपोर्ट (c) एन्ट्रीकोड
(d) एक्सेस कोड (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

55. इंटरनेट पर सर्बर से सूचना पाने के कम्प्यूटर के प्रौसेस को ..... कहते हैं।
(a) पुलिंग (b) पुशिंग (c) डाउनलोडिंग
(d) ट्रांसफरिंग (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

56. ईमेल भेजना निम्नलिखित के समान है—
(a) किसी घटना का चित्र बनाना (b) कहानी सुनाना (c) पत्र लिखना
(d) चित्र का सृजन करना (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

57. पासवर्ड से प्रयोक्ता—
(a) जल्दी से सिस्टम में जा सकते हैं (b) समय का दक्ष प्रयोग कर सकते हैं
(c) गोपनीयता बरकरार रख सकते हैं (d) ढार्चों को सरल कर सकते हैं
(e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009, RBI 2012)*

58. यूजर IDs और पासवर्ड के संबंध में निम्न में से कौन सा *सत्य नहीं* है ?
(a) जब आप अपना यूजर ID और पासवर्ड एंटर करते हैं तो कंप्यूटर जानता है कि यह आप हैं
(b) यदि आपका कंप्यूटर यूजर ID और पासवर्ड मांगता है तो आप स्वयं का बना सकते हैं
(c) सुरक्षा कारणों से कभी-कभी आपको यूजर ID और पासवर्ड एसाइन किया जाता है
(d) आपको अपने यूजर ID और पासवर्ड को कम से कम एक व्यक्ति के साथ शेयर करना चाहिए
(e) इनमें से कोई नहीं *(SBI ASS. Clerk 2010)*

59. वेब..... में एक से ज्यादा वेब पेज होते हैं जो वेब सर्वर पर स्थित होते हैं।
(a) हब (b) साइट (c) स्टोरी
(d) टेम्पलेट (e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad PO 2010)*

60. खरीदारों के लिए अपने कंप्यूटर का प्रयोग करते हुए..... के माध्यम से खरीदारी करना संभव है।
(a) ई-वर्ल्ड (b) ई-कॉमर्स (c) ई-स्पेंड
(d) ई-बिजनेस (e) इनमें से कोई नहीं
(Allahabad PO 2010, IBPS Clerk 2011)

61. इंटरनेट एक्सप्लोरर जैसे प्रोग्रामों को क्या कहते हैं जो वेब में नेविगेबल विंडो का काम देते हैं—
(a) हाइपरटेक्स्ट (b) नेटवर्क (c) इंटरनेट
(d) वेब ब्राउसर (e) इनमें से कोई नहीं

Viva

62. निम्नलिखित में से कौन-सा ऐसा कम्यूनिकेशन्स प्रोटोकॉल है जो, वेब-बेस्ड इनफार्मेशन को एक्सेस करने वाले प्रत्येक कंप्यूटर द्वारा प्रयुक्त स्टांडर्ड सेट करता है?
(a) XML (b) DML (c) HTTP
(d) HTML (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI Ass. PO 2010)*

63. ..... इंटरनेट का स्टांडर्ड प्रोटोकॉल है।
(a) TCP/IP (b) Java (c) HTML
(d) फ्लैश (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI Asso. PO 2010)*

64. संक्षेप HTML का पूरा रूप..... है।
(a) High Transfer Machine Language
(b) High Transmission Markup Language
(c) Hypertext Markup Language
(d) Hypermedia Markup Language
(e) इनमें से कोई नहीं *(SBI Asso. PO 2010)*

65. जिस सॉफ्टवेर से प्रयोक्ता इंटरनेट सर्फ कर लेते हैं उसे.....कहते हैं।
(a) सर्च इंजिन (b) इंटरनेट सर्विस प्रोंवाइडर (c) मल्टीमीडिया एप्लिकेशन
(d) ब्राउजर (e) इनमें से कोई नहीं *(Punjab & Sind 2010)*

66. टपल क्या होता है?
(a) टेबल का कॉलम (b) दो आयामी टेबल (c) टेबल की एक रो
(d) टेबल की एक कुंजी (e) इनमें से कोई नहीं *(Punjab & Sind 2010)*

67. मोडम.....
(a) एक कंप्यूटर से एनॉलॉग सिग्नलों को डिजिटल सिग्नलों में ट्रांसलेट करता है जो पारंपरिक टेलिफोन लाइनों से ट्रेवल कर सकते हैं
(b) एक कंप्यूटर से डिजिटल सिग्नलों को एनॉलॉग सिग्नलों में ट्रांसलेट करता है जो पारंपरिक टेलिफोन लाइनों से ट्रेवल कर सकते हैं
(c) कंप्यूटर से डिजिटल सिग्नलों को डीमॉड्यूलेट करता है
(d) एनॉलॉग टेलिफोन लाइन से सिग्नलों को मॉड्यूलेट करता है
(e) इनमें से कोई नहीं *(Punjab & Sind 2010)*

68. वेबसाइट एड्रेस या URL एक यूनिक नाम होता है जो वेब पर एक विशिष्ट.....को आइडेंटिफाई करता है।
(a) वेब ब्राउजर (b) PDA (c) वेब साइट
(d) लिंक (e) इनमें से कोई नहीं *(Punjab & Sind 2010, IBPS Clerk 2011)*

69. .....से बातचीत की ध्वनि इंटरनेट पर यात्रा कर लेती है।
(a) इंटरनेट टेलिफोनी (b) इन्स्टेंट मैसेजिंग (c) ई-मेल
(d) ई-कॉमर्स (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI ASS. Clerk 2010)*

70. अधिकांश मेल प्रोग्राम किसी ई-मेल के निम्नलिखित दो भागों को अपने आप पूरा कर लेते हैं .....
(a) फ्रॉम : एंड बॉडी : (b) फ्रॉम : एंड डेट : (c) फ्रॉम : एंड टू :
(d) फ्रॉम : एंड सब्जेक्ट : (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI Asso. Clerk 2011)*

Viva Technologies

71. एक ई-मेल एड्रेस में सामान्यतः एक यूजर ID और उसके बाद .... का चिह्न और उस ई-मेल सर्वर का नाम होता है जो युजर के इलेक्ट्रॉनिक पोस्ट बॉक्स का प्रबंध करता है।

(a) @ (b) # (c) &

(d) ★ (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI Asso. Clerk 2011)*

72. चैट क्या है ?

(a) एक इंटरनेट मानक जिससे प्रयोक्ता फाइलों को अपलोड और डाउनलोड कर सकते हैं

(b) टाइप की हुई बातचीत जो कंप्यूटर पर घटित होती है

(c) एक ऑनलाइन एरिया जिसमें प्रयोक्ता किसी खास विषय के बारे में लिखित चर्चा करते हैं

(d) कंप्यूटर नेटवर्क के जरिए संदेशों व फाइलों का संचार

(e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011)*

73. इंटरनेट क्या है ?

(a) नेटवर्कों का बड़ा नेटवर्क (b) किसी बिजनेस के लिए आंतरिक सम्प्रेषण प्रणाली

(c) भारत सरकार के लिए सम्प्रेषण प्रणाली (d) ये सभी

(e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011)*

74. वेब पर सूचना देखने हेतु आपके पास........होना चाहिए।

(a) केबल मोडेम (b) वेब ब्राउजर (c) डोमेन नेम सर्वर

(d) हैपर टेक्स्ट व्हयूवर (e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011)*

75. वेब पेज में वह कौन-सा शब्द है जिसे क्लिक किया जाये तो दूसरा डाक्यूमेंट खुलता है ?

(a) एंकर (b) URL (c) हाइपरलिंक

(d) रेफरेंस (e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011)*

76. अनजाने ई-मेल अनुलग्नकों को क्यों निकाला जाता है ?

(a) आप जेल में जा सकते हैं

(b) वह व्यक्ति आपको पहचान कर जख्मी / नुकसान कर सकता है

(c) यह गलत तौर-तरीके (मॅनर्स) है

(d) इसमें वायरस हो सकता है जो आपके कंप्यूटर को नुकसान पहुंचा सकता है

(e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011)*

77. ....यह सबसे लोकप्रिय इन्टरनेट गतिविधि है।

(a) आर्ट / कला (b) शॉपिंग (c) सर्चिंग / शोध

(d) मनोरंजन (e) संप्रेषण *(Bank of Baroda 2011)*

78. ई-कॉमर्स क्या है ?

(a) अंतर्राष्ट्रीय माल की खरीद और बिक्री

(b) इंटरनेट पर उत्पादों तथा सेवाओं का क्रय व विक्रय

(c) स्टोर्स में न मिलने वाले उत्पादों और सेवाओं का क्रय व विक्रय

(d) कम्प्यूटर से संबद्ध उत्पादों और सेवाओं का क्रय व विक्रय

(e) इलेक्ट्रॉनिक माल का क्रय व विक्रय *(Allah...*

Viva Technologies

79. इंटरनेट जोडने के लिए कौन-सी चार चीजें आवश्यक हैं?
(a) टेलीफोन लाइन, मॉडेम कम्प्यूटर, और आयएसपी (ISP)
(b) मॉडेम, कंप्यूटर, पीडीए (PDA) और आयएसपी (ISP)
(c) टेलीफोम लाइन, पीडीए (PDA) मॉडेम और कम्प्यूटर
(d) कम्प्यूटर, आयएसपी (ISP) मॉडेम और संप्रेषण सॉफ्टवेयर
(e) मानीटर, की बोर्ड, माउस, मॉडेम *(Allahabad Bank PO 2011)*

80. एक कंप्यूटर से इंटरनेट पर आपके कंप्यूटर में फाइल अंतरण करनेवाली प्रक्रिया को..... कहा जाता है।
(a) डाऊनलोड (b) अपलोड (c) एफटीपी (FTP)
(d) जेपीइजी (JPEG) (e) डाऊन साइजिंग
(Allahabad Bank PO 2011, IBPS PO 2011)

81. वेब पेज/पृष्ठ को रीलोड करने हेतु.....बटन दबाएं।
(a) रीडू (b) रीलोड (c) रिस्टोर
(d) सीटीआरएल (Ctrl) (e) रिफ्रेश *(Allahabad Bank PO 2011, IBPS PO 2011)*

82. इंटरनेट के जरिये लिंकों के संग्रहण से एक इंटर कनेक्टेड नेटवर्क सृजित हो जाता है, उसे.....कहा जाता है।
(a) डब्लू डब्लू डब्लू (b) वेब (c) वर्ल्डवाइड वेब
(d) उपर्युक्त सभी (e) वाइड एरिया वेब *(Allahabad Bank PO 2011)*

83. .....में कई कंप्यूटर्स का समावेश है जो संसाधन और डाटा शेयर करने हेतु एकत्रित जोडे जाते हैं।
(a) इंटरनेट (b) नेटवर्क (c) बैंकबोन
(d) हाइपरलिंक (e) प्रोटोकॉल *(Allahabad Bank PO 2011)*

84. क्लासरूम में न जाते हुए कंप्यूटरों के विषय में अध्ययन के लोकप्रिय तरीके को.....कहा जाता है।
(a) आय-लर्निंग (b) आयसोलेटेड लर्निंग (c) ई-लर्निंग
(d) क्लोज लर्निंग (e) दूरस्थ/डिस्टस लर्निंग *(Allahabad Bank PO 2011)*

85. एक व्यक्ति जो उसकी विशेषज्ञता अन्य व्यक्तियों के कंप्यूटर्स से जानकारी गैरकानूनी तरीके से या उसे डैमेज करने हेतु .....से ॲक्सेस प्राप्त किया जाता है।
(a) स्पॅमर (b) हॅकर (c) तत्काल संदेशवाहक
(d) प्रोग्रॅमर (e) विश्लेषक
(Allahabad Bank PO 2011, IBPS PO 2011)

86. .....फोल्डर संदेशो की कापियाँ रखता है जिन्हें आपने आरंभ किया है तथापि भेजने हेतु तैयार नहीं है—
(a) इन बॉक्स (b) आउट बॉक्स (c) ड्राफ्टस्
(d) सेंट/भेजे गये आइटमस् (e) पतों का पुस्तक

87. उनकी पहचान/आयडेंटीटी को गलत दिखलाने/झूठलाने के जरिये व्यक्तियों द्वारा...... प्रयास है, ताकि आपसे गोपनीय सूचनाएं प्राप्त की जा सके।

(a) फिशिंग ट्रिप्स (b) कंप्यूटर वायरस्पेस (c) स्पायवेअर स्कैम्स
(d) वायरस (e) फिशिंग स्कॅन्स

(Allahabad Bank PO 2011, IBPS PO 2011)

88. निम्न में से कौन-सा सत्य नहीं है?

(a) चैटिंग ई-मेल के समान है
(b) चैटिंग केवल एक व्यक्ति के साथ की जा सकती है
(c) चैटिंग में बहुत से लोग शामिल हो सकते हैं
(d) चैटिंग इलेक्ट्रॉनिक संवाद है
(e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

89. ई-मेल पते के दो भाग कौन से हैं?

(a) यूजर नाम और गली का नाम (b) विधिक नाम और फोन नंबर
(c) इनीशियल और पासवर्ड (d) यूजर नाम और डोमेन नाम
(e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

90. ई-मेल भेजना किसके समान है?

(a) पत्र लिखना (b) तस्वीर बनाना (c) फोन पर बात करना
(d) पैकेज भेजना (e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

91. ब्राउजर क्या करता है?

(a) पुस्तकालय में पत्रिकाओं और किताबों में ढूंढता है
(b) सामग्री को वास्तव में ही तेजी से पढ़ता है
(c) आपका समय बर्बाद करता है
(d) हेल्प मेनू उपलब्ध कराता है
(e) यह वेब पेज देखने के लिए प्रयुक्त एक सॉफ्टवेयर है *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

92. अधिकांश वेब साइट में मेन पेज, ... होता है जो शेष वेब साइट पेजेज के डोरवे का काम करता है।

(a) सर्च इंजन (b) होम पेज (c) ब्राउजर
(d) URL (e) इनमें से कोई नहीं

(Allahabad Bank Clerk 2011, IBPS Clerk 2011)

93. ई-मेल अकाउंट में एक स्टोरेज एरिया होता है जिसे अकसर ...... कहते हैं।

(a) अटचमेंट (b) हाइपरलिंक (c) मेल-बॉक्स
(d) IP एड्रेस (e) इनमें से कोई नहीं

(Allahabad Bank Clerk 2011, IBPS Clerk 2011)

94. मॉडेम किससे जुड़ा होता है?

(a) प्रोसैसर (b) मदर बोर्ड (c) प्रिंटर
(d) फोन लाइन (e) इनमें से कोई नहीं *(Allaha...*

Viva Technologies

95. आप इंटरनेट से .....
(a) इलेक्ट्रॉनिक मेल भेज सकते हैं
(b) वेब पेज देख सकते हैं (c) पूरे विश्व में सर्वर से जुड़ जाते हैं
(d) उपरोक्त सभी (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI Ass. Clerk 2011)*

96. निम्नलिखित में से कौन-सा इंटरनेट संबंधी पद नहीं है?
(a) ब्राउजर (b) लिंक (c) प्रिंटर
(d) सर्च इंजीन (e) हाइपरलिंक *(IBPS Clerk 2011)*

97. निम्न में सै कौन-सा ईमेल से संबंधित शब्द नहीं है?
(a) पावर पाइंट (b) इनबॉक्स (c) सेंडर
(d) रिसीवर (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

98. उस फाइल को क्या कहते हैं जो ईमेल से जुड़ी होती है और ईमेल प्राप्त करने वाले को भेजी जाती है?
(a) एनेक्शर (b) एपैंडेज (c) ऐड-ऑन
(d) अटैचमेंट (e) आर्टीकल *(IBPS Clerk 2011, RBI 2012)*

99. शिक्षा संस्थान सामान्यतया अपने डोमेन नाम में निम्न का प्रयोग करेगा?
(a) .org (b) .edu (c) .inst
(d) .com (e) .sch *(IBPS Clerk 2011)*

100. निम्न में से कौन सा शब्द इंटरनेट से संबंधित नहीं है?
(a) की बोर्ड (b) लिंक (c) ब्राउजर
(d) सर्च इंजिन (e) हाइपरलिंक *(IBPS Clerk 2011)*

101. इंटरनेट रिसोर्सों की लोकेशन से कनेक्ट करने के लिए ब्राउजर निम्न में से किसका प्रयोग करता है?
(a) लिंकर (b) प्रोटोकॉल (c) केबल
(d) URL (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

102. वेबसाइट में 'होम' पेज का क्या अर्थ है?
(a) सबसे अच्छा पेज (b) अंतिम पेज (c) प्रथम पेज
(d) सबसे हाल का पेज (e) सबसे पुराना पेज *(IBPS Clerk 2011)*

103. वेबसाइट एड्रैस विशिष्ट रूप से क्या विनिर्दिष्ट करता है?
(a) वेब ब्राउजर (b) वेबसाइट (c) PDA
(d) स्टोरेज (e) हार्ड-डिस्क *(IBPS Clerk 2011)*

104. ई-मेल पते के दो भाग कौन-से होते हैं ?
(a) प्रयोक्ता का नाम और गली का पता (b) विधिक नाम और फोन नंबर
(c) प्रयोक्ता का नाम और डोमेन नंबर (d) इनीशियल और पासवर्ड
(e) लॉगिन नाम और पासवर्ड *(IBPS Clerk 2011)*

105. मोशन पिक्चर क्लिपों को बदलने के लिए किस प्रकार का सॉफ्टवेयर प्रयोग किया जाता है?
(a) ड्रॉइंग (b) वीडियो एडिटिंग (c) पेंटिंग
(d) कंप्यूटर डिजाइन (e) वेब ऑथरिंग

Viva Technologies

106. इंटरनेट के जरिए लोगों से सम्पर्क करने के लिए निम्न में से किसका प्रयोग किया जाता है ?
(a) ई-मेल एड्रेस (b) डोमेन नाम (c) यूजर नाम
(d) पासवर्ड (e) सिक्योरिटी लिंक *(IBPS Clerk 2011)*

107. वेब पर एक्सेस करने के लिए डाक्यूमेंटों, ग्राफिक्स और ध्वनियों को ..... किया जाता है।
(a) प्रोसैस (b) लिंक (c) मोडिफाई
(d) इंटरनल (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

108. निम्न में से कौन सा कथन सत्य है ?
(a) आपको कभी किसी को अपना/अपने ईमेल खाते का नाम नहीं देना चाहिए क्योंकि वे तब आपके खाते को एक्सेस कर सकेंगे
(b) पासवर्ड बनाते समय, या तो अंकों या अक्षरों का प्रयोग करें, लेकिन उन्हें पासवर्ड में मिलाएँ नहीं
(c) आपका ईमेल पता आपके ISP के होस्ट कंप्यूटर का डोमेन नाम है, उसके बाद @ चिह्न है और उसके बाद आपके खाते का नाम है
(d) आपका ईमेल पता आपके ISP के होस्ट कंप्यूटर का डोमेन नाम है, उसके बाद & चिह्न है और उसके बाद आपके खाते का नाम है
(e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS clerk 11)*

109. यदि आपका कम्प्यूटर खुद को रीबूट करता रहता है तो संभावना है कि .....
(a) इसमें वायरस है (b) इसमें पर्याप्त मेमरी नहीं है
(c) इसमें प्रिंटर नहीं है (d) इसमें बिजली की तेज तरंग आई है
(e) इसमें CD-ROM की आवश्यकता है *[SBI 2012]*

110. निम्न में से कौन-सा शब्द नेटवर्कों का सिर्फ एक संग्रह है जिसे एकसाथ जोड़ा जा सकता है ?
(a) वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (b) LAN (c) इंटरानेट
(d) एक्स्ट्रानेट (e) इंटरनेट *[SBI 2012]*

111. फाइलों को ट्रांसफर करने और संदेशों को आदान-प्रदान करने के लिए किस यूटिलिटी का प्रयोग किया जाता है ?
(a) वेब ब्राउजर्स (b) WWW (c) ई-मेल
(d) हाइपरटेक्स्ट (e) सर्च इंजिन *[SBI 2012]*

112. उन एप्लिकेशनों को क्या नाम दिया जाता है जिनमें टेक्स्ट, ध्वनि, ग्राफिक्स, मोशन वीडियो और/या एनिमेशन का मिश्रण होता है ?
(a) मोशनवेयर (b) एनिग्राफिक्स (c) वीडियोस्केप्स
(d) मल्टीमीडिया (e) मैक्सोमीडिया *[IBPS PO 2012]*

113. किसी डाक्यूमेंट की ..... का अर्थ है कि फाइल किसी दूसरे कम्प्यूटर से आपके कम्प्यूटर में ट्रांसफर हो जाती है।
(a) अपलोडिंग (b) रीयली सिंपल सिंडीकेशन (RSS)
(c) एक्सेसिंग (d) डाउनलोडिंग (e) अपग्रेडिंग
[IBPS PO 2012]

114. URL क्या होता है ?
(a) कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर प्रोग्राम (b) प्रोग्रामिंग ऑब्जेक्ट का एक प्रकार
(c) वर्ल्ड वाइड वेब पर डाक्यूमेंट या 'पेज' का एड्रेस
(d) Unlimited Resources for Learning का संक्षिप्ताक्षर
(e) हार्डवेयर का एक टुकड़ा

Viva

115. निम्न में से कौन-सा ईमेल का भाग **नहीं** हो सकता है?
(a) Period (.) (b) At sign (@) (c) Space ( )
(d) Underscore (_) (e) इनमें से कोई नहीं *[IBPS PO 2012]*

116. URL में निम्न में से कौन-सा अवश्य होना चाहिए?
(a) प्रोटोकॉल आइडेंटिफायर (b) अक्षर WWW.
(c) विशिष्ट रजिस्टर्ड डोमेन नाम (d) WWW. और विशिष्ट रजिस्टर्ड डोमेन नाम
(e) प्रोटोकॉल आइडेंटिफायर, WWW. और विशिष्ट रजिस्टर्ड डोमेन नाम *[IBPS PO 2012]*

117. E–मेल एटेचमेंट क्या होता है?
(a) प्राप्तकर्त्ता द्वारा भेजी गई रसीद
(b) दूसरे प्रोग्राम का एक अलग डाक्यूमेंट जो E-मेल मैसेज के साथ भेजा गया है
(c) एक मैलिसियस पैरासाइट जो आपके मैसेज खा जाता है और कंटेंट्स नष्ट कर देता है
(d) CC : या BCC : प्राप्तकर्त्ताओं की सूची
(e) मित्र जिसे नियमित रूप से E-मेल भेजा जाता है *[RBI 2012]*

118. वेब पर इनफार्मेशन लोकेट करने के लिए यूजरों की सहायता करने वाले विशेषीकृत कार्यक्रमों को ..... कहते हैं।
(a) इनफार्मेशन इंजीन (b) लोकेटर इंजीन (c) वेब ब्राउजर
(d) रिसोर्स लोकेटर (e) सर्च इंजीन *[RBI 2012]*

119. जंक ई-मेल को ..... भी कहते हैं।
(a) क्रैप (b) स्पूफ (c) स्निफर स्क्रिप्ट
(d) स्पूल (e) स्पैम *[RBI 2012]*

120. आपके कम्प्यूटर के डाटा को नष्ट करने वाला प्रोग्राम जो दूसरे कम्प्यूटरों को 'इनफेक्ट' करने के लिए ट्रावेल कर सकता है उसे ..... कहते हैं।
(a) डिसइज (b) टोरपिडो (c) हरिकेन
(d) वायरस (e) इनफेक्टर *[RBI 2012]*

121. URL : www.abcd.com में ".com" क्या सूचित करता है?
(a) कमश्रियल (b) कॉर्पोरेट (c) को-ऑपरेटिव (d) कन्सील

122. उस शब्द को क्या कहा जाता है, जिसके अनुसार कोई भी नेटवर्क तब तक सुरक्षित होता है, जब तक उसके प्रबंधक समूह से बाहर के किसी भी व्यक्ति को उसके संचालन विवरणों की कोई भी जानकारी प्राप्त करने की अनुमति नहीं होती और उपयोगकर्ताओं को जानने की आवश्यकता के आधार पर जानकारी प्रदान की जाती है?
(a) विश्वास आधारित सुरक्षा (ट्रस्ट बेस्ड सिक्युरिटी)
(b) अस्पष्टता द्वारा सुरक्षा (सिक्युरिटी थ्रू ऑब्सक्युरिटी)
(c) आवश्यकता आधारित सुरक्षा (नीड बेस्ड सिक्युरिटी)
(d) पासवर्ड द्वारा सुरक्षा (सिक्युरिटी थ्रू पासवर्ड)

123. जब किसी HTML पृष्ठ पर कतिपय पाठ पर माउस को रखा जाता है, तो यह ☝ आकार में परिवर्तित हो जाता है। ऐसे पाठ को क्या कहा जाता है?
(a) हाइपरलिंक (b) मेलिंग लिंक (c) प्रोटोकॉल लिंक (d) रेसिपरोकल लिंक्स

124. निम्न में से कौन-सा वेब ब्रोउजर के लिए एक उदाहरण है?
(a) ओपेरा (b) स्टारवर्क्स (c) गूगलएपस (d) ओडिला

Viva
Viva Technologies

125. वेब पेज पर दिखने वाले ..... को क्लिक किया जाय तो उससे दूसरा डाकुमेंट खुलता है।
(a) एंकर (b) URL (c) हायपरलिंक
(d) रेफरेंस (e) हेडिंग *(SBI PO 2013)*

126. कंप्यूटर हैकर है :
(a) एक व्यक्ति जो कंप्यूटर की सुरक्षा बनाये रखता है
(b) एक व्यक्ति जो व्यक्तिगत लाभ के दूषित इरादों से कंप्यूटर सुरक्षा का पालन नहीं करता
(c) कंप्यूटर के सुरक्षित परिचालन हेतु उत्तरदायी एक व्यक्ति
(d) कंप्यूटर सुधारने वाला एक व्यक्ति *(SSC 2013)*

127. वीडियो कांफ्रेंसिंग है :
(a) दूरसंचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए वीडियो कॉल का परिचालन
(b) दूरभाष पर कॉल का परिचालन
(c) दूरबीन प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए वीडियो कांफ्रेंस का परिचालन
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं *(SSC 2013)*

128. निम्नांकित में से कौन निःशुल्क ई-मेल सेवा प्रदाता है?
(a) हाटमेल (b) रेडिफमेल (c) याहू (d) ये सभी *(SSC 2013)*

129. एच.टी.एम.एल. का विस्तृत रूप है :
(a) हाइब्रिड टेक्स्ट मार्कअप लेंग्वेज (b) हाइपरटेक्स्ट मार्कअप लेंग्वेज
(c) हायर टेक्स्ट मार्कअप लेंग्वेज (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं *(SSC 2013)*

130. कम्प्यूटर वायरस है :
(a) ऐसा कम्प्यूटर प्रोग्राम जो स्वयं की प्रतिलिपियाँ बना सके
(b) ऐसा वायरस जो मनुष्यों के स्वास्थ्य को प्रभावित करे
(c) उपर्युक्त दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं *(SSC 2013)*

उत्तर

1.	(b)	2.	(c)	3.	(a)	4.	(b)	5.	(c)	6.	(b)	7.	(e)
8.	(d)	9.	(a)	10.	(b)	11.	(b)	12.	(a)	13.	(a)	14.	(c)
15.	(e)	16.	(a)	17.	(d)	18.	(b)	19.	(a)	20.	(b)	21.	(b)
22.	(a)	23.	(a)	24.	(a)	25.	(d)	26.	(c)	27.	(a)	28.	(d)
29.	(d)	30.	(a)	31.	(d)	32.	(a)	33.	(b)	34.	(b)	35.	(c)
36.	(a)	37.	(c)	38.	(b)	39.	(a)	40.	(d)	41.	(d)	42.	(c)
43.	(d)	44.	(a)	45.	(c)	46.	(a)	47.	(d)	48.	(e)	49.	(c)
50.	(d)	51.	(d)	52.	(c)	53.	(b)	54.	(a)	55.	(c)	56.	(c)
57.	(c)	58.	(d)	59.	(b)	60.	(b)	61.	(d)	62.	(c)	63.	(a)
64.	(c)	65.	(d)	66.	( )	67.	(b)	68.	(c)	69.	(a)	70.	(b)
71.	(a)	72.	(b)	73.	(a)	74.	( )	75.	(c)	76.	(d)	77.	(e)
78.	(b)	79.	(d)	80.	(a)	81.	(e)	82.	(d)	83.	(a)	84.	(c)
85.	(b)	86.	(c)	87.	(e)	88.	(b)	89.	(d)	90.	(a)	91.	(e)
92.	(b)	93.	(c)	94.	(d)	95.	(d)	96.	(c)	97.	(a)	98.	(d)
99.	(b)	100.	(a)	101.	(d)	102.	(c)	103.	(b)	104.	(c)	105.	(b)
106.	(a)	017.	(b)	108.	(a)	109.	(a)	110.	(e)	111.	(c)	112.	(d)
113.	(c)	114.	(c)	115.	(c)	116.	(e)	117.	(b)	118.	(e)	119.	(e)
120.	(d)	121.	(a)	122.	(d)	123.	(a)	124.	(a)	125.	(c)	126.	(b)
127.	(a)	128.	(d)	129.	(b)	130.	(a)						

★★★

Viva

11

माइक्रोसॉफ्ट विंडोज
(Microsoft Windows)

परिचय
Introduction

माइक्रोसॉफ्ट विंडोज, पर्सनल कम्प्यूटर के लिए माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित ऑपरेटिंग सिस्टम है। माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक *बिल गेट्स* तथा *पॉल एलेन* हैं। विश्व के लगभग 90% पर्सनल कम्प्यूटर में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम उपयोग हो रहा। यह ग्राफिकल यूजर (GUI), इंटरफेस, मल्टीटास्किंग, वर्चुअल मेमोरी की सुविधा देता है।

माइक्रोसॉफ्ट विंडोज का प्रथम स्वतंत्र **संस्करण 1.0**, 20 नवम्बर 1985 में आया, जिसे **इंटरफेस मैनेजर** के नाम से जाना जाता था। परन्तु माइक्रोसॉफ्ट के मार्केटिंग प्रमुख *रॉलैन्ड हैन्सन (Rowland Hanson)* ने विंडोज नाम का सुझाव दिया, जो उपभोक्ताओं को ज्यादा आकर्षक लगा। विंडोज 1.0 पूर्ण ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं था, यह MS-DOS का सुधरा रूप था, जिसमें MS-DOS की कमियों को सुधारने की कोशिश की गई थी।

माइक्रोसॉफ्ट का दूसरा संस्करण 2.0, 9 दिसम्बर 1987 में आया, जो विंडोज 1.0 से थोड़ा ज्यादा लोकप्रिय हुआ, जिसका कारण था इस संस्करण में एक्सल, वर्ड तथा नई ग्राफिकल अनुप्रयोग का होना।

जब एल्डस पेजमेकर (Aldus Pagemaker) विंडोज संस्करण में आया, उस समय माइक्रोसॉफ्ट विंडोज काफी लोकप्रिय हुआ। जो केवल मैकिन्टोस (Macintosh) सिस्टम पर चलता था। यह विंडोज की सफलता की शुरुआत थी। इसके बाद इसके बहुत सारे संस्करण आये। जैसे– 2.0X, 2.03, 3.0 इत्यादि। विंडोज 3.0 सन् 1990 में आया जो अत्यधिक सफल हुआ। इस संस्करण में मल्टीटास्किंग तथा वर्चुअल मेमोरी का परिचय दिया गया जो DOS की तुलना में काफी अच्छा था।

इसके बाद विंडोज अत्यधिक लोकप्रिय ऑपरेटिंग सिस्टम हो गया। जिसके लगातार नये संस्करण आते गये जो आज तक लोकप्रिय है। जैसे–

विंडोज 95- सन् 1995
विंडोज 98- सन् 1998
विंडोज ME (Millennium)- सन् 2000
विंडोज XP- सन् 2004
विंडोज Vista- सन् 2007

एम एस विंडोज संबंधी शब्दावली
MS-Windows related Terms

1. **ग्राफिक्स यूजर इंटरफेस** (GUI–Graphical User Interface) : ग्रफिकल यूजर इंटरफेस यूजर को इलेक्ट्रॉनिक यंत्र, जैसे– कम्प्यूटर, MP3 प्लेयर, पोर्टबल मीडिया प्लेयर आदि से संवाद (intract) करने में सक्षम बनाता है। GUI टेक्सट आधारित संवाद के बदले चित्र या रेखाचित्र के माध्यम से संवाद करना उपलब्ध कराता है। इसके लिए पढ़ने, लिखने या कमांड याद रखने की आवश्यकता नहीं होती है। यह यूजर को सरलता तथा प्रभावी रूप से संवाद स्थापित करने

Viva

में सहायता करता है। सर्वप्रथम जेरोक्स कॉरपोरेशन नाम कंपनी ने GUI पर आधारित जेरोक्स स्टार नामक कम्प्यूटर का विकास किया।

2. आइकन (Icon) : आइकन छोटा सा ग्राफिक फोटो है जो किसी भी प्रोग्राम के क्रियान्वयन का प्रतिनिधित्व करता है। जब हम माउस द्वारा इस आइकन पर क्लिक करते हैं तो इससे संबंधित प्रोग्राम क्रियान्वित (execute) हो जाता है। इनका प्रयोग विंडो वातावरण में होता है। इनके द्वारा प्रोग्राम फाइल तथा फोल्डर डेस्कटॉप को दर्शाया जाता है तथा इनके नीचे प्रोग्राम, फाइल या फोल्डर का नाम लिखा होता है।

3. इंटरफेस (Interface) : यह दो कम्प्यूटर के बीच संचार स्थापित करने की सुविधा या तकनीक है। दो नेटवर्कों या टर्मिनल और नेटवर्क के बीच संचार स्थापित करने की सुविधा को नेटवर्क इंटरफेस कहते हैं।

विंडोज डेस्कटॉप

Windows Desktop

जब कम्प्यूटर सिस्टम में बूटिंग की प्रक्रिया सम्पन्न हो जाती है तब जो स्क्रीन हमारे सामने दिखता है वह डेस्कटॉप है। यह सभी कार्यक्रमों (Programs) तथा उन तक पहुँचने के लिए आवश्यक निर्देशों (Commands) की पृष्ठभूमि है। डेस्कटॉप हर ऑपरेटिंग सिस्टम तथा हर संस्करण में बदलता रहता है। डेस्कटॉप के ग्राफिक पृष्ठभूमि को वॉल पेपर कहते हैं। वॉल पेपर को 'कन्ट्रोल पैनल' में डिस्पले प्रोप्रर्टीज के 'डेस्कटॉप' ऑप्सन में जाकर फोटो या चित्र या विभिन्न पैटर्न में बदला जा सकता है। कम्प्यूटर स्क्रीन पर ब्लिंक (Blink) करने वाले प्रतिक को कर्सर कहते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण सुविधा (Feature) जो डेस्कटॉप पर प्राप्त है वो आइकन हैं। यह प्रोग्राम से जुड़ा शार्टकट छोटा चित्र है। इस आइकन पर डबल क्लिक करने पर प्रोग्राम रन (Run) होता है या वह फाइल खुलता है। यूजर अपनी सुविधा के लिए प्रोग्राम का शार्टकट बना कर डेस्कटॉप पर रख सकते हैं तथा तीव्रता से उसे चला सकते हैं। आइकन को क्लिक और ड्रैग एण्ड ड्रॉप के द्वारा डेस्कटॉप पर कहीं भी ले जाया जा सकता है। डेस्कटॉप पर F5 दबाने से स्क्रिन साफ होता है।

डेस्कटॉप पर कुछ महत्वपूर्ण आइकन

1. माई कम्प्यूटर (My Computer) :यह डेस्कटॉप पर एक महत्वपूर्ण आइकन है जो ड्राइव्स (Drives), प्रिन्टर्स, कंट्रोल पैनल और दूसरे सिस्टम अनुप्रयोग (System application) का उपयोग करने में सक्षम बनाता है। दूसरे सर्पोटिंग अनुप्रयोग, जैसे– 'Add New Hardwax', 'Add/Remove Program', 'Accessibility option' एवं कंट्रोल पैनल के द्वारा की-बोर्ड, माउस, प्रिन्टर, मॉडम, मॉनीटर डिस्पले और साउन्ड के सेटिंग में परिवर्तन कर सकते हैं।

2. रिसाईकल बीन (Recycle Bin) :जब हम किसी फाइल तथा फोल्डर को हटाते (Delete) हैं, तो यह रिसाईकल बीन में जाता है। वहाँ तब तक रहता है जबतक रिसाईकल बीन को खाली न कर दिया जाये। यहाँ स्टोर फाइल या फोल्डर को रिस्टोर द्वारा वापस अपने जगह लाया जा सकता है। जब रिसाईकल बीन खाली किया जाता है तो सभी deleted files स्थायी रूप से हट जाता है।

3. माई नेटवर्क प्लेसेज (My Network Places) :इसके अन्तर्ग नेटवर्क कनेक्शन दर्शाया जाता है। जो सिस्टम को इंटरनेट से जोड़ना संभव बनाता है। जिससे दूसरे कम्प्यूटर के साथ संचार स्थापित करने तथा दूसरे के संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं।

4. माई डाक्यूमेंट (My Document) :यह कम्प्यूटर के हार्ड ड्राइव में एक विशेष फोल्डर है, जिसका उपयोग यूजर अपनी पर्सनल डाक्यूमेंट, संगीत, चित्र, डाउनलोड और दूसरे फाइलों को संग्रहीत करने के लिए करता है।

टास्क बार

Task Bar

डेस्कटॉप के नीचे किनारे पर एक पतली पट्टी जैसा बॉक्स होता है जिसके एक छोर पर स्टार्ट बटन तथा दूसरे छोर पर घड़ी (clock) रहता है। टास्कबार पर घड़ी की तरफ कुछ और छोटे-छोटे आइकन रहते हैं, जिसे त्वरित लाँच (Quick Launch) कहते हैं। यह, अक्सर उपयोग होने वाले प्रोग्राम को एक क्लिक में खोलता (Open) हैं।

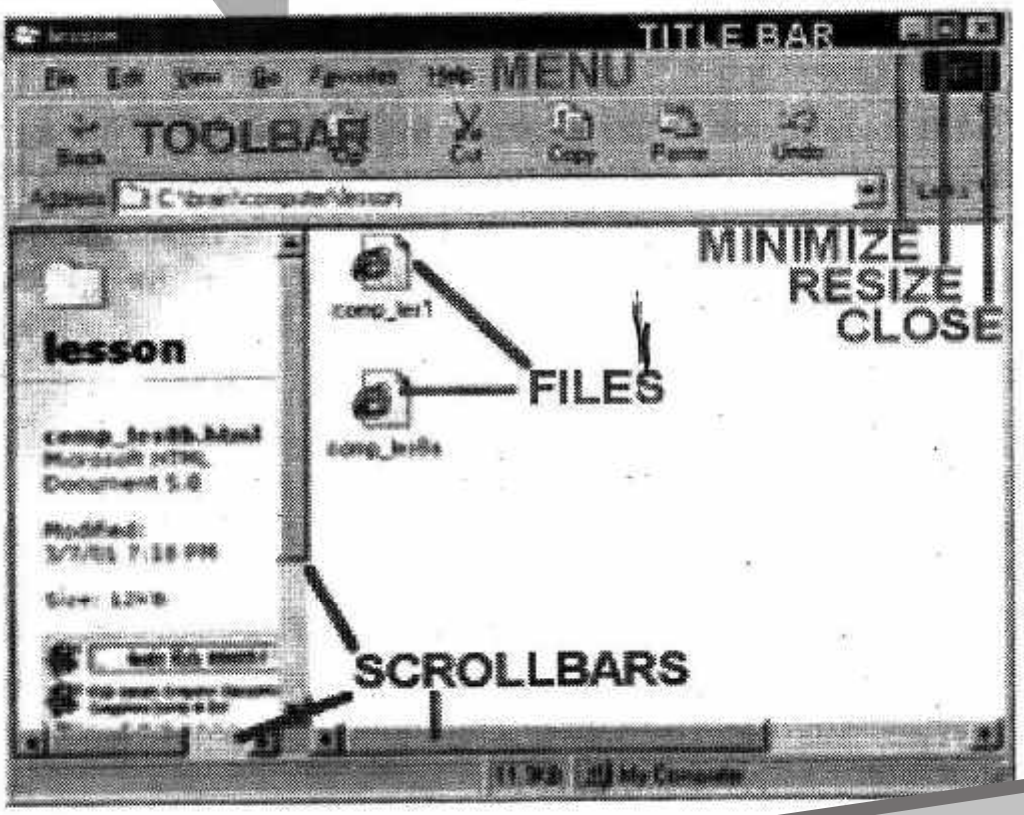

Viva Technologies

टास्क बार में कोई परिवर्तन करने के लिए स्टार्ट मेन्यू में सेटिंग विकल्प को चुना जाता है। सेटिंग के सब मेन्यू में Taskbar and Start Menu विकल्प पर क्लिक करने पर Taskbar and Start Menu प्रोपर्टीज विंडो खुल जाता है।

इस विंडों में निम्नलिखित विकल्प होते हैं, जिनको हम अपने अनुसार चयन कर सकते हैं।

1. **Lock the taskbar :** इसे क्लिक करने पर यह टास्कबार के आकार को निश्चित कर देता है।
2. **Auto hide the taskbar :** उपयोग न होने पर टास्कबार छिप जाता है तथा माउस प्वाइंटर को वहाँ ले जाने पर दिखाई देता है।
3. **Keep the taskbar on top :** इसे क्लिक करने पर यह हमेशा स्क्रीन के नीचे स्थित रहता है।
4. **Group similar taskbar buttons :** एक ही प्रोग्राम से खोले गये विभिन्न चीजों (Item) को एक जगह समूह में रखता है। जब टास्कबार में हर बटन को दिखाने के लिए समुचित स्थान नहीं होता है तब यह संभव होता है।
5. **Show Quick Launch :** इस पर क्लिक करने पर प्रोग्राम के शॉर्टकट Taskbar में आ जाते हैं।
6. **Show the clock :** इसे क्लिक करने पर टास्क बार के सबसे दाहिनी ओर घड़ी प्रदर्शित रहती है।
7. **Hide Inactive Icons :** जो प्रोग्राम तुरंत उपयोग नहीं हो रहे होते हैं वो इस विकल्प पर क्लिक करने पर छिप जाते हैं।

स्टार्ट मेन्यू
Start Menu

टास्कबार के स्टार्ट बटन पर क्लिक करने पर एक मेन्यू खुलता है जिसे स्टार्ट मेन्यू कहते हैं। इस मेन्यू में कई ऑप्सन आते हैं। कुछ ऑप्सन के साथ छोटा सा तीर का निशान रहता है जो किसी और मेन्यू को दर्शाता है या उस निशान पर माउस के प्वाइंटर ले जाने पर एक और मेन्यू खुल जाता है। स्टार्ट मेन्यू में निम्नलिखित ऑप्सन होते हैं।

1. **प्रोग्राम** (Program) : यह कम्प्यूटर में इंस्टाल्ड (Installed) प्रोग्रामों की सूची है।
2. **फेवरिट** (Favorites) : यह बुक मार्क्ड (Book Marked) वेब पेज का सूची है।
3. **डाक्यूमेंट** (Documents) : सबसे वर्तमान में उपयोग किये गये दस्तावेजों की सूची है।
4. **सेटिंग्स** (Settings) : सिस्टम अनुप्रयोग जैसे– कंट्रोलपैनल, प्रिन्टर, टास्कबार और स्टार्ट मेन्यू तथा नेटवर्क कनेक्शन इत्यादि की सूची है। कंट्रोल पैनल के द्वारा किसी भी हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर के सेटिंग्स में परिवर्तन कर सकते हैं।
5. **सर्च** (Search) : किसी विशेष फाइल या फोल्डर्स को ढूँढ़ने के लिए।
6. **हेल्प** (Help) : प्रोग्राम संबंधी कोई भी सहायता प्राप्त करने के लिए।
7. **रन** (Run) : किसी प्रोग्राम को रन करने के लिए या किसी फाइल, फोल्डर या दस्तावेज को खोलने के लिए।
8. **लॉग ऑफ** (Log Off) : पासवर्ड प्रोटेक्ट एक उपयोगकर्त्ता को लॉग ऑफ करने तथा दूसरे उपयोगकर्त्ता को लॉग ऑन करने की अनुमति देता है।
9. **टर्न ऑफ या शट डाउन** (Turn off or Shut down) : सिस्टम को बंद करता है या restart करता है।

Viva

टाइटल बार
Title Bar

कोई भी प्रोग्राम या अनुप्रयोग विंडो के अन्दर रन करता है। हर विंडो में सबसे ऊपर एक पतला पट्टी जैसा बॉक्स होता है जिसके बायें तरफ प्रोग्राम, या फाइल या फोल्डर, जो भी खुला रहता है उसका नाम लिखा होता है। इस बॉक्स के दाहिने तरफ तीन छोटे-छोटे बटन होते हैं। इन तीनों में सबसे बायाँ बटन को Minimize बटन कहते हैं। विंडो को मिनीमाइज करने पर इसे स्क्रीन से हटा देता है परन्तु प्रोग्राम रन करता रहता है। Minimize विंडो टास्क बार में एक बटन के रूप में उपस्थित रहता है। टास्कबार में उठा हुआ (Raised Button) बटन Minimized या निष्क्रिय विंडो दर्शाता है तथा दबा हुआ बटन (Depressed Button) खुला या सक्रिय विंडो दर्शाता है। यदि यूजर प्रोग्राम को तुरंत उपयोग नहीं कर रहा है परन्तु जल्द ही उसे उपयोग करने वाला है उस स्थिति में Minimize बटन सहायक होता है। Minimized विंडो को फिर से सक्रिय करने के लिए टास्क बार में उस बटन पर सिर्फ एक क्लिक करना होता है।

टाइटल बार के दायें बटनों में से बीच वाला बटन में एक या दो छोटे-छोटे वर्ग अर्थात् या बने होते हैं। जिसे Maximize या Resize बटन कहते हैं। यह बटन यूजर को विंडो को पूर्ण स्क्रीन (Full Screen) या छोटा स्क्रीन (Small screen) करने की सुविधा देता है।

टाइटल बार के सबसे दायाँ बटन है, जिसे क्लोज (close) बटन कहते हैं। इस बटन को क्लिक कर विंडो को बंद किया जाता है।

स्क्रॉल बार
Scroll Bar

विंडो के वर्क एरिया में फाइल या फोल्डर की सूची, टाइपिंग, ड्राइंग या दूसरे कार्यों को स्क्राल बार की सहायता से पुर्णतः देख सकते हैं। इस विंडो के दाहिने तरफ उर्ध्वाधर तथा नीचे तरफ क्षैतिज स्क्रॉल बार दिखता है। जब विंडो में सूचनाओं का आकार विंडो के आकार से बड़ा होता है तब स्क्रॉल बार प्रदर्शित होता है। स्क्रॉल बार को खिसका कर सूचनाओं को ऊपर-नीचे तथा दायें-बायें कर देखा जा सकता है।

मेन्यू बार
Menu Bar

विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम में हर विंडो का अपना मेन्यू होता है। टाइटल बार के तुरंत नीचे मेन्यू बार होता है। इस मेन्यू बार के विकल्प हर प्रोग्राम के अनुसार बदलते रहते हैं।

मेन्यू बार के कुछ मुख्य विकल्प निम्नलिखित हैं—

1. **फाइल** (File) : इस मेन्यू के अन्तर्गत न्यू, ओपेन, सेभ, क्लोज तथा प्रिंट इत्यादि विकल्प हैं।
2. **इडिट** (Edit) : इस मेन्यू के अन्तर्गत अनडू (undo), कट (cut), कॉपी (copy), पेस्ट (paste) तथा क्लियर (clear) इत्यादि विकल्प हैं।
3. **व्यू** (View) : इस मेन्यू के अन्तर्गत नार्मल (Normal), प्रिन्ट लेआउट (Print Layout), हेडर-फुटर (Header and Footer) इत्यादि विकल्प हैं।
4. **हेल्प** (Help) : इस मेंन्यू के अन्तर्गत सहायक जानकारी या उपयोगी ट्यूटोरियल (Tutorials) होते हैं।

Viva Technologies

मेन्यू के प्रकार
Types of Menu

सामान्यतः मेन्यू दो प्रकार के होते हैं—

1. **Pull/Drop Down Menu :** किसी विषय को क्लिक करने पर यह मन्यू उसके नीचे खुलता है। पुल डाउन मेून में फेडिड कमांड का अर्थ है कि यह वर्तमान में एक्सेसिबल नहीं है।
2. **Pull/up Menu :** किसी विषय पर क्लिक करने पर यह मन्यू उसके ऊपर खुलता है।

किसी भी मेन्यू पर माउस द्वारा क्लिक कर या Alt Key के साथ विकल्प का रेखांकित अक्षर दबाने पर उस मन्यू को खोला जा सकता है। मेन्यू में प्रयुक्त कुछ संकेत निम्नलिखित हैं—

(i) **त्रिभुज Δ :** मेन्यू के विकल्प के सामने छोटा सा त्रिभुज बना होता है जो बताता है कि इस विकल्प के अन्तर्गत सब मेन्यू हैं।

(ii) **(...) इलिप्सिस** (Ellipsys) : यह किसी-किसी विकल्प के साथ रहता है जो बताता है कि इस विकल्प पर क्लिक करने पर एक डायलॉग बॉक्स आयेगा जिसमें सूचनाओं को भरना या चुनना होगा।

(iii) **(·) डॉट :** यह विकल्प के बायीं ओर रहता है जो यह दर्शाता है कि उपलब्ध विकल्पों में से केवल एक को ही चुना जा सकता है।

(iv) **(√) चेक मार्क :** जो सक्रिय विकल्प हैं उसके आगे यह मार्क लगा होता है।

(v) **ग्रे विकल्प :** किसी विकल्प का हल्का या ग्रे रंग यह बताता है कि वह विकल्प सक्रिय नहीं है।

टूल बार
Tool Bar

मन्यू बार के नीचे अक्सर टूल बार होता है जिसके अन्तर्गत कमांड आइकन या विकल्पों का पतला लम्बा बॉक्स होता है जो प्रोग्राम के अन्दर किसी विशेष प्रक्रिया को करना संभव करता है। इनमें आइकन या विकल्पों को अपनी आवश्यकतानुसार घटाया या बढ़ाया जा सकता है।

शॉर्टकट बटन
Shortcut Keys

यह बटन विकल्प के सामने लिखा होते हैं। अगर हम की-बोर्ड पर कार्य कर रहें हैं तो विकल्प को भी की-बोर्ड से चुन सकते हैं। जैसे– Open विकल्प को क्लिक करने के बदले Ctrl + O बटन की-बोर्ड दबाकर फाइल या फोल्डर कुछ भी खोला जा सकता है। Ctrl के साथ किस बटन को दबाना है यह उस विकल्प में अंडरलाइन शब्द है जो याद रखना होता है।

डायलॉग बॉक्स
Dialog Box

यह सेकेंडरी विंडो है जिसमें बटन तथा भिन्न-भिन्न प्रकार के विकल्प रहते हैं जिसके द्वारा किसी विशेष कमांड या टास्क को पूरा कर सकते हैं। इस बॉक्स के टाइटल बार में भी अन्य विंडो की तरह बॉक्स का नाम, क्लोज तथा हेल्प बटन होता है।

डायलॉग बॉक्स के तत्व
Elements of Dialog Box

डायलॉग बॉक्स के निम्नलिखित तत्त्व हैं—

1. **OK बटन** : इस बटन पर क्लिक करने पर डायलॉग बॉक्स बंद होता है तथा हमारे द्वारा किये गये परिवर्तनों को ग्रहण करता है।

viva

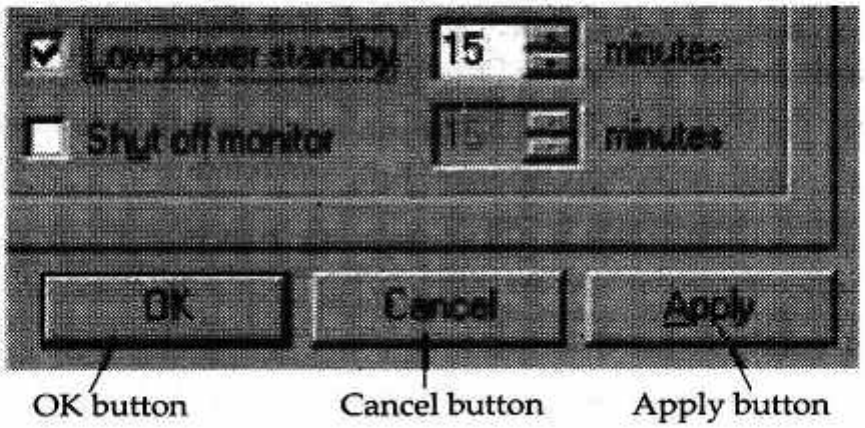

2. Cancel बटन : इस बटन पर क्लिक करने पर हमारे द्वारा किये गये परिवर्तनों को अस्वीकार कर डायलॉग बॉक्स बंद होता है।

3. Apply बटन : इस बटन पर क्लिक करने पर हमारे द्वारा किये गये परिवर्तनों को ग्रहण कर, डायलॉग बॉक्स को खुला छोड़ देता है।

4. Tab : डायलॉग बॉक्स के विभिन्न पृष्ठ का चयन करने लिए के Tab बटन क्लिक करते हैं। डायलॉग बॉक्स के विकल्पों को अलग-अलग पृष्ठों में व्यवस्थित किया जाता है। प्रत्येक पृष्ठ का नाम Tab बटन पर अंकित है। ये सारे टैब बटन डायलॉग बॉक्स के टाइटल बार के नीचे एक पंक्ति में स्थित रहते हैं। इन सारे Tab बटन में से एक समय में एक ही बटन सक्रिय रहता है। जैसे– पेज सेटअप के डायलॉग बॉक्स में अक्सर तीन Tab बटन होते हैं मार्जिन, पेपर तथा लेआउट।

5. Check box : यह विकल्पों के बगल में एक छोटा बॉक्स है। किसी विकल्प को चुनने के लिए इच्छित बॉक्स पर क्लिक करते हैं। उसी बॉक्स पर फिर से क्लिक करने पर विकल्प अचयनित (deselect) हो जाता है। एक समय में एक से अधिक विकल्पों का चयन किया जा सकता है।

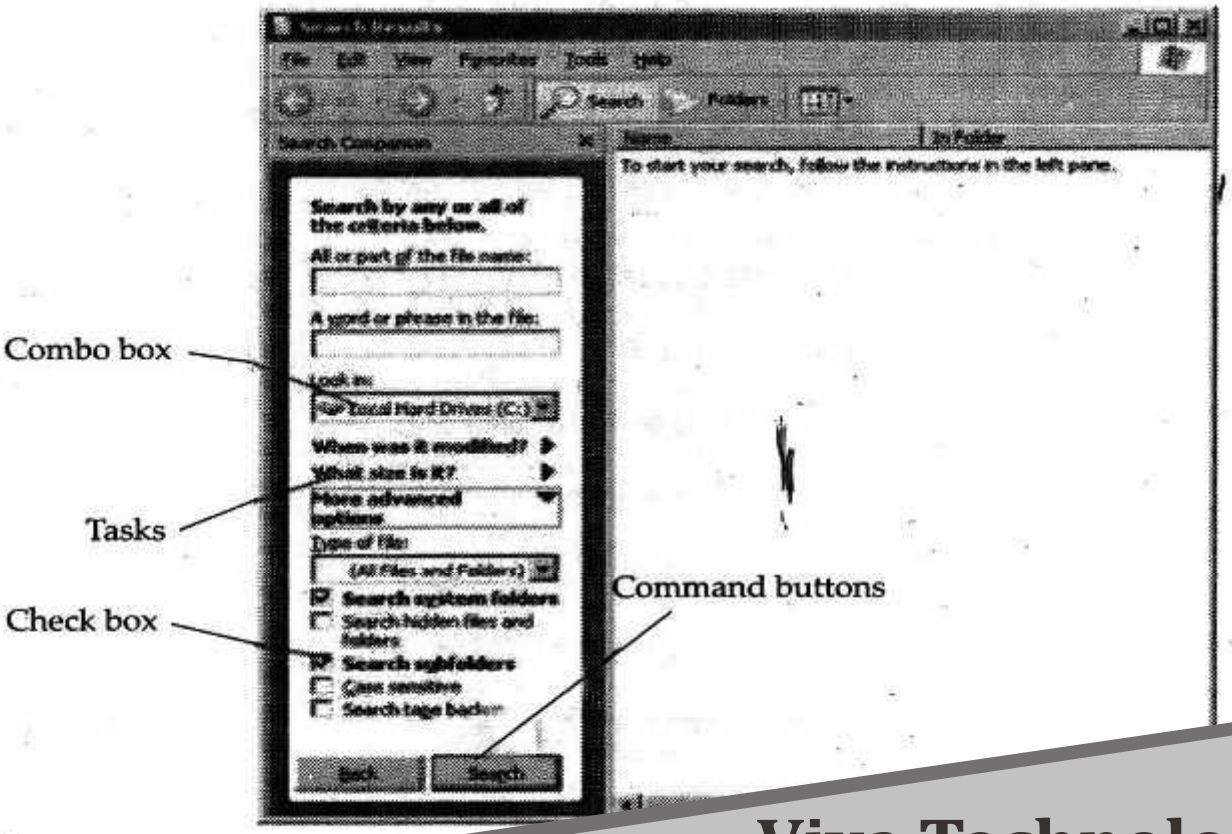

Viva

6. Option बटन : इस तरह के बटन को रेडियो बटन भी कहते हैं। किसी एक विकल्प का चयन करने के लिए इच्छित बटन को क्लिक करते हैं। एक समय में दिये गये क्षेत्र में केवल एक ही बटन का चयन हो सकता है। विकल्प के बायें बने गोल बटन में बिन्दु चुने हुए विकल्प को दर्शाता है।

7. Combo box : इस बॉक्स में इच्छित सूचना को टाइप करते हैं, या ड्रॉप डाउन सूची प्रदर्शित करने के लिए बगल में बने तीर (Arrow) के निशान पर क्लिक करते हैं और तब सूची में इच्छित विकल्प पर क्लिक करते हैं।

8. Text box : इस बॉक्स में इच्छित सूचना को टाइप करते हैं। पहले से भरी सूचना अगर इच्छित सूचना नहीं है तो उसे Delete या Back Space द्वारा हटाकर नयी सूचना टाइप करते हैं।

9. Drop-down list box : ड्रॉप डाउन सूची प्रदर्शित करने के लिए इस वाक्य में बने arrow के निशान पर क्लिक करते हैं। फिर सूची से इच्छित विकल्प पर क्लिक करते हैं।

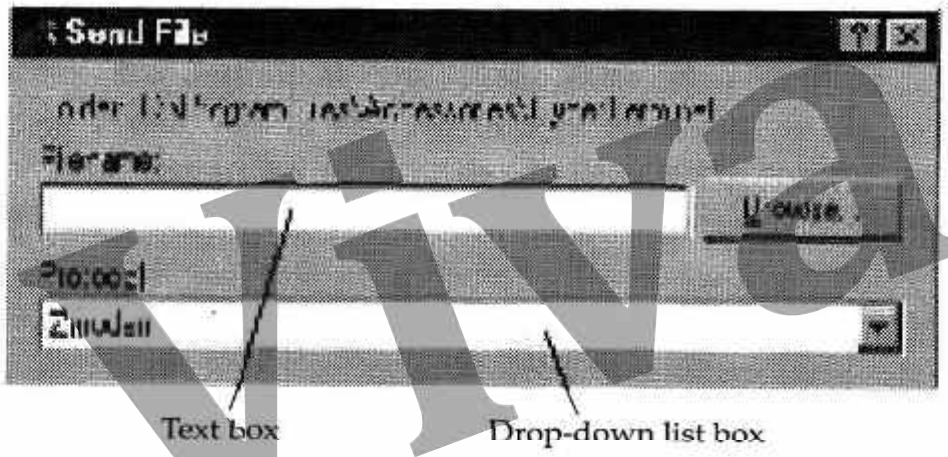

10. Spin box : इस बॉक्स के दाहिनी ओर स्थित अप और डाउन तीर के निशान पर क्लिक कर बॉक्स में अंकित संख्यात्मक मान को बढ़ाते या घटाते हैं।

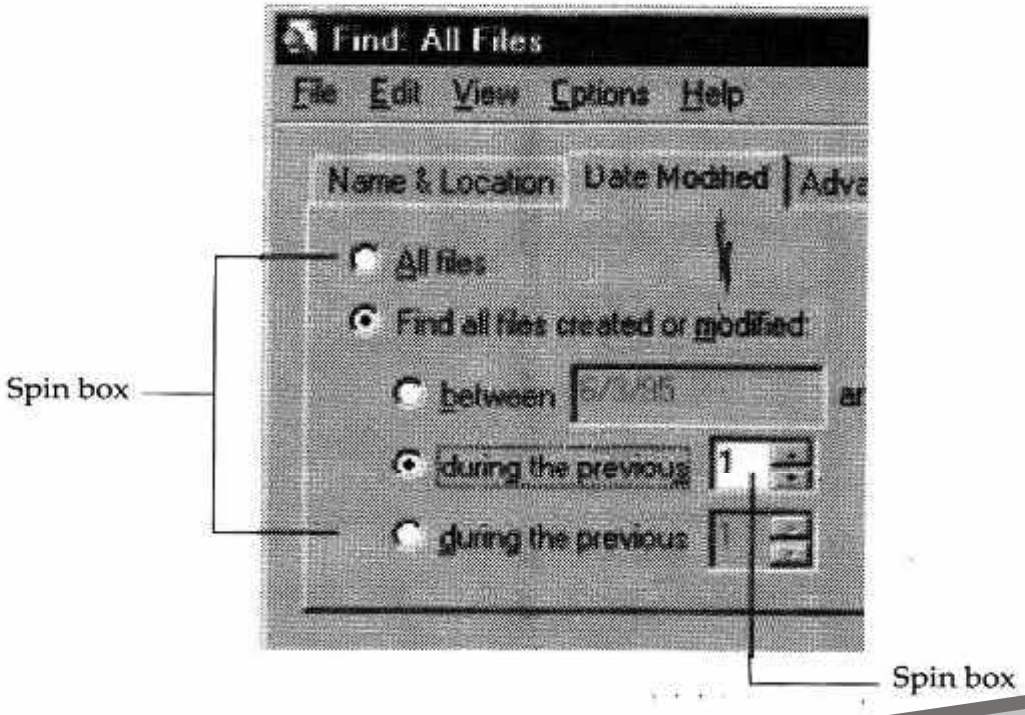

हेल्प इन विंडो

Help in Window

विंडोज में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने के लिए स्टार्ट मेन्यू (Start Menu) खोल कर उसके हेल्प एंड सर्पोट (Help and Support) विकल्प पर क्लिक करते हैं। जिसके फलस्वरूप हेल्प एंड सर्पोट का डायलॉग विंडो खुल जाता है जहाँ हम हेल्प टॉपिक चुन सकते हैं या सर्च ऑप्शन (Search option) में अपने इच्छित विषय को टाइप कर सर्च कर सकते हैं। विषय चयन कर या टाइप कर क्लिक करने पर उससे संबंधित जानकारी हमें प्राप्त हो सकती है।

कम्प्यूटर में दिन व समय बदलना

To change date and time in computer

प्रथम विधि में इसके लिए दाहिनी ओर स्थित घड़ी पर डबल क्लिक कर डेट/टाइम प्रोपर्टीज विंडो खोलते हैं तथा डेट/टाइम परिवर्तन कर अप्लाई (Apply) बटन दबा कर नये दिन तथा समय को कम्प्यूटर में निश्चित कर देते हैं।

दूसरी विधि में स्टार्ट मेन्यू (Start Menu) के सेटिंग विकल्प के सबमेन्यू से कंट्रोल पैनल को खोलते हैं। कंट्रोल पैनल विंडो खुलने पर डेट/टाइम विकल्प पर डबल क्लिक करने पर डेट/टाइम प्रोपर्टीज विंडो खुलता है, जहाँ हम दिन तथा समय में परिवर्तन कर सकते हैं।

कम्प्यूटर स्क्रीन के स्वरूप तथा बैकग्राउण्ड में परिवर्तन :

कम्प्यूटर स्क्रीन के स्वरूप तथा बैकग्राउण्ड में रूपान्तरण करने के लिए स्टार्ट मेनु के सेटिंग विकल्प का चयन करते हैं। फिर सेटिंग के ड्रॉप डाउन सूची से कंट्रोल पैनल विकल्प का चयन करते हैं। कंट्रोल पैनेल विंडो खुलने पर डिस्पले आइकन पर डबल क्लिक करते हैं जिसके फलस्वरूप डिस्पले प्रोपर्टीज का विंडो खुलता है। जिनमें निम्नलिखित विकल्प होते हैं—

1. Themes : थीम विजुअल तत्वों का समूह है जो हमारे डेस्कटॉप को पर्सनलाइज करता है। थीम हमारे सिस्टम के विभिन्न ग्राफिक तत्त्वों, जैसे– विंडो, आइकन, फॉन्ट, रंग तथा स्क्रीनसेवर चित्रों का निर्णय करता है। यह किसी घटनाओं से संयुक्त ध्वनि का निर्धारण करता है। जैसे– किसी प्रोग्राम के खुलने तथा बंद होने पर कोई ध्वनि उत्पन्न होना।

2. Desktop : इस विकल्प के अन्तर्गत स्क्रीन बैकग्राउण्ड के लिए अपना डिजाइन, फोटो या विंडोज द्वारा प्रदान किये गये चित्र या डिजाइन का चुनाव कर सकते हैं।

3. Screen Saver : यह हमारे स्क्रीन पर गतिशील चित्र, पैटर्न या तस्वीर है। जब हम किसी निश्चित अंतराल के लिए माउस या की-बोर्ड का उपयोग नहीं करते हैं तब यह प्रदर्शित होता है। की-बोर्ड के किसी भी बटन या माउस को दबाने पर यह बंद हो जाता है।

4. Appearance : यह स्क्रीन पर मेन्यू, फॉन्ट, आइकन तथा दूसरे विंडोज तत्त्वों के प्रदर्शन को निर्धारित करता है। यहाँ हम इन सभी में परिवर्तन कर अपने स्क्रीन में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं।

5. Settings : इस विकल्प के द्वारा हम रंगों की गुणवत्ता तथा स्क्रीन की तीव्रता (Resolution) को घटा-बढ़ा सकते हैं; तथा यहाँ उपस्थित Troubleshoot विकल्प का चयन कर डिस्पले से जुड़ी छोटी-मोटी कठिनाइयों को दूर कर सकते हैं।

विंडोज XP

Windows XP

विंडोज XP कम्प्यूटर से जुड़े सारे संसाधन, फाइल, फोल्डर, डिस्क ड्राइव्स आदि का श्रेणीबद्ध रूप से सूची प्रदर्शित करता है जिसे Tree View कहते हैं। इसे खोलने के लिए माई कम्प्यूटर

Viva Technologies

आइकन पर Right क्लिक करते हैं जिससे एक मेन्यू प्राप्त होता है। वहाँ Explore विकल्प का चयन करने पर My Computer विंडो खुलता है तथा एक श्रेणीबद्ध सूची प्राप्त होती है, जिसके दो भाग होते हैं। बायाँ भाग को ट्री पेन (Tree Pane) तथा दायाँ भाग को Content Pane कहते हैं। Tree Pane में बॉक्स के अन्दर + या – चिह्न बना होता है। + चिह्न दर्शाता है कि इसके अन्तर्गत और भी फोल्डर उपस्थित हैं, तथा – चिह्न यह दर्शाता है कि इसके अन्दर अब कोई फोल्डर नहीं है।

Windows XP, Windows XP Professional को फाइल शेयरिंग तथा मैनेजमेंट के लिए जाना जाता है। फाइल सेकेंडरी मेमोरी या ऑक्जीलरि मेमोरी में भंडारित प्रोग्राम के कोड, दस्तावेज या अन्य कोई डेटा है, तथा फाइलों के समूह को फोल्डर कहते हैं। फाइल या फोल्डर के आइकन के नीचे इनका नाम लिखा होता है।

किसी भी फोल्डर में Open, Explore, Search, Winzip, Cut, Copy, Delete, Rename तथा Shortcut बनाने की सुविधा उपलब्ध है।

1. Open : किसी भी फोल्डर को Open करने के लिए फोल्डर के आइकन के ऊपर Right click करने पर एक मेन्यू आता है, जिसमें सबसे ऊपर स्थित Open विकल्प का चयन करते हैं अर्थात् Open विकल्प पर क्लिक करते हैं। जिसके फलस्वरूप वह फोल्डर खुल (Open) जाता है।

2. Explore : किसी भी फोल्डर को Explore करने के लिए फोल्डर आइकन के ऊपर Right click करने पर आने वाले मेन्यू से Explore विकल्प का चयन कर क्लिक करते हैं, जिसके फलस्वरूप फोल्डर खुल जाता है। परन्तु Open विकल्प से यह भिन्न है। Explore विकल्प से फोल्डर खुलने पर बायें तरफ Tree view दिखता है जिससे ज्ञात होता है कि फोल्डर कहाँ स्थित है।

3. Search : फोल्डर के अन्दर किसी फाइल को ढूँढ़ने के लिए फोल्डर आइकन पर Right click करने के उपरांत खुलने वाले मेनु से Search विकल्प पर क्लिक करते हैं, जिसके फलस्वरूप सर्च रिजल्ट का विंडो खुल जाता है जहाँ फाइल का पूरा नाम या कुछ भाग लिखकर ढूँढ़ सकते हैं।

4. Winzip : यह किसी फाइल या फोल्डर को Compress करने में उपयोग होता है। जिसके फलस्वरूप फोल्डर या फाइल का आकार घट जाता है तथा उसे कहीं भेजना या संग्रहित करना आसान हो जाता है। Compress करने के लिए फोल्डर या फाइल पर Right click कर प्राप्त मेन्यू में से Winzip विकल्प का चयन करना होता है।

5. Cut & Paste : यह फोल्डर या फाइल को कहीं और ले जाकर संग्रह करने के लिए उपयोग होता है।

6. Delete : अनुपयोगी फाइल तथा फोल्डर को हटाने के लिए Delete का उपयोग करते हैं। फोल्डर या फाइल को Delete करने के लिए इनपर Right click कर प्राप्त मेन्यू में से Delete विकल्प का चयन करते हैं जिसके फलस्वरूप फोल्डर या फाइल Delete हो जाता है। Delete फाइल को पुनः प्राप्त करने के लिए हम Recycle Bin Open कर वहाँ फाइल या फोल्डर को Restore कर सकते हैं।

7. Rename : इसके द्वारा फोल्डर या फाइल के पुराने नाम को बदलकर नया नाम दिया जाता है। इसके लिए फोल्डर या फाइल आइकन पर Right click कर प्राप्त मेन्यू से Rename

Viva

विकल्प का चयन कर क्लिक करते हैं, जिसके फलस्वरूप पुराना नाम चयनित दिखाई देता है तथा कर्सर वहाँ आ जाता है ताकि नया नाम लिखा जा सके। नया नाम लिखने के बाद इंटर बटन दबाते हैं जिसके फलस्वरूप Renaming प्रक्रिया संपन्न हो जाती है।

8. Properties : यह फोल्डर या फाइल के आकार, गुण तथा निर्माण के दिन के बारे में सूचना देता है। किसी फोल्डर या फाइल के प्रोपर्टीज को देखने के लिए इनपर Right click कर प्राप्त मेन्यू से Properties विकल्प का चयन कर क्लिक करते हैं। तत्पश्चात् हमें फोल्डर या फाइल का आकार, लोकेशन, निर्माण को दिन तथा तारीख की सूचना प्राप्त होती है। यहाँ दो और विकल्प होते हैं—

(a) Read Only : जैसा कि नाम से ज्ञात है, इस विकल्प को (√) करने पर इसे केवल पढ़ा जा सकता है, उनमें कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।

(b) Hidden : इस विकल्प को (√) करने पर फाइल Tree view में दिखाई देता है।

विंडोज के अन्तर्गत उपयोगी प्रोग्राम

Useful Programs inside Windows

विंडोज के अन्तर्गत उपयोगी प्रोग्राम निम्नलिखित हैं—

1. नोट पैड (Note Pad)
2. वर्ड पैड (Word Pad)
3. पेंट (Paint)
4. कैलकुलेटर (Calculator)
5. फोन डायलर (Phone Dialer)
6. इमैजिंग (Imaging)
7. मीडिया प्लेयर (Media Player)
8. सीडी प्लेयर (CD Player)
9. ध्वनि रिकॉर्डर और वाल्यूम कंट्रोल (Sound Recorder and Volume Control)
10. खेल (Game)
11. क्लिप बोर्ड (Clip Board)

1. नोटपैड (Note Pad) : यह एक साधारण टेक्स्ट एडिटर है। इनमें केवल टेक्स्ट लिखा जाता है, कुछ भी विशेष फाइल में जोड़ा नहीं जा सकता है। परन्तु किसी भी Text Application के द्वारा ये आसानी से खोले तथा पढ़े जा सकते हैं।

Click Start >> Programs >> Accessories >> Notepad

2. वर्ड पैड (Word Pad) : यह विंडोज के अन्तर्गत दूसरा वर्ड प्रोसेसर है जो नोट पैड से कुछ अधिक उन्नत है। इनमें फॉन्ट्स, रंग तथा चित्र की भी सुविधा है। टेक्स्ट लिखने (compose) की हर आवश्यकता इनमें मौजूद है।

Click Start >> Programs >> Accessories >> Wordpad

3. पेंट (Paint) : इस अनुप्रयोग के द्वारा चित्र देख सकते हैं तथा स्वयं बना भी सकते हैं।

Click Start >> Programs >> Accessories >> Paint

4. कैलकुलेटर (Calculator) : यह एक सरल प्रोग्राम है जिसके द्वारा साधारण तथा वैज्ञानिक गणना किया जा सकता है। इसके द्वारा Sin, Cos, Tan, Log, डिग्री, रेडियन, ग्रेडियन्ड आदि का मान निकाला जा सकता है।

Click Start >> Programs >> Accessories >> Calculator

5. फोन डायलर (Phone Dialer) : इनके द्वारा हम कम्प्यूटर को फोन की तरह उपयोग कर सकते हैं, केवल हमें मॉडम इंस्टॉल (Install) करना होगा जो कम्प्यूटर को टेलीफोन लाइन से जोड़ता है।

Click Start >> Programs >> Accessories >> Com

Viva Technologies

6. इमैजिंग (Imaging) : विंडोज के साथ एक इमैजिंग प्रोग्राम आता है जिसके द्वारा स्कैनर को जोड़कर स्कैन्ड इमेज को कम्प्यूटर में संग्रह कर सकते हैं।

Click Start >> Programs >> Accessories >> Scaner and Camera wizard

7. मीडिया प्लेयर (Media Player)—इनके द्वारा हम बिना किसी विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग किये फिल्म देख सकते हैं तथा संगीत सुन सकते हैं केवल हमें फिल्म या संगीत की सीडी की आवश्यकता होती है।

Click Start >> Programs >> Accessories >> Entertainment >> Media Player

8. सीडी प्लेयर (CD Player) : इसके द्वारा हम अपने कम्प्यूटर सिस्टम को एक शक्तिशाली सीडी प्लेयर में परिवर्तित कर सकते हैं।

Click Start >> Programs >> Accessories >> Entertainment >> CD Player.

9. ध्वनि रिकॉर्डर और वॉल्यूम कंट्रोल (Sound Recorder and Volume Control) : ध्वनि रिकॉर्डर के द्वारा हम ध्वनि को रिकॉर्ड कर सकते हैं।

Click Start >> Programs >> Accessories >> Entertainment >> Sound Recorder

वाल्यूम कंट्रोल के द्वारा हम ऑडियों सेटिंग को बदल सकते हैं। ध्वनि को ऑन, ऑफ, कम तथा ज्यादा इत्यादि कर सकते हैं।

Click Start >> Programs >> Accessories >> Entertainment >> Volume Control

10. खेल (Game) : विंडोज के साथ कई मनोरंजन खेल भी आते हैं।

Click Start >> Programs >> Accessories >> Entertainment >> Game

11. क्लिप बोर्ड (Clip Board) : इनके द्वारा किसी सूचना को एक जगह से दूसरी जगह कॉपी या मूव (Move) कर सकते हैं। जब हम किसी टेक्स्ट, चित्र या दूसरे वस्तु को कॉपी करते हैं, तो पहले क्लिप बोर्ड में कॉपी होता है, फिर जिस स्थान पर कॉपी करना है (Target Place) उसका चयन कर पेस्ट (Paste) किया जाता है। कट तथा पेस्ट करने पर कट के बाद टेक्स्ट को क्लिप बोर्ड में रखा जाता है तब पेस्ट की प्रक्रिया होती है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. सॉफ्टवेयर के .....में कमांडों और ओप्शनों की सूचियां होती हैं।
(a) टाइटल बार (b) मेनु बार (c) फार्म्यूला बार
(d) टूल बार (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

2. M.S Office 2000 को किस कंपनी ने बनाया ?
(a) नॉवेल (b) कोरल (c) लोटस
(d) माइक्रोसाफ्ट (e) इनमें से कोई नहीं

3. टेक्स्ट हाईलाइट करके 'Edit', 'Copy' क्लिक करने पर क्या होगा ?
(a) टेक्स्ट डाक्यूमेंट से कॉपी होकर क्लिपबोर्ड में रखा जायेगा
(b) क्लिपबोर्ड से डाक्यूमेंट में कर्सर ब्लिंक कर रहा है, वहाँ जायेगा
(c) डाक्यूमेंट से निकलकर क्लिपबोर्ड में रखा जायेगा
(d) केवल (b) और (c)
(e) इनमें से कोई नहीं

4. एप्लिकेशन से कॉपी किया गया डाटा ..... में स्टोर किया जाता है।
(a) ड्राइवर (b) टर्मिनल (c) प्रौम्प्ट
(d) क्लिपबोर्ड (e) इनमें से कोई नहीं

5. माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी के संस्थापक हैं—
(a) पॉल एलन (b) बिल गेटस (c) उपर्युक्त दोनों
(d) इनमें से सभी (e) इनमें से कोई नहीं

6. माइक्रोसॉफ्ट (Microsoft) है—
(a) माइक्रोचिप निर्माण करने की एक संस्था
(b) सॉफ्टवेयर विकास करने वाली एक संस्था
(c) माइक्रोइंजीनियरिंग वाली एक संस्था
(d) कम्प्यूटर हार्डवेयर विकसित करने वाली एक संस्था
(e) इनमें से कोई नहीं

7. कंप्यूटर स्क्रीन पर विलंक (Blink) करने वाले प्रतीक को....कहते हैं।
(a) माउस (b) लोगो (c) हैंड
(d) पाम (e) कर्सर

8. कटिंग और पेस्टिंग के साथ काटी गई मद अस्थायी रूप से .....में स्टोर की जाती है।
(a) ROM (b) हाई ड्राइव (c) डिस्केट
(d) डैशबोर्ड (e) क्लिपबोर्ड

9. विंडो 95 में प्रासेसिंग के लिए राइट की जगह लिया जाता है—
(a) यूनिक्स (b) राइट प्रो (c) वर्ड
(d) एनिमेशन (e) इनमें से कोई नहीं

10. कम्प्यूटर की लाइट जलने के बाद उसे कार्यशील बनाने की प्रक्रिया को कहा जाता है?
(a) एप्लीकेशन (b) सिस्टम (c) बूट स्ट्रैप
(d) स्ट्रैप (e) इनमें से कोई नहीं

11. एक लोकप्रिय विन्डोइंग इन्वार्मेन्ट विन्डोज-3 माइक्रोसॉफ्ट द्वारा निर्गत की गई—
(a) 1985 में (b) 2000 में (c) 1995 में
(d) 1990 में (e) इनमें से कोई नहीं

12. दो कम्प्यूटरों के बीच संबंध बनाने की तकनीक या सुविधा को क्या कहा जाता है?
(a) इंटरनेट (b) ई-मेल (c) ई-प्रोम
(d) इंटरफेस (e) इनमें से कोई नहीं

13. किस कमांड के प्रयोग से प्रोग्राम से किसी भाग को हटाया जा सकता है?
(a) Delete (b) Save (c) Load
(d) Edit (e) Search

14. माउस के कर्सर की गति को घटाने एवं बढ़ाने के लिए किस आप्शन का प्रयोग किया जाता है?
(a) सेटिंग्स (b) कंट्रोल (c) कंट्रोल पैनल
(d) ड्राइव (e) उपर्युक्त सभी

15. विण्डोज सॉफ्टवेयर का निर्माण किया गया—
(a) IBM द्वारा (b) एप्पल कार्पोरेशन द्वारा (c) विप्रो द्वारा
(d) उपर्युक्त तीनों (e) इनमें से कोई नहीं

16. विंडो 2000 को विकसित किया है—
(a) एप्पल (b) जेनिथ (c) आई बी एम
(d) माइक्रोसॉफ्ट (e) इनमें से कोई नहीं

Viva

17. एम०एस० विंडोज किस प्रकार का सॉफ्टवेयर है—
(a) CUI (b) MUI (c) LUI
(d) GUI (e) इनमें से कोई नहीं

18. निम्नलिखित में से किसकी सहायता से हमें कम्प्यूटर की उपयोगिता एवं जगह की उपलब्धता के बारे में पता चलता है ?
(a) My Computer (b) My Document (c) My Briefcase
(d) My Search (e) इनमें से कोई नहीं

19. ड्राइवर सॉफ्टवेयर की जरूरत नहीं होती है—
(a) विंडो 95 में (b) डॉस में (c) थ्रीडी में
(d) फोटोस्टॉइलर (e) इनमें से कोई नहीं

20. विंडोज 98 का विकास कब हुआ ?
(a) 1994 (b) 1998 (c) 2001
(d) 2004 (e) इनमें से कोई नहीं

21. क्लोज बटन क्या है ?
(a) इसपर क्लिक करने से डायलाग बॉक्स, डाक्यूमेंट जो विंडो पर खुला रहता है, बंद हो जाता है।
(b) विंडो जो टाइटल बार के अंत में मौजूद रहता है।
(c) X जैसा छोटा बटन। (d) उपर्युक्त सभी (e) इनमें से कोई नहीं

22. स्क्रीन के बैकग्राउण्ड को किस नाम से जाना जाता है ?
(a) एप्लिकेशन (b) विंडों (c) डेस्कटॉप
(d) फ्रेम (e) इनमें से कोई नहीं

23. शार्टकट्स और अन्य विशेष कार्यों के लिए ..... की और ..... की अन्य कीज् के साथ कांबिनेशन में प्रयोग किया जाता है।
(a) कंट्रोल, आल्ट (b) फंक्शन, टोगल (c) डिलीट, इनसर्ट
(d) कैप्स, लॉक, नम लॉक (e) इनमें से कोई नहीं

24. हेल्प मेनु किस बटन पर उपलब्ध होता है ?
(a) एंड (b) स्टार्ट (c) टर्न ऑफ
(d) रिस्टार्ट (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS PO 2011)*

25. आप अपनी पर्सनल फाइल/फोल्डर ..... में रख सकते हैं—
(a) माई फोल्डर (b) माई डाक्यूमेंट (c) माई फाइल्स
(d) माई टेक्स्ट (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS PO 2011)*

26. विन्डोज डेक्सटॉप पर ..... द्वारा विभिन्न एप्लिकेशन और डाक्यूमेंट दर्शाया जाता है।
(a) प्रतीक (b) लेबल (c) ग्राफ
(d) आइकन (e) इनमें से कोई नहीं

27. हार्ड डिस्क से डिलिट की गई फाइलें ..... में भेजी जाती हैं।
(a) रिसाइकल बीन (b) फ्लॉपी डिस्क (c) क्लिप बोर्ड
(d) मदरबोर्ड (e) इनमें से कोई नहीं

Viva
Viva Technologies

28. निम्न में से किस प्रकार के मीनू को ड्रॉप डाउन मीनू भी कहते हैं?
(a) फ्लाई आउट (b) कैस्केडिंग (c) पॉप-अप
(d) पुल-डाउन (e) इनमें से कोई नहीं
(Punjab & Sind 2010, IBPS Clerk 2011)

29. .....कमांडों की वे सूचियां हैं जो स्क्रीन पर प्रकट होती हैं।
(a) GUIs (b) आइकन (c) मीनू
(d) विंडोज (e) इनमें से कोई नहीं
(Union Bank of India Clerk 2011)

30. मीनू पर प्रत्येक ....एक विशेष कार्य करता है।
(a) क्लाइंट (b) सर्वर (c) नोड
(d) कमांड (e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011)*

31. कंप्यूटर सिस्टम को कमांड भेजने के लिए ....स्क्रीन पर डिसप्ले हुए चित्रों (जिन्हें आइकन कहा जाता है) और मीनू का प्रयोग करता है।
(a) कमांड-आधारित यूजर इंटरफेस (b) GUI
(c) सिस्टम युटिलिटी (d) API (e) इनमें से कोई नहीं
(Union Bank of India Clerk 2011)

32. ......शब्द वर्तमान में प्रयुक्त विंडो के वर्णन के लिए किया जाता है।
(a) वेब विंडो (b) प्रदर्शन क्षेत्र (c) वर्डपैड विंडो
(d) ऐक्टिव / सक्रिय विंडो (e) मॉनिटर *(Allahabad Bank PO 2011)*

33. हार्ड डिस्क से डिलीट की गई फाइलें कहां भेजी जाती हैं?
(a) रीसाइकिल बिन (b) फ्लॉपी डिस्क (c) क्लिप बोर्ड
(d) मदर बोर्ड (e) इनमें से कोई नहीं
(Allahabad Bank Clerk 2011, RBI 2012)

34. कॉपी कमांड कहां सेव करती है?
(a) डेस्कटॉप (b) क्लिप बोर्ड (c) प्रिंटर
(d) माइक्रोसॉफ्ट वर्ड (e) पेस्ट *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

35. विंडोज 95, विंडोज 98, और विंडोज NT किस नाम से जाने जाते हैं?
(a) प्रोसैसर (b) डोमेन नाम (c) मोडम
(d) आपरेटिंग सिस्टम (e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

36. टास्कबार .... होता है।
(a) स्टार्ट मेनु पर (b) स्क्रीन के बॉटम पर (c) क्विक लांच टूल बार पर
(d) स्क्रीन के टाप पर (e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

37. सामान्यतः .... लोकेटेड आइकन से आप रिसाइकल बिन एक्सेस करते हैं।
(a) डेस्कटाप पर (b) हार्ड ड्राइव पर (c) शॉर्टकट मेनु पर
(d) प्रोपर्टीज डायलग बॉक्स में (e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

38. .... तक रिसाइकल बिन डिस्कार्डेड आइटम्स स्टोर करता है।
(a) दूसरे यूजर के लाग ऑन करने
(b) कंप्यूटर बंद होने (c) दिवसांत
(d) आपके खाली करने (e) इनमें से कोई नहीं *(Allaha...*

Viva
Viva Technologies

39. विंडोज ME में, ME से क्या शब्द बनता है?
(a) Millennium (b) Micro-Expert (c) Macro-Expert
(d) Multi-Expert (e) My-Expert *(IBPS Clerk 2011)*

40. सारे स्क्रीन पर विंडोज को डिस्प्ले करने वाले बटन को क्या कहते हैं?
(a) स्क्रोल बॉक्स (b) डाउन साइज (c) रिस्टोर डाउन
(d) मिनिमाइज (e) मैक्सीमाइज *(IBPS Clerk 2011)*

41. किस प्रकार का बार विभिन्न ड्रॉप-डाउन मेनू के नाम या आइकन दिखाता है?
(a) टाइटल बार (b) टूल बार (c) स्टार्ट बार
(d) टास्क बार (e) मेनू बार *(IBPS Clerk 2011)*

42. किसी विंडो की साइजिंग में पहला कदम निम्न में से कौन-सा है?
(a) टाइटल बार पर पाइंट करें
(b) टूलबार को डिसप्ले करने के लिए व्यू मेनू को पुल डाउन करें
(c) किसी कोने या बॉर्डर में पाइंट करें
(d) व्यू मेनू को पुल डाउन करें और बड़े आइकॉन में बदलें
(e) इनमें से कोई नहीं *[IBPS PO 2012]*

43. पुल डाउन मेनू में फेडिड (डिम हुई) कमांड का क्या महत्व है?
(a) कमांड वर्तमान में एक्सेसिबल नहीं है
(b) यदि कमांड को सिलेक्ट किया जाये तो डायलॉग बॉक्स सामने आता है
(c) यदि कमांड को सिलेक्ट किया जाये तो हेल्प विंडो सामने आती है
(d) इस कमांड विशेष के लिए कोई समकक्ष की-स्ट्रोक नहीं है
(e) इनमें से कोई नहीं *[IBPS PO 2012]*

44. विंडोज में एड/रिमूव प्रोग्राम्स, एड न्यू हार्डवेयर, मोडम आदि जैसे आइकान किसमें रहते हैं?
(a) कंट्रोल पेनल (b) नेटवर्क नेबरहुड
(c) माई कम्प्यूटर (d) टास्क बार *(SSC 2013)*

45. सूचना को डिसप्ले करने और प्रोगामों को रन करने के लिए आयताकार जगह निम्न में से कौन-सी है?
(a) डेस्कटॉप (b) डायलॉग बॉक्स (c) मेनू
(d) विंडो (e) आइकन *(SBI PO 2013)*

46. विंडोज एक्सप्लोरर में फोल्डर की सामग्री देखने के लिए क्या करना चाहिए?
(a) इस पर क्लिक करें (b) इस कलैप्स करें (c) इसे नाम दें
(d) इसे पासवर्ड दें (e) इसे रीनेम दें *(SBI PO 2013)*

उत्तर

1.	(d)	2.	(d)	3.	(a)	4.	(d)	5.	(c)	6.	(b)	7.	(e)
8.	(e)	9.	(c)	10.	(c)	11.	(d)	12.	(d)	13.	(a)	14.	(c)
15.	(a)	16.	(d)	17.	(d)	18.	(a)	19.	(a)	20.	(b)	21.	(d)
22.	(c)	23.	(a)	24.	(b)	25.	(b)	26.	(d)	27.	(a)	28.	(d)
29.	(c)	30.	(d)	31.	(a)	32.	(d)	33.	(a)	34.	(b)	35.	(d)
36.	(b)	37.	(a)	38.	(d)	39.	(a)	40.	(e)	41.	(e)	42.	(a)
43.	(a)	44.	(a)	45.	(d)	46.	(a)						

★★★

Viva Technologies

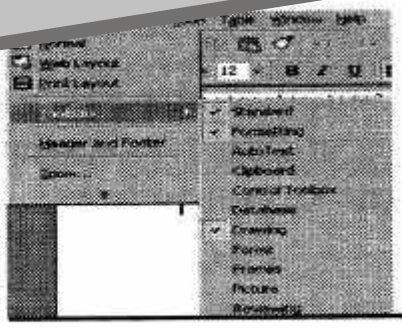

12

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस
(Microsoft Office)

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस परस्परसंबंधित (Interrelated) डेस्कटॉप अनुप्रयोगों (Applications) और सेवाओं का समूह है, जिसे सामूहिक रूप से ऑफिस सूट कहते हैं। यह क्षितिज सामानांतर मार्केट सॉप्टवेयर है जो विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से प्रयोग होता है। MS-ऑफिस सर्वप्रथम सन् 1989 में माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन द्वारा Mac-OS के लिए शुरू किया गया। फिर सन् 1990 में विंडोज के लिए प्रथम संस्करण लाया गया। MS-office 3.0 ऑफिस का विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए प्रथम संस्करण था। उसके बाद MS-office 4.0 सन् 1994 आया जिनमें वर्ड 6.0, एक्सल 5.0, पावर प्वाइंट 4.0, मेल और एक्सेस था।

उसके बाद के संस्करण क्रमशः MS-office 4.3, MS-office 95, MS-office 97, MS-office 2000, MS-office XP, MS-office 2003 तथा MS-office 2007 हैं।

MS-office के अन्तर्गत मुख्यतः चार प्रोग्राम आते हैं—

MS-Word, MS-Excel, MS-Power Point तथा MS-Access.

एम एस-वर्ड
MS-Word

एम एस वर्ड माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित वर्ड प्रोसेसर है। इसका मुख्य कार्य टेक्सट या दस्तावेज को संचालित करना है। यह एक वर्ड प्रोसेसिंग पैकेज है, जिसकी सहायता से साधारण दैनिक पत्र व्यवहार से लेकर डेस्कटॉप पब्लिशिंग स्तर के कार्य सुविधापूर्वक किये जा सकते हैं। इसमें परम्परागत मेन्युओं के साथ ही टूल बारों (Tool Bars) की सुविधा भी उपलब्ध है। जैसे– Copy–Cut–Paste, Find and Replace, फॉन्ट, ऑटो करेक्ट (Auto Correct), स्पेलिंग एंड ग्रामर की जाँच करना, बुलेट्स तथा नंबरिंग (Bullets and Numbering) इत्यादि।

माइक्रोसॉफ्ट वर्ड दस्तावेज को बनाने तथा शेयर करने के लिए शक्तिशाली उपकरण (Powerful Tools) प्रदान करता है। कोई भी दस्तावेज बनाने से पहले से वर्तमान दस्तावेज में कोई भी परिवर्तन करने के लिए एम एस वर्ड में बहुत सारे टूल्स एवं 'शार्टकट-की' वर्तमान है।

माइक्रोसॉफ्ट वर्ड आरंभ करना या खोलना
To Open or Start Microsoft Word

माइक्रोसॉफ्ट वर्ड खोलने या आरंभ करने की दो विधियाँ हैं—

1. डेस्कटॉप पर उपलब्ध माइक्रोसॉफ्ट वर्ड आइकन पर Double click करते हैं। या
2. Start पर क्लिक करते हैं। Start मेन्यू खुलने पर प्रोग्राम विकल्प का चयन करते हैं। तत्पश्चात प्राप्त मेन्यू से MS-office का चयन करने उपरांत प्राप्त मेन्यू से माइक्रोसॉफ्ट वर्ड का चयन कर क्लिक करते हैं।

अर्थात् **Click on Start → Program → MS-office → MS-Word**

Viva

टूलबार दृश्य होना
Viewing the Toolbar

माइक्रोसॉफ्ट वर्ड में टूलबार सरल तथा आसान कार्यक्षमता प्रयोक्ता को प्रदान करता है। टूलबार में बहुत सारे कार्यों के शॉर्टकट होते हैं जिनका उपयोग किया जा सकता है। परन्तु सर्वप्रथ ाम हमें यह सुनिश्चित करना है कि उचित टूलबार स्क्रीन पर दिखाई दे (Visible) रहा है।

टूलबार को Visible होने के लिए—

1. मेन्यू बार में View पर क्लिक करते हैं।
2. प्राप्त Pull down Menu में टूलबार (Toolbar) का चयन करते हैं।
3. तत्पश्चात् प्राप्त मेन्यू से स्टैन्डर्ड (Standard), फारमेटिंग (Formatting) तथा ड्राइंग (Drawing) इत्यादि का चयन करते हैं।

सभी टूलबारों की तुलना में स्टैन्डर्ड (Standard) तथा फार्मेटिंग (Formating) टूलबारों का उपयोग सबसे अधिक होता है। स्टैन्डर्ड टूलबार के अन्तर्गत न्यू (New), ओपेन (Open), सेव (Save), स्पेलिंग और ग्रामर एवं प्रिन्ट (Print) इत्यादि टूल्स रहते हैं। फार्मेटिंग टूलबार के अन्तर्गत फन्ट नेम (Font name), फन्ट साइज (Font size), फन्ट स्टाइल (Font Style), मार्जिन (Margin), पैराग्राफ (Paragraph) एवं बुलेटस और नम्बरिंग (Bullets and Numbering) इत्यादि टूल्स रहते हैं।

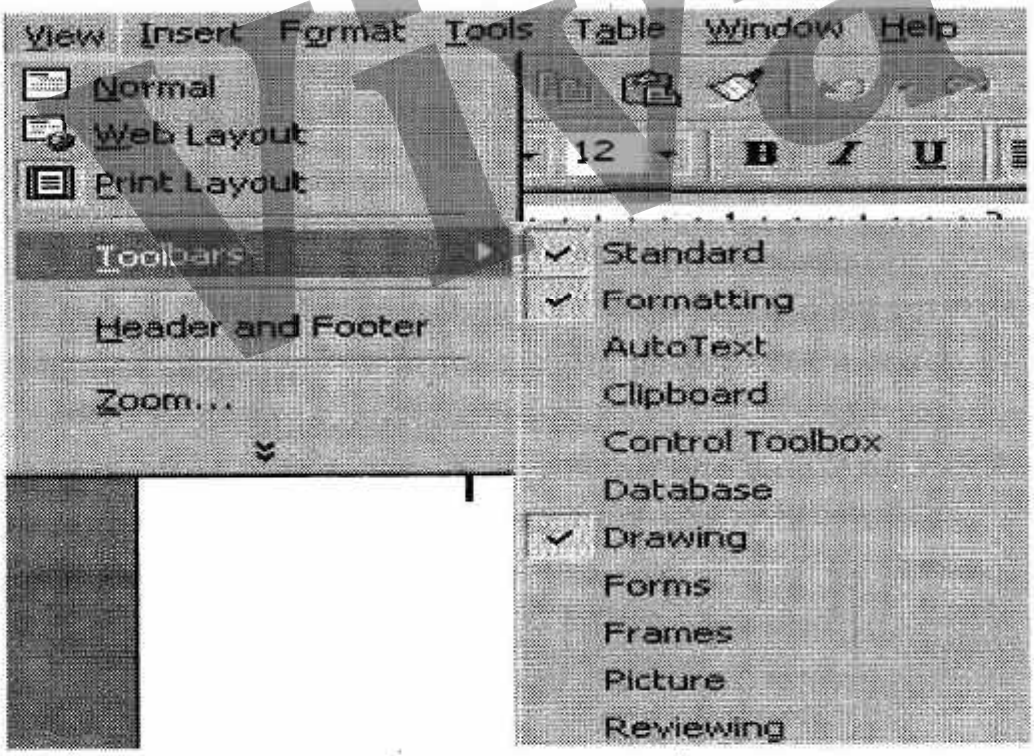

यदि हम चाहें तो अन्य टूलबार का भी चयन कर सकते हैं।

नये दस्तावेज को बनाना
Creating a New Document

1. मेन्यू बार में File पर क्लिक करते हैं।
2. प्राप्त Pull down Menu में न्यू (New) का चयन करते हैं। खाली दस्तावेज (Blank document) बनाने के लिए Blank document का चयन करते हैं या माइक्रोसॉफ्ट में प्रदान टेम्पलेट (Templates) पर आधारित दस्तावेज बनाने के लिए अपने अनुसार चयन करते हैं।

नये दस्तावेज को सुरक्षीत रखना
Save the new Document

1. मेन्यू बार में फाइल पर क्लिक करते हैं।
2. प्राप्त Pull Down Menu में Save का चयन करते हैं।
3. संग्रहित करने के लिए स्थान या ड्राइव निश्चित करने के उपरांत फाइल को एक नाम जिसे फाइल नेम कहते हैं; देते हैं तथा OK करते हैं। माइक्रोसॉफ्ट वर्ड में फाइल नेम का एक्सटेंसन DOC स्वतः लेता है। फाइल एक्सटेंशन फाइल टाइप को आइडेंटीफाई करता है।
4. सेंविग, मेमोरी से स्टोरेज माध्यम तक दस्तावेज कॉपी करता है।

फार्मेटिंग टेक्सट
Formatting Text

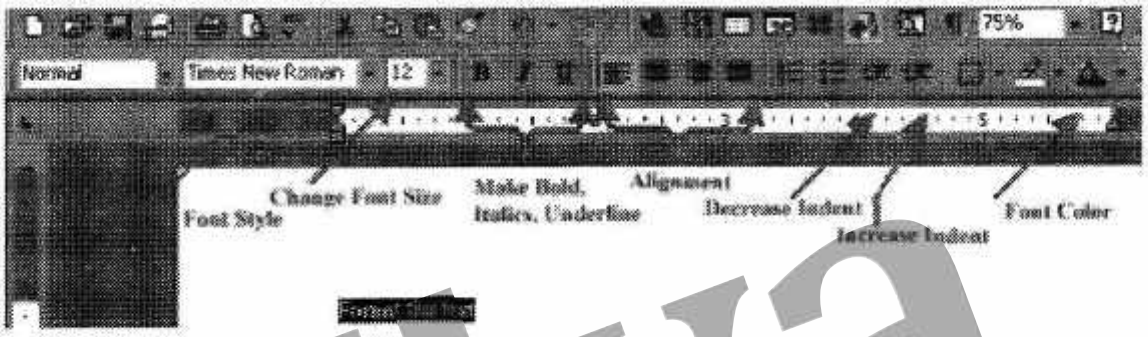

किसी दस्तावेज के टेक्स्ट को फार्मेटिंग करने के लिए—

1. टेक्स्ट जिसे फार्मेटिंग करना है उसे left माउस बटन द्वारा क्लिक कर पकड़े हुए (Holding down) हाईलाइट करते हैं।
2. अपनी इच्छानुसार फिर टेक्स्ट में परिवर्तन कर सकते हैं।

दस्तावेज में टेबल डालना
Inserting a Table

1. दस्तावेज में जहाँ हम टेबल बनाना चाहते हैं वहाँ क्लिक करते हैं, जिसके फलस्वरूप कर्सर वहाँ पहुँच जाता है।
2. मेन्यूबार से Table का चयन करते हैं।
3. फिर Insert का चयन कर Table का चयन करते हैं।
4. Row तथा column तय करते हैं।
5. OK करते हैं।

दस्तावेज में चित्र डालना
Inserting a Picture

1. दस्तावेज में जहाँ हम चित्र डालना चाहते हैं वहाँ क्लिक करते हैं।
2. मेन्यूबार में Insert विकल्प का चयन करते हैं।
3. Picture विकल्प का चयन करते हैं।
4. Clip Art या From File का चयन करते हैं।
5. वहाँ चित्र का चयन कर Insert क्लिक करते हैं।

पृष्ठ संख्या तथा तिथि/समय डालना
Inserting Page Number and Date/Time

1. मेन्यूबार में Insert विकल्प का चयन कर क्लिक करते हैं।
2. वहाँ एक-एक कर Page Number तथा Date & Time का चयन करते हैं।

Viva

दस्तावेज में वर्तनी की जाँच
Spell Checking in Document

दस्तावेज में Spelling and Grammar की गलतियों को सुधारने के लिए (Spell check) टूल का उपयोग किया जाता है। यह गलत शब्दों को अन्डरलाइन कर हमें त्रुटियाँ बताता है। इस टूल का उपयोग करने के लिए—

1. मेन्यूबार में Tool पर क्लिक करते हैं।
2. Spelling and Grammer विकल्प का चयन करते हैं।

वर्ड में फाइल ऑपरेशन
File Operations in Word

1. पूराना फाइल खोलना
Open an Old File

- मेन्यूबार के फाइल विकल्प पर क्लिक करते हैं।
- प्राप्त Pull down Menu के Open विकल्प पर क्लिक करते हैं।
- Open dialog box खुलने पर फोल्डर (जिसमें फाइल विद्यमान है) का चयन करते हैं।
- तत्पश्चात् प्राप्त फाइलों की सूची से इच्छित फाइल का चयन कर Open बटन को क्लिक करते हैं। जिसके फलस्वरूप फाइल खुल जाती है।

2. फाइल को कॉपी करना
Copy a File

- मेन्यूबार के फाइल पर क्लिक करते हैं।
- प्राप्त Pull down Menu के Open पर क्लिक करते हैं।
- जिस फाइल को कॉपी करना है उस पर Right click करते हैं तथा प्राप्त शॉर्टकट मेनु से कॉपी विकल्प पर क्लिक करते हैं।
- जिस फोल्डर या ड्राइव में कॉपी करना है उस पर Right क्लिक करते हैं तथा फिर Paste विकल्प पर क्लिक करते हैं। एक बार में एक से ज्यादा फाइल हम चयन कर कॉपी कर सकते हैं।

3. फाइल को दूसरी जगह ले जाना
Move a File

- मेन्यूबार के फाइल पर क्लिक करें।
- प्राप्त Pull down Menu के Open पर क्लिक करें।
- जिस फाइल को Move करना है उस पर Right click कर फिर कट (cut) पर क्लिक करते हैं।
- जिस फोल्डर में Move करना है उस पर Right click कर फिर Paste विकल्प पर click करते हैं।

4. फाइल को नया नाम देना
Rename a File

- मेन्यूबार के फाइल विकल्प पर click करते हैं।
- प्राप्त Pull down Menu के Open पर click करते हैं।
- जिस फाइल को Rename करना है उस पर Right click कर प्राप्त शॉर्टकट मेन्यू के Rename विकल्प पर click करते हैं।

Viva

➢ नये नाम लिखते हैं तथा Enter दबाते हैं।

➢ नये नाम सहित या नये लोकेशन पर किसी विद्यमान फाइल को सेभ करने के लिए सेभ ऐज (Save As) कमांड का प्रयोग करते हैं।

5. फाइल को मिटाना
Delete a File

➢ मेन्यूबार के फाइल विकल्प पर click करते हैं।

➢ प्राप्त Pull down Menu के Open पर click करते हैं।

➢ जिस फाइल को मिटाना है उस पर Right click कर प्राप्त शॉर्टकट मेन्यू के Delete विकल्प पर click करते हैं।

6. अनडू तथा रिडू
Undo and Redo

➢ स्टैंडर्ड टूलबार के Undo के बाद अंकित छोटे से तीर के निशान पर click करते हैं तो तुरंत हाल में किये गये कार्यों की सूची देता है जिसे Undo कर सकते हैं।

➢ जिस कार्य को हमने Undo किया है वो सही नहीं है तो स्टैंडर्ड टूलबार में Redo पर click कर पूर्वावस्था में आ सकते हैं।

7. फाइल को प्रिन्ट करना
Print a File

➢ मेन्यूबार के फाइल विकल्प पर क्लिक करते हैं।

➢ प्राप्त Pull down Menu के Print विकल्प पर क्लिक करते हैं।

➢ प्राप्त Dialog बिंडो में इच्छित सूचना भर कर प्रिन्ट प्राप्त करते हैं।

➢ By default यह पोर्टेट मोड में प्रिंट होता है।

एम एस वर्ड में टेक्स्ट ऑपरेशन (Text Operations in MS-Word) : एम एस वर्ड में पहले से वर्तमान दस्तावेज में कोई भी टेक्सट आपरेशन या टेक्सट में कोई भी परिवर्तन करने के लिए एडिट (Edit) मेन्यू का उपयोग करते हैं इसे एडिटिंग करते समय यूजर 'स्क्रीन और प्रिन्टेड फार्म' दोनों में पेज पर दिखते टेक्सट में परिवर्तन करता है।

1. टेक्स्ट को ढूँढना (Find)

➢ Edit मेन्यू से Find पर क्लिक करते हैं।

➢ फिर Find what बॉक्स में जिसे ढूँढ़ना है उस टेक्स्ट को लिखते हैं।

➢ Find Next पर क्लिक करते हैं।

2. टेक्स्ट को Find and Replace करना :

➢ Edit मेन्यू से Replace पर क्लिक करते हैं।

➢ Find what बॉक्स में जिस टेक्स्ट को हटाना है वह लिखते हैं।

➢ Replace with बॉक्स में जिस टेक्स्ट से हटाना है वह लिखते हैं।

➢ Find next पर क्लिक करते हैं, तब Replace या Replace All पर क्लिक करते हैं।

3. टेक्स्ट का case में परिवर्तन करना (Change Case)

किसी टेक्स्ट के Case को Upper case (Capital letter), Lower case (Small letter) या टाइटल के Case में परिवर्तन किया जा सकता है।

➢ जिस टेक्स्ट का Case में परिवर्तन करना है उसे Select करते हैं।

➢ मेन्यूबार के Formet पर क्लिक करते हैं।

Viva

➢ Change case विकल्प पर क्लिक कर इनमें से कोई एक का चयन करते हैं—
- ★ Sentence Case—वाक्य के प्रथम अक्षर को बड़ा तथा अन्य सभी को छोटा रहने देता है।
- ★ Lower Case—सभी अक्षरों को Small letter में परिवर्तित करता है।
- ★ Upper Case—सभी अक्षरों को Capital letter में परिवर्तित करता है।
- ★ Title Case—वाक्य के प्रथम अक्षर को Capital letter में परिवर्तित करता है।
- ★ Toggle Case—यह Capital letter में लिखे टेक्स्ट को Small letter में तथा Small letter में लिखे टेक्स्ट को Capital letter में परिवर्तित करता है।

हेडर तथा फूटर बनाना

Create a Header or Footer

➢ View मेनु से Header and Footer पर क्लिक करते हैं।

➢ हेडर बनाने के लिए हेडर एरिया में टेक्स्ट या ग्राफिक्स डालते हैं या हेडर और फूटर टूलबार के बटन पर क्लिक करते हैं।
- ★ Insert Page Number पृष्ठ में नंबर देता है।
- ★ Insert Date वर्तमान तिथि देता है।
- ★ Insert time वर्तमान समय देता है।
- ★ Insert No. of Pages पृष्ठ की संख्या देता है।
- ★ फाइल नाम या Authors नाम देने के लिए Insert Auto text क्लिक करते हैं।

➢ फूटर बनाने के लिए Switch between header and footer पर क्लिक करते हैं।

➢ Step 2 दुहराते हैं।

➢ जब हेडर तथा फूटर बन जाता है तो Close पर क्लिक कर बाहर आ जाते हैं।

क्लिप आर्ट से चित्र को अपने दस्तावेज में लाना

Insert a picture from the Clip Art

➢ जहाँ क्लिप आर्ट लगाना है उस स्थान पर क्लिक कर कर्सर ले जाते हैं।

➢ ड्राइंग टूलबार में Insert Clip Art पर क्लिक कर चित्र पर क्लिक करते हैं।

➢ क्लिप गैलरी का उपयोग होने के बाद (×) close बटन जो Clip Art Gallery के टाइटल बार में आता है उसपर क्लिक करते हैं।

सारणी-I : स्टैंडर्ड टूलबार

टूल्स का नाम	की-बोर्ड ऑपरेशन	विवरण
New Document	Ctrl + N	एक नई फाइल या टेम्पलेट आधारित फाइल बनाता है।
Open (File menu)	Ctrl + O	चयनित (selected) फाईल को खोलता है।
Save (File menu)	Ctrl + S	सक्रिय फाइल को इसके वर्तमान फाइल नाम, स्थान तथा स्वरूप (Format) के साथ सेव (Save) है।
Mail Recipient		दस्तावेज को (Content of Document) को ई-मेल संदेश के ढाँचे (Body) के रूप में भेजता है।
Print (File menu)	Ctrl + P	सक्रिय फाइल या चयनित दस्तावेज को प्रिंट करता है प्रिंट विकल्प का चयन करने के लिए फाइल मेन्यू में प्रिंट विकल्प पर क्लिक करते हैं।

Viva

टूल्स का नाम	की-बोर्ड ऑपरेशन	विवरण
Print Preview (File Menu)	Ctrl + F2	जब हम फाइल प्रिंट करने में हों तो यह कैसा दिखेगा यह बताता है।
Spelling and Grammar (Tools menu)	F7	सक्रिय दस्तावेज में वर्तनी तथा व्याकरण जाँच तथा लेखन शैली त्रुटियाँ बताता है। उन्हें ठीक करने के लिए सुझाव देता है।
Cut (Edit menu)	Ctrl + X	सक्रिय दस्तावेज से चयनित चित्र या टेक्स्ट को हटाकर क्लिपबोर्ड में रखता है।
Copy (Edit menu)	Ctrl + C	क्लिपबोर्ड में चयनित चित्र या टेक्सट की प्रतिलिपि (Copy) बनाकर रखता है।
Paste (Edit menu)	Ctrl + V	क्लिपबोर्ड के सामग्री को प्रविष्टि बिन्दु (Insertion Point) पर पेस्ट करता है।
Undo (Edit menu)	Ctrl + Z	अंतिम आदेश को विफल करता है तथा अंतिम में टाइप किये गये टेक्स्ट को हटा देता है।
Redo (Edit menu)	Ctrl + Y	Undo आदेश के क्रिया (action) को विफल करता है।
Hyperlink	Ctrl + K	नये हाइपरलिंक को डालता है या चयनित हाइपरलिंक को एडिट (Edit) करता है।
Tables and Borders		टेबल और बॉर्डर (Tables and Borders) टूलबार प्रदर्शित करता है।
Insert Table		टेबल बनाता है।
Insert Excel Worksheet		दस्तावेज में एक्सल स्प्रेडशीट जोड़ता है।
Zoom		सक्रिय दस्तावेज के प्रदर्शन (Display) को 10% से 400% तक बढ़ा-घटा सकता है।
Office Assistant	F1	यह हेल्प टॉपिक और युक्तियाँ (Help Topic and Tips) प्रदान करता है जिसकी सहायता से हम अपने कार्य को पूरा करते हैं।

सारणी-II : फार्मेटिंग टूलबार

टूल्स का नाम	की-बोर्ड ऑपरेशन	विवरण
Style	Ctrl + Shift + S	चयनित टेक्स्ट की शैली (Style) में परिवर्तन कर उसे अपने अनुरूप शैली में ढालना संभव करता है।
Font	Ctrl + Shift + F	चयनित टेक्स्ट के लिखावट (Font) में परिवर्तन करता है।
Font size	Ctrl + Shift + P	चयनित टेक्स्ट के फॉन्ट के आकार में परिवर्तन करना संभव करता है।

Viva Technologies

टूल्स का नाम	की-बोर्ड ऑपरेशन	विवरण
Bold	Ctrl + B	चयनित टेक्स्ट को बोल्ड अर्थात् थोड़ा मोटे अक्षरों में परिवर्तित करता है।
Italic	Ctrl + I	चयनित टेक्स्ट को तिरछे टाइप (Italics) में परिवर्तित करता है।
Underline	Ctrl + U	चयनित टेक्स्ट को लगातार अंडरलाइन करता है।
Align Left	Ctrl + L	टेक्स्ट या पैराग्राफ को बायें हाशिये (Margin) से भरता है या लिखना शुरू करता है।
Centre	Ctrl + E	टेक्स्ट या पैराग्राफ को दायें तथा बायें हाशिये के बीच रखता है।
Align Right	Ctrl + R	टेक्स्ट या पैराग्राफ को दायें हाशिये से भरता है या लिखना शुरू करता है।
Justify	Ctrl + J	टेक्स्ट को बायें तथा दाहिने हाशिये के बीच हर शब्दों के बीच के जगह को बढ़ा या घटा कर समान रूप से फैलाता है।
Numbering		वर्तमान डिफाल्ट के आधार पर संख्यात्मक लिस्ट बनाता है अर्थात् हर पंक्ति या पैराग्राफ को श्रेणीबद्ध संख्या देता है। जैसे– 1, 2, 3 आदि।
Bullets		वर्तमान डिफाल्ट बुलेट के आधार पर बुलेटेड सूची बनाता है।
Decrease Indents		यह बायें हाशिये (left Margin) को घटाता है।
Increase Indents		यह बायें हाशिये को बढ़ाता है।
Outside Borders		चयनित टेक्स्ट, पैराग्राफ, चित्र या दूसरे वस्तु के चारों ओर बॉर्डर बनाता या हटाता है।
Highlight		चयनित टेक्स्ट के टुकड़े को अपने अनुरूप चुने हुए रंग से हाइलाइट करता है।
Font Color		टेक्स्ट के लिखावट के रंग को परिवर्तित करना संभव करता है।

सारणी-III : टेबल्स एंड बॉर्डर्स टूलबार

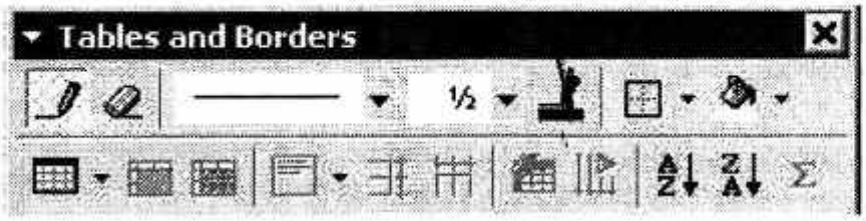

टूल्स का नाम	विवरण
Draw Table	दस्तावेज में जहाँ भी चाहें टेबल बना सकते हैं, उसके बाद रो तथा कॉलम माउस ड्रैग कर बना सकते हैं।
Eraser	टेबल के खानों के लाइन को हटाता है तथा उन खानों की सारी सामग्री को मिला (Merge) देता है।

Viva

टूल्स का नाम	विवरण
Line Weight	टेबल के रेखाओं को मोटा या पतला (Thick or Thin) करना संभव करता है।
Line Style	भिन्न-भिन्न तरह के रेखा खींचना (Draw Line) संभव करता है।
Border color	टेबल के बॉर्डर के रंग को परिवर्तन करने में सक्षम बनाता है।
Outside Border	चयनित टेक्स्ट, पैराग्राफ या चित्र इत्यादि के चारो ओर बॉर्डर बनाता तथा हटाता है।
Fill color	चयनित वस्तु पर रंग भरता है तथा पहले से भरे हुए रंग को हटाना, बदलना संभव करता है।
Insert Table	दस्तावेज में रो तथा कॉलम की संख्या पूछ कर टेबल बनाता है।
Merge Cells	दो लगातार चयनित खनों के सामग्री को संयुक्त कर देता है।
Split Cells	चयनित टेबल के खानों को रो तथा कॉलम में विभक्त कर देता है।
Align Top Left	टेबल के खानों की सामग्री बायें ऊपर से लिखना शुरू करता है।
Distribute Rows Evently	चयनित रो तथा खानों को समान ऊँचाई में परिवर्तित करता है।
Distribute Columns Evently	चयनित सारे कॉलम या खानों को समान चौड़ाई में बदल देता है।
Table Auto	पूर्व निर्धारित बॉर्डर फार्मेट तथा शेडिंग का उपयोग कर टेबल बनाता है। टेबल के खाने सामग्री (Content) के अनुसार स्वतः परिवर्तित हो जाते हैं।
Change Text Direction	टेक्स्ट की दिशा में परिवर्तन करने में सक्षम बनाता है।
Sort Ascending	चयनित चीजों (Selected items) को बढ़ते हुए क्रम में या A से Z के रूप में श्रेणीबद्ध करता है।
Sort Descending	चयनित चीजों को घटते हुए क्रम में या Z to A के रूप में श्रेणीबद्ध करता है।
Auto Sum	एक सूत्र क्षेत्र बनाता है जो टेबल के खानों के मान को जोड़कर प्रदर्शित करता है।

सारणी-IV : ड्राइंग टूलबार

टूल्स का नाम	विवरण
Draw	ड्राइंग में कोई परिवर्तन करने में सक्षम बनाता है। जैसे– फ्लिप (Flip), घुमाना (Rotate), टेक्स्ट रैपिंग (Text wrapping) etc.
Select Objects	किसी विशेष ड्राइंग वस्तु को चयन करने में सक्षम बनाता है।
Free Rotate	Autoshapes बटन पर click करने पर कई आकारों की सूची प्राप्त होती
Auto Shapes	है। सूची से एक सेट का चयन कर माउस Drag कर प्राप्त सूची से एक आकार का चयन करते हैं।
Arrow	यह भी रेखा खिंचने में प्रयुक्त होता है परन्तु खींची गई रेखा के एक ओर तीर का निशान बन जाता है। (Arrow head Line)

Viva

टूल्स का नाम	विवरण
Line	यह रेखा खींचने (Draw) के लिए उपयोग होता है।
Rectangle	आयत (Rectangle) बनाने में प्रयुक्त होता है।
Oval	अंडाकार वृत्त (Oval) या वृत्त (Circle) बनाने में प्रयुक्त होता है।
Text Box	एक टेक्स्ट बॉक्स बनाने में प्रयोग होता है, जिनके अंदर हम कोई टेक्स्ट लिख सकते हैं।
Word Art	Word Art डालने में प्रयुक्त होता है।
Fill Color	ड्राइंग किये गये चित्र या आकार में रंग भरने में प्रयुक्त होता है।
Clip Art	क्लिप आर्ट डालने में प्रयुक्त होता है।
Font Color	चयनित (Selected) टेक्स्ट को हमारे द्वारा चुने गये रंग में परिवर्तित करता है।
Line Color	बनाये गये वस्तु (Draw Object) के लाइन का रंग में परिवर्तन करने में प्रयुक्त होता है।
Line Style	इसके द्वारा ड्राइंग में प्रयोग किये गये रेखा (Line) के रूप, (जैसे– रेखा की मोटाई, डबल रेखा आदि) में परिवर्तन किया जा सकता है।
Dash Style	इसके प्रयोग से रेखा को भिन्न-भिन्न बिन्दु (Dotted) स्टाइल में परिवर्तित किया जा सकता है।
Arrow Style	Arrow युक्त लाइन के स्टाइल में परिवर्तन करने में प्रयुक्त होता है।
Shadow	चयनित (Selected) वस्तु को छाया शैली (Shadow Style) में परिवर्तन करने में प्रयुक्त होता है।
3-D	चयनित वस्तु (Selected Object) को 3-D शैली में परिवर्तन करने में प्रयुक्त होता है।

फूटनोट, एन्ड नोट एवं रूलर

फूटनोट (Footnote) : दस्तावेज के प्रत्येक पृष्ठ के अंत में दिखने वाला टेक्स्ट फूटनोट कहलाता है।

एन्डनोट (Endnote) : पूरे दस्तावेज के अंत में दिखने वाला टेक्स्ट एन्डनोट कहलाता है।

रूलर (Ruler) : आमतौर पर रूलर मुख्य टूलबार के नीचे पाया जाता है। इसका उपयोग जल्दी से अपने दस्तावेज का स्वरूप बदलने के लिए किया जाता है। MS-Word में दो रूलर होता है। (i) क्षैतिज (Horizontal), (ii) उर्ध्वाधर (Vertical)

रूलर प्रदर्शन (Display) के लिए—

1. मेन्यूबार के View पर क्लिक करते हैं।
2. रूलर विकल्प को (✓) चेक मार्क देते हैं। अर्थात् रूलर पर क्लिक करते हैं। अब यह टूलबार के नीचे प्रकट होता है।

दस्तावेज देखें

Document View

MS-Word में पाँच तरह से दस्तावेज को देख सकते हैं—

1. सामान्य दृश्य (Normal View) : इसका उपयोग अक्सर होता है तथा स्वरूपण (Formatting), जैसे– रेखा अंतराल (Line Spacing), फॉन्ट, बिन्दु आकार (Point Size) तथा इटैलिक्स (Italics) प्रदर्शित करता है।

2. वेब लेआउट दृश्य (Web Layout View) : वेब लेआउट दृश्य के रूप में दस्तावेज ब्राउजर, जैसे– इंटरनेट एक्सप्लोरर (Internet Explorer) में खुले वेबपेज की तरह दिखता है।

Viva

3. प्रिन्ट लेआउट दृश्य (Print Layout View): प्रिन्ट लेआउट दृश्य के रूप में दस्तावेज प्रिन्ट होने बाद पेज के तरह दिखता है। इसे *पेज लेआउट* भी कहते हैं।

4. आउटलाइन दृश्य (Outline View): यह दस्तावेज को आउटलाइन रूप में दिखाता है। इनमें बिना टेक्स्ट के शीर्षक प्रदर्शित किया जा सकता है। यदि हम शीर्षक को इधर-उधर हिलाते (Move) हैं तो टेक्स्ट भी इनके साथ-साथ चलता है। सारे शीर्षक जो दस्तावेज में कहीं भी होते हैं बायें तरफ (Left Align) आ जाते हैं।

5. रीडींग लेआउट दृश्य (Reading Layout View): यह दस्तावेज को अधिक सुगमता से पढ़ने में सक्षम बनाता है तथा उसी प्रकार स्क्रीन का स्वरूपण (Formatting) करता है।

टेक्स्ट क्षेत्र

Text Area

रूलर के नीचे के बड़े क्षेत्र को टेक्स्ट क्षेत्र कहते हैं, जहाँ हम अपने दस्तावेज को लिख सकते हैं। टेक्स्ट क्षेत्र के बायें कोने में छोटी सी खड़ी रेखा जो ब्लिंक (Blinking line) करती रहती है उसे *कर्सर (Cursor)* कहते हैं। यह हमारे टेक्स्ट की शुरुआत बिन्दु है। अगर हम कुछ टेक्स्ट क्षेत्र में लिखते हैं तो इसी बिन्दु से लिखना आरंभ होता है।

वर्ड रैप (Word Wrap): वर्ड रैप अधिकांश टेक्सट एडीटर, वर्ड प्रौसेसर तथा वेब ब्राउजर की विशेषता है जिसके उपयोग करने के फलस्वरूप आवश्यकता होने पर टेक्सट को अगली लाइन में स्वतः भेज देता है, अगर single word एक लाइन से लम्बा है।

दस्तावेजों में विभिन्न रंगों के अंडरलाइन का अर्थ

Meaning of different colours Underline in Document

अगर हमारे स्क्रीन पर बिना अंडरलाइन फार्मेटिंग का प्रयोग किये टेक्स्ट के नीचे लहराती हुई (Wavy) रेखा आती है तो इसके निम्नलिखित कारण हो सकते हैं—

1. लाल या हरी वेभी अंडरलाइन (Red or Green wavy Underline): जब हम स्वतः वर्तनी और व्याकरण (Spelling and Grammer) जाँच करते हैं, MS-Word वर्तनी में गलतियों को प्रदर्शित करने के लिए वेभी लाल अंडरलाइन तथा व्याकरण में गलतियों को एवं जो शब्द वर्ड डिक्शनरी में नहीं है उसे प्रदर्शित करने के लिए हरी वेभी अंडरलाइन दर्शाता है।

2. नीला वेभी अंडरलाइन (Blue wavy underline): MS-Word बेमेल स्वरूपण (Inconsistent Formatting) के लिए संभव उदाहरण को वेभी नीला अंडरलाइन द्वारा प्रदर्शित करता है।

3. नीला या दूसरे कलर के अंडरलाइन (Blue or other Color underline): हाइपरलिंक प्रदर्शित टेक्स्ट तथा underline नीला या डिफाल्ट रंग के होते हैं।

4. बैंगनी वेभी अंडरलाइन (Purple wavy underline): XML दस्तावेज में XML स्किमा जो दस्तावेज से जुड़ा है, XML संरचना से जुड़ा नहीं रहता है तो, MS-Word बैंगनी वेभी अंडरलाइन द्वारा प्रदर्शित करता है।

MS-Word से बाहर आना

Exit from MS-Word

जब हम MS-Word में अपना कार्य समाप्त कर लेते हैं तो इससे बाहर आने के पहले अपने कार्य को सुरक्षित कर लेते (Save) हैं। फिर बाहर आने के लिए—

1. फाइल पर क्लिक करते हैं।
2. Exit पर क्लिक करते हैं, जो ड्रॉप डाउन मेन्यू में सबसे नीचे स्थित होता है।

Viva Technologies

3. अगर हमने कुछ टेक्स्ट लिखा (Type) होगा तो हमें एक संदेश मिलता है "Do you want to save changes to Document 1". सेव के लिए हाँ क्लिक करें नहीं तो नहीं क्लिक करें।
4. सही फोल्डर का चयन कर फाइल नाम लिखते हैं।
5. Save क्लिक करें।

एम. एस. एक्सल
M.S. Excel

माइक्रोसॉफ्ट एक्सल एक इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट है, जो सांख्यिक गणना करने तथा चार्ट बनाने में सहायता करता है। स्प्रेडशीट सांख्यिकी विश्लेषण के लिए एक युक्ति (Tool) है तथा विश्लेषण क्या कहता है यह बताने के लिए रिपोर्ट और प्रेजेन्टेशन तैयार करता है। जिन लोगों को संख्या का विश्लेषण, रिकॉर्ड तथा व्यवस्थित करने की आवश्यकता होती है, वे लोग स्प्रेडशीट का प्रयोग करते हैं।

स्प्रेडशीट एप्लीकेशन में रो (Row) सेलों का समूह है, जो पेज के बायें से दायें जाता (run) है। कॉलम भी सेलों का समूह है, जो पेज के ऊपर से नीचे जाता है। रो तथा कॉलम का intersecting point सेल है जो स्प्रेडशीट में डाटा का storage unit है। रो को रो हेडर के नम्बर तथा column को अक्षर से indentified किया जाता है। सेल स्प्रेडशीट का वह स्टोरेज स्थान है जिनमें टेक्स्ट, नम्बर या फॉर्मूला संग्रह किया जा सकता है। फॉर्मूला दूसरे सेलों के डाटा पर आधारित गणना करता है तथा उत्तर स्क्रीन पर दिखाता है।

स्प्रेडशीट में हर सेल का एक सेल एड्रेस होता है, जो उस सेल का Location बताता है। सेल एड्रेस सेल के कॉलम अक्षर (column letter) और रो नम्बर (row number) का combination है। जैसे—B2, C4, G15 इत्यादि।

स्प्रेडशीट रो तथा कॉलम के हर वर्ग या खाने (cell) को एक सेल एड्रेस (address) देता है तथा प्रयोक्ता को सूचना डालने की अनुमति देता है। वर्कशीट में कॉलम वर्टिकली एपीयर (appear) होते हैं। कॉलम में टेक्स्ट प्रायः लेफ्ट अलाइन होता है। यह सेल एड्रेस का कॉलम तथा रो लेबल है। यह जल्द सांख्यिक गणना करने, वार्षिक या मासिक आँकड़े संग्रहित करने, वित्तीय विवरण (statement) तैयार करने के लिए तथा कर (Tax) वर्कशीट तैयार करने इत्यादि के लिए उपयोग होता है। स्प्रेडशीट का एक्सटेन्शन .xls है।

इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट कम्प्यूटर मेमोरी में तार्किक वर्कशीट है जो कॉलम तथा रो में बँटा है। यह यूटिलिटी सॉफ्टवेयर पैकेज है। एक बार सूत्र (Formula) का निर्धारण करने के बाद गणना स्वतः होती रहती है, तथा परिणाम उपयोगकर्ता को दिखता रहता है। एम एस एक्सल वर्क बुक (Work book) चार्टों का संग्रह है। माइक्रोसाफ्ट एक्सल फाइल वर्कबुक के रूप में स्टोर किये जाते हैं। वर्कशीट में सेलों के आयताकार समूह को सेल रेंज कहते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट के उदाहरण निम्नलिखित हैं—

(i) लोटस 1-2-3 (ii) Quatrpro
(iii) VPP (iv) MS-Excel .... इत्यादि

MS-Excel आरंभ करना
To Start MS-Excel

MS-Excel आरंभ करने के दो तरीके हैं—

1. डेस्कटॉप पर MS-Excel आइकन पर डबल क्लिक करते हैं।

Viva

2. Click Start → Program → Microsoft office → Microsoft office Excel

सूत्र बनाना
Creating Formula

1. उस सेल पर क्लिक करते हैं, जहाँ सूत्र डालना चाहते हैं।
2. = (an equal sign) टाइप करते हैं।
3. फंक्शन बटन fx पर क्लिक करते हैं।
4. जो भी सूत्र हम डालना चाहते हैं उसका चयन करते हैं तथा स्क्रीन पर मिले निर्देशों का पालन करते हैं।
5. उदाहरण, =((C10 + C11)/12) +D18 एक सूत्र है।

सेल में बॉर्डर जोड़ना तथा हाइलाइट करना
Adding Border and Shading to Cell

1. सर्वप्रथम यह सुनिश्चित करते हैं कि स्वरूपण टूलबार (Formatting Toolbar) दिखाई दे रहा है। यदि नहीं दिखाई दे रहा है तो,
   - व्यू (view) पर क्लिक करते हैं।
   - टूलबार का चयन कर फार्मेटिंग का चयन करते हैं। अर्थात् फार्मेटिंग पर क्लिक करते हैं।
2. जिस सेल को हाइलाइट करना है या बॉर्डर डालना है उस सेल को बायाँ क्लिक कर चयन करते हैं।
3. fig. बटन सेल को हाइलाइट करने के लिए चयन करते हैं तथा (fig.) सेल का बॉर्डर देने के लिए चयन करते हैं।

स्प्रेड शीट में चार्ट डालना
Inserting a chart in Spread Sheet

1. जिस डेटा का चार्ट बनाना चाहते हैं उन्हें चयनित करते हैं।
2. Insert पर क्लिक करते हैं, फिर प्राप्त ड्रॉप डाउन मेन्यू से चार्ट विकल्प का चयन करते हैं।
3. चार्ट विजार्ड विन्डो से जिस प्रकार के चार्ट की आवश्यकता होती है उसका चयन करते हैं।
4. डेटा के रेंज (Range) में परिवर्तन अगर चाहिए तो परिवर्तन कर पुष्टि करते हैं।
5. चार्ट विकल्पों को अपडेट करते हैं।
6. चार्ट को वर्तमान वर्कशीट में या नये वर्कशीट में रखना है यह चयन करते हैं।

एम एस-पावर प्वाइंट
MS Power Point

यह माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित, एम एस ऑफिस (MS Office) का एक भाग है। यह प्रस्तुतिकरण तथा स्लाइड शो (Presentation and slide show) को तैयार करने के लिए शक्तिशाली उपकरण है।

पॉवर प्वाइंट स्क्रीन
Power Point Screen

प्रभावी स्लाइड शो प्रस्तुतियों को बनाने के लिए हमलोग पावर प्वाइंट का उपयोग करते हैं। पावर प्वाइंट स्क्रीन के कई elements हैं—

1. **Title Bar :** आमतौर पर यह स्क्रीन के शीर्ष (top of the screen) पर स्थित होता है। यह वर्तमान प्रस्तुति के शीर्षक को प्रदर्शित करता है।

Viva Technologies

2. **Menu Bar :** यह टाइटल बार के तुरंत नीचे स्थित होता है। यह विकल्पों का मेन्यू प्रदर्शित करता है, जिसे हमलोग पावर प्वाइंट को निर्देश (Instruction) देने के लिए उपयोग करते हैं।

3. **Standard and Formatting Toolbars :** पावरप्वाइंट में कई Toolbar हैं, परन्तु स्टैण्डर्ड और फारमेटिंग Toolbar सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला Toolbar है। Standard Toolbar का उपयोग फाइल को खोलने (open), बचाने (save), प्रिंट करने, कट, कॉपी और पेस्ट, अनडू तथा री डू या चार्ट या टेबल बनाने इत्यादि के लिए होता है। Formatting Toolbar का उपयोग फॉण्ट, फॉण्ट का आकार या रंग बदलने, बोल्ड, अंडरलाइन या इटैलिक्स करने, टेक्स्ट अलाइन करने इत्यादि में होता है।

4. **Rulers :** Ruler ऊर्ध्वाधर (vertical) और क्षैतिज (horizontal) दो प्रकार के होते हैं। ये इंच में marked रहते हैं। इसका उपयोग किसी ऑब्जेक्ट के रखने के स्थान का निर्धारण करने में होता है।

5. **Placeholders :** यह हमारे स्लाइड में ऑब्जेक्ट को होल्ड करता है। हमलोग इसका उपयोग टेक्स्ट, क्लिपआर्ट और चार्ट को होल्ड करने के लिए करते हैं।

6. **Status Bar :** यह स्क्रीन के सबसे नीचे स्थित होता है तथा currently प्रदर्शित स्लाइड की कुल संख्या, टेम्पलेट या पृष्ठभूमि का नाम प्रदर्शित करता है।

7. **Outline Tab :** यह प्रस्तुति में उपस्थित टेक्स्ट को प्रदर्शित करता है।

8. **Slides Tab :** यह सभी स्लाइडों के Thumbnail को प्रदर्शित करता है। Thumbnail को क्लिक कर हम slide pane में स्लाइड को देख सकते हैं।

9. **View Buttons :** यह स्क्रीन के नीचे (Bottom of the screen) के पास दिखाई देता है। इसका उपयोग Normal view, slider sorter view और slide show के लिए होता है।

Normal View : यह स्क्रीन को तीन भागों में विभाजित करता है— Outline और Slides tab, Slide pane और Task pane/outline और slides tab स्क्रीन के बाईं ओर स्थित होता है। यह स्लाइड को दो भिन्न तरीकों से देखने में सक्षम बनाता है। Slides Tab स्लाइड के Thumbnail दर्शाता है। Outline Tab स्लाइड पर टेक्स्ट को दर्शाता है। Slide pane स्लाइड के केन्द्र में स्थित होता है तथा जिस स्लाइड पर वर्तमान में काम हो रहा होता है उसे Large view में दर्शाता है। Task pane हमारे स्क्रीन के दायें तरफ स्थित होता है। यह जिस कार्य (task) को हम करना चाहते हैं, उसका चयन करने में सक्षम बनाता है।

Slide Sorter View : यह सभी स्लाइडों को Thumbnail के रूप में दर्शाता है। यह स्लाइडों को क्रम में बदलाव या कुछ जोड़ने या परिवर्तन करने में सक्षम बनाता है।

Slide Show : इसका उपयोग स्लाइड को देखने के लिए होता है। स्लाइड अंतिम प्रस्तुति में किस रूप में दिखाई देगा यह हमें इस view में पता लग जाता है।

10. **Drawing Toolbar :** यह स्क्रीन के नीचे स्थित होता है तथा ग्राफिक्स बनाने तथा परिवर्तन के लिए उपयुक्त tools प्रदान करता है।

11. **Common Task Buttons :** इसका उपयोग task के प्रकार जिस पर कार्य करना चाहते हैं, का चयन करने में होता है।

12. **Task Pane :** यह किसी विशेष कार्य (specific task) को चयन करने में सक्षम बनाता है।

13. **Vertical Splitter Bar :** Task Pane के आकार में परिवर्तन इसे क्लिक तथा ड्रैग कर सकते हैं।

14. **Minimize Button :** इसके उपयोग से प्रदर्शित विंडो minimize होकर, Taskbar में दर्शाता है।

15. **Maximize / Restore Button :** Maximize बटन के उपयोग से विंडो का साइड फुल स्क्रीन हो जाता है और Restore बटन के उपयोग से पुनः अपने पूर्व आकार में आ जाता है।

16. **Close Button :** इसका उपयोग विंडो से बाहर आने और प्रोग्राम को बंद करने में होता है।

पावर प्वाइंट के उपयोग
Use of Power Point

1. व्यवसाय अनुप्रयोग प्रस्तुतीकरण (Business Application Presentation) का स्लाइड तैयार करना।
2. एनिमेशन के द्वारा ग्राफिकल चीजों (Graphical object) को तैयार करना।
3. सामान्य उपयोग के लिए आर्ट गैलरी के द्वारा कलात्मक स्लाइड तैयार करना।
4. व्यवसाय जगत में ट्रेनिंग देने के लिए।

एम एस-पावर प्वाइंट आरंभ करना
Starting MS Power Point

MS-पावर प्वाइंट आरंभ करने के दो तरीके हैं—

1. डेस्कटॉप पर उपस्थित MS-पावर प्वाइंट आइकॉन पर डबल क्लिक करते हैं।
2. दूसरी विधि में—
   Click Start → Program → MS Power Point

नई प्रस्तुति बनाना
Creat a new Presentation

नई प्रस्तुति को कई तरह से बनाया जा सकता है—

1. **ऑटो कन्टेन्ट विजार्ड** (Auto Content Wizard) : यह सामग्री (Content), उद्देश्य (Purpose), शैली (Style), डिजाइन तथा आउटपुट के बारे में जानकारी देते हुए नई प्रस्तुति बनाता है। नई प्रस्तुति में नमूने के तौर पर टेक्स्ट होते हैं, जिन्हें हम अपनी सूचना के द्वारा प्रतिस्थापित कर सकते हैं। केवल एम एस पावर प्वाइंट द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करना होता है।

2. **डिजाइन टेम्पलेट** (Design Template) : माइक्रोसॉफ्ट द्वारा प्रदत्त पावर प्वाइंट डिजाइन टेम्पलेट के आधार पर नई प्रस्तुति बनाता है।

3. **रिक्त प्रस्तुति** (Blank Presentation) : टेक्स्ट और रंग के डिफाल्ट सेटिंग के द्वारा नई रिक्त प्रस्तुति तैयार करता है।

हमारे रिक्त प्रस्तुति चयन करने के बाद प्रथम स्लाइड के लेआउट चयन करने के लिए एक विंडो आता है।

पूर्व डिजाइन स्लाइड लेआउट निम्नलिखित हैं—

- शीर्षक स्लाइड (Title Slide)
- बुलेटेड सूची (Bulleted List)
- दो कॉलम टेक्स्ट (Two Column Text)
- टेबल (Table)

Viva

- टेक्स्ट और चार्ट (Text and Chart)
- चार्ट और टेक्स्ट (Chart and Text)
- संगठनात्मक चार्ट (Organisational Chart)
- चार्ट (Chart)
- टेक्स्ट और क्लिप आर्ट (Text and Clip Art)
- क्लिप आर्ट और टेक्स्ट (Clip Art and Text)
- केवल शीर्षक (Title only)
- रिक्त स्लाइड (Blank Slide)

1. रिक्त प्रस्तुति के दायें तरफ पैनल पर क्लिक करते हैं।
2. दाहिने पैनल के आइकॉन पर क्लिक कर बॉक्स में देखते हैं कि जो प्रस्तुति हम चाहते हैं वह है या नहीं।
3. बॉक्स में क्लिक करने पर स्लाइड प्रयोग में आ जाता है या Down arrow पर क्लिक कर चयनित स्लाइड को Apply विकल्प का चयन करते हैं।

पावर प्वाइंट में नोट्स जोड़ना

Adding Notes in Power Point

पावर प्वाइंट में नोट जोड़ने की दो विधियाँ हैं—

1. **To insert short notes :** नॉर्मल व्यू (normal view) में स्क्रीन के नीचे स्थित नोट्स बॉक्स पर क्लिक पर टेक्स्ट टाइप करते हैं।
2. **To insert large notes :** व्यू टैब पर क्लिक करते हैं। Presentation View के तहत नोट पेज बटन का चयन करते हैं। स्लाइड के नीचे दृश्य जगह में टेक्स्ट टाइप करते हैं।

पावर प्वाइंट में हेडर और फुटर जोड़ना

Inserting Header and Footer in Power Point

पावर प्वाइंट में हेडर और फुटर जोड़ने के लिए Insert Tab पर क्लिक करते हैं। तत्पश्चात् हेडर और फुटर बटन का चयन करते हैं। Date और Time, स्लाइड नम्बर बटन उसी डायलॉग बॉक्स में आयेगा।

1. **Fixed and Automatic Dates :** पावर प्वाइंट Date and Time जोड़ने का दो विकल्प देता है। Fixed date और टाइम के अन्तर्गत यह हमेशा same रहेगा तथा Automatic update के अन्तर्गत यह हमेशा स्वचालित रूप से परिवर्तित होता रहेगा तथा स्लाइड शो के चलने के Date और Time से match होगा।
2. **Slide Number :** Slide Number दिखाने के लिए इस check box पर क्लिक करते हैं।
3. **Footer :** इस check box पर क्लिक कर स्लाइड के नीचे टेक्स्ट जोड़ते हैं।
4. **Apply / Apply to All :** हमारे द्वारा चयनित element को स्लाइड में insert करने के लिए Apply बटन का चयन करते हैं, परन्तु यह केवल वर्तमान स्लाइड पर लागू होता है। प्रत्येक स्लाइड पर यह लागू करने के लिए Apply to All पर क्लिक करते हैं।
5. **Preview :** स्लाइड पर information कहाँ दृश्य होगा यह preview box दर्शाता है।
6. **Notes and Hand outs :** इस Tab के अन्तर्गत P अपने Handout के लिए Header and Footer Preferences का चयन कर सकते हैं।

Viva

Action	Power Point shortcut
Bold	Ctrl–B
Close	Ctrl–W
Close	Ctrl–F4
Copy	Ctrl–C
Find	Ctrl–F
Italics	Ctrl–I
Menu bar	F10
New slide	Ctrl–N
Next window	Ctrl–F6
Open	Ctrl–O
Paste	Ctrl–V
Print	Ctrl–P
Repeat Find	Shift–F4
Repeat/Redo	Ctrl–Y
Replace	Ctrl–H
Save	Ctrl–S
Slide Show : Begin	F5
Slide Show : Black screen show/hide	B
Slide Show : End	Esc
Slide Show : Erase annotations	E
Slide Show : Go to next hidden slide	H
Slide Show : Hide pointer and button always	Ctrl–L
Slide Show : Hide pointer and button temporarily	Ctrl–H
Slide Show : Mouse Pointer to arrow	Ctrl–A
Slide Show : Mouse pointer to pen	Ctrl–P
Slide Show : Next slide	N
Slide Show : Previous slide	P
Slide Show : Set new timings while rehearsing	T
Slide Show : Stop/restart automatic slide show	S
Slide Show : Use mouse-click to advance (rehearsing)	M
Slide Show : Use original timings	O
Slide Show : White screen show/hide	W
Spelling and Grammer Check	F7
Switch to the next presentation window	Ctrl–F6
Switch to the next tab in a dialog box	Ctrl–Tab/Ctrl–Page Down
Switch to the previous presentation window	Ctrl-Shift–F6
Switch to the previous tab in a dialog box	Ctrl-Shift-Tab/Ctrl-page Up
Turn character formatting on or of	Num/
Underline	Ctrl-U
Undo	Ctrl-Z

Viva

एम एस-एक्सेस
MS Access

परिचय
Introduction

माइक्रोसॉफ्ट एक्सेस डेटाबेस बनाने तथा प्रबंधन के लिए शक्तिशाली प्रोग्राम है। इनमें डेटा को देखने तथा निर्माण में सहायता करने के लिए कई सुविधाएँ हैं।

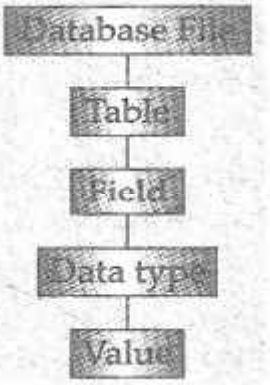

सर्वप्रथम हमें यह पता होना चाहिए कि MS-एक्सेस का डेटाबेस को तोड़ने में कैसे उपयोग होता है।

डेटाबेस फाइल : यह मुख्य फाइल है जो संपूर्ण डेटाबेस है तथा हार्ड ड्राइव या फ्लॉपी डिस्क में सुरक्षित है। जैसे– Student database. mdb.

टेबल : रिलेशनल डेटाबेस में टेबल एक डाटा स्ट्रक्चर है जो सूचनाओं को कॉलम तथा रो में व्यवस्थित करता है। यह एक विशिष्ट विषय (Specific Topic) के डेटा का संग्रह है। एक डेटाबेस में कई टेबल हो सकते हैं। टेबल डेटा को रो (Rows) तथा कॉलम (Fields) में व्यवस्थित करता है। जैसे– (1) छात्र, (2) शिक्षक

फील्ड : एक टेबल में फील्ड की विभिन्न श्रेणियाँ हैं। जैसे– (1) छात्र Last Name, (2) छात्र First Name

डेटा टाइप : यह हर फील्ड का गुण है। एक फील्ड एक ही डेटा टाइप के हो सकते हैं। जैसे– फील्ड–छात्र (Last Name), डाटा टाइप–टेक्स्ट

कुछ महत्त्वपूर्ण शब्दावली :

1. **प्राथमिक की** (Primary Key) : एक या अधिक फील्ड (कॉलम) जिसका मान (value) टेबल के हर रिकॉर्ड को विशिष्ट पहचान (Unique Identifier) देता है; प्राथमिक Key कहलाता है। प्राथमिक Key के रूप में Null मान की अनुमति नहीं है, ये हमेशा विशिष्ट मान (unique value) होनी चाहिए। प्राथमिक Key एक टेबल को दूसरे टेबल में विदेशी (foreign) Key से जोड़ने में उपयोग किया जाता है।

2. **रिलेशनशीप** (Relationships) : जब MS-एक्सेस डेटाबेस में हम कई टेबल बनाते हैं तो उन सभी को वापस एक साथ उपयोग करने के लिए उनके बीच रिश्तों को बनाना होता है। जब हम यह कर लेते हैं तो हम क्वेरीज (Queries), फार्म (Form) तथा कई टेबल के बीच सूचना प्रदर्शित करने के लिए रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं।

रिलेनशनशीप की फील्ड (दोनों टेबल में एक नाम का फील्ड) में डेटा मेल (Matching) के द्वारा काम करता है। ज्यादातर मामलों में ये मैचिंग फील्ड एक टेबल में प्राथमिक Key दूसरे टेबल में विदेशी की (Foreign Key) होते हैं।

3. **फॉर्म** (Form) : फॉर्म टेबल का एक ग्राफिकल प्रस्तुति है। फॉर्म के द्वारा हम टेबल में रिकार्ड को जोड़ सकते हैं, मिटा तथा अपडेट कर सकते हैं। फार्म का नाम टेबल से भिन्न हो सकता है पर दोनों एक ही सूचना या डेटा का उपयोग करते हैं। अर्थात् फार्म के रिकॉर्ड में परिवर्तन करने पर टेबल में भी परिवर्तन हो जायेगा।

4. **रिपोर्ट** (Report) : रिपोर्ट प्रिन्टेड रूप में डेटा को प्रस्तुत करने का कारगर तरीका है। क्योंकि रिपोर्ट में सब कुछ के स्वरूप तथा आकार पर नियंत्रण रख सकते हैं। सूचना को जिस तरह से देखना चाहें प्रदर्शित कर सकते हैं।

Viva

5. **फील्ड** (Field) : किसी रिकॉर्ड या टेबल में हर कॉलम के अन्तर्गत डाटा को फील्ड कहते हैं। यह न्यूमेरिक, अल्फा न्यूमेरिक तथा कैरेक्टर आदि प्रकार का हो सकता है। जैसे– किसी भी पता (Address) रिकॉर्ड में नाम, फ्लैट नम्बर, गली नम्बर, शहर का नाम, पिन नम्बर आदि एक-एक फिल्ड है।

6. **रिकॉर्ड** (Record) : टेबल में किसी भी एक रो के डेटा को एक रिकॉर्ड कहते हैं। यह संबंधित डेटा का समूह है। जैसे– किसी का पता (Address) एक रिकॉर्ड है तथा उसके अन्तर्गत नाम, शहर का नाम, पिन नम्बर आदि फील्ड है। यह टेबल के अन्तर्गत सभी फिल्ड का समूह है।

7. **फाइल** (File) : लॉजिकल रिकॉर्ड के समूह को फाइल कहते हैं। यह एक यूनिट के रूप में संचित सुचनाओं का समूह है। जैसे– कर्मचारियों का पता, विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम आदि। संचित फाइलों के समूह को डायरेक्टरी कहते हैं।

8. **डेटा डिक्सनरी** (Data Dictionary) : इनमें डेटाबेस का प्रत्यक्ष डेटा नहीं रहता है बल्कि डेटा फाइलों की सूची रहती है। बिना डेटा डिक्सनरी के डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम डेटाबेस से डेटा प्राप्त नहीं कर सकता है।

9. **डेटाबेस** (Database) : रिलेटेड फाइलों तथा परस्पर संबंधित रिकार्ड के संग्रह को डाटाबेस कहते हैं।

10. **डायरेक्टरी** (Directory) : कम्प्यूटर में संग्रहित फाइलों की सूची को डायरेक्टरी कहते हैं। इसके अन्दर की डायरेक्टरी को सबडायरेक्टरी कहते हैं। स्टोरेज डिवाइस के मेन (main) फोल्डर को रूट डायरेक्टरी कहते हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. प्रिन्ट के लिए कौन-सा मेनु सिलेक्ट किया जाता है?
(a) एडिट (b) स्पेश्यल (c) फाइल
(d) टूल्स (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2008, IBPS Clerk 2011)*

2. प्रयोक्ता दस्तावेज को जो नाम देता है उसे .....कहते हैं।
(a) फाइल नेम (b) प्रोग्राम (c) रिकार्ड
(d) डाटा (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2008)*

3. कट, कॉपी और पेस्ट करने के लिए कौन-सा मेनू सिलेक्ट किया जाता है?
(a) फाइल (b) टूल्स (c) स्पैशल
(d) एडिट (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

4. रिलेटेड फाइलों के क्लेक्शन को.....कहा जाता है।
(a) करैक्टर (b) फील्ड (c) डाटाबेस
(d) रिकॉर्ड (e) इनमें से कोई नहीं

5. विद्यमान डाक्यूमेंट को परिवर्तित करना डाक्यूमेंट की..... कहलाता है।
(a) क्रिएटिंग (b) एडिटिंग (c) मोडीफाइंग
(d) एडजेस्टिंग (e) इनमें से कोई नहीं

6. वर्ड में टेक्स्ट की फार्मेटिंग करते समय किस ग्रुपिंग में काम किया जाता है?
(a) टेबल्स, पेराग्राफ्स और इन्डेक्सेज (b) पेराग्राफ्स, इन्डेक्सेज और सेक्शन्ज
(c) करैक्टर्स, सेक्शन्ज और पेराग्राफ्स (d) इन्डेक्सेज, करेक्टर्स और टेबल्स
(e) इनमें से कोई नहीं

Viva Technologies

7. एक्सेल में ऐक्टिव सेल के कंटेंट्स को कौन डिस्प्ले करता है?
(a) नेम बॉक्स (b) रो हेडिंग्स (c) फार्मूला बार
(d) टास्कपेन (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS PO 2011)*

8. नये नाम सहित या नये लोकेशन पर किसी विद्यमान फाइल को सेव करने के लिए आपको ..... कमांड का प्रयोग करना चाहिए।
(a) सेव (b) सेव एण्ड रिप्लेस (c) सेव एज
(d) न्यू फाइल (e) इनमें से कोई नहीं

9. समग्र डाक्यूमेंट सिलेक्ट करने के लिए निम्नलिखित में किसे प्रयुक्त किया जा सकता है?
(a) CTRL + A (b) ALT + F5 (c) SHIFT + A
(d) CTRL + K (e) CTRL + H *(IBPS PO 2011)*

10. माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस एक्सेल डाक्यूमेंट में से प्रत्येक सेल अपने सेल एड्रेस से रिफर किया जाता है, जो ..... है।
(a) सेल का कॉलम लेबल (b) सेल का कॉलम लेबल और वर्कशीट टैब नाम
(c) सेल का रो लेबल (d) सेल का रो और कॉलम लेबल
(e) इनमें से कोई नहीं

11. एम एस एक्सेल में चार्ट बनाने के लिए कौन-सा विकल्प सही है?
(a) फ़ॉर्मूलास >> चार्ट्स (b) डेटा >> चार्ट्स
(c) इंसर्ट मेनू >> चार्ट्स (d) व्यू >> चार्ट्स
(Jharkhand Sachiwalaya 2013)

12. माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस एक्सेल डाक्यूमेंट में सेल एड्रेस में क्या होता है?
(a) कॉलम का नाम (b) रो का नाम
(c) पहले रो फिर कॉलम का नाम
(d) पहले कॉलम फिर रो का नाम (e) इनमें से कोई नहीं

13. किस कमांड की सहायता से हम किसी दस्तावेज को बचा सकते हैं?
(a) Ctrl + S (b) Ctrl + X (c) Ctrl + A
(d) Shift + F (e) इनमें से कोई नहीं

14. विंडोज आधारित पर्सनल कम्प्यूटरों पर निम्नांकित में से कौन-सा पैकेज डाटाबेस के रूप में अधिक पाया जाता है?
(a) एम.एस. एक्सेस (b) वर्ड-स्टार (c) लोटस
(d) वेन्चुरा (e) इनमें से कोई नहीं

15. कम्प्यूटर में संचित फाइलों के समूह को क्या कहा जाता है?
(a) डिक्शनरी (b) इन्डेक्स (c) सूची
(d) डायरेक्टरी (e) इनमें से कोई नहीं

16. किसी डाटाबेस के डाटा फाईलों की सूची को क्या कहा जाता है?
(a) डाटा डायरी (b) डाटा कोष (c) डाटा डिस्क
(d) डाटा डिक्शनरी (e) पंचम पीढ़ी

Viva

17. शब्द संसाधन में डॉक्यूमेंट के भीतर टेक्स्ट को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने को क्या कहते हैं?
(a) क्लिप आर्ट (b) सर्च एवं रिप्लेस
(c) कट एवं पेस्ट (d) ब्लॉक ऑपरेशन *(SSC 2013)*

18. M.S एक्सेल क्या है?
(a) विंडो पर आधारित प्रोसेसर पैकेज (b) विंडो पर आधारित स्प्रेड शीट पैकेज
(c) डॉस पर आधारित स्प्रेडशीट पैकेज (d) डॉस पर आधारित प्रोसेसर पैकेज
(e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

19. स्प्रेडसीट में डाटा कैसे ऑर्गेनाइज होता है?
(a) लाइन्स एण्ड स्पेसेज (b) लेयर्स एण्ड प्लेन्स (c) हाइट एण्ड विड्थ
(d) रोस एण्ड कालम्स (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

20. 'एक्सेल वर्कबुक संग्रह है—
(a) चार्ट (b) वर्ड बुक (c) वर्कशीट
(d) 1 तथा 3 दोनों (e) इनमें से कोई नहीं

21. वर्ड प्रोसेस्ड डाक्यूमेंट क्रिएट करते समय, इस चरण में यूजर स्क्रीन और प्रिन्टेड फार्म दोनों में पेज पर दिखते वर्ड्स चेंज करता है।
(a) एडिटिंग टेक्स्ट (b) प्रूफिंग डाक्यूमेन्ट्स (c) फार्मेटिंग टेक्स्ट
(d) इनसर्टिंग टेबल्स और इंडेक्सेस (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2008)*

22. टेक्स्ट आधारित डाकुमेंट तैयार करने वाले सॉफ्टवेयर को क्या कहते हैं?
(a) DBMS (b) सूट्स (c) स्प्रेडशीट
(d) प्रेजेंटेशन सॉफ्टवेयर (e) वर्ड प्रोसेसर *(SBI PO 2013)*

23. M.S Word में स्पेलिंग को सही करने के लिए किस प्रोग्राम का उपयोग होता है?
(a) स्पेलप्रो (b) स्पेल चेक (c) आउटलुक एक्सप्रेस
(d) उपर्युक्त सभी (e) इनमें से कोई नहीं

24. स्प्रेडशीट प्रोग्राम में ..... संबंध वर्कशीट और डाक्यूमेंट होते हैं।
(a) वर्कबुक (b) कॉलम (c) सेल
(d) फार्मूला (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

25. डाक्यूमेंट क्रियेट करने के लिए आप फाइल मेनु पर ..... कमांड का प्रयोग करते हैं।
(a) ओपेन (b) क्लोज (c) न्यू
(d) सेव (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

26. ..... के प्रयोग से आप MS-Word आरंभ कर सकते हैं।
(a) न्यू (b) स्टार्ट (c) प्रोग्राम
(d) कंट्रोल पैनल (e) इनमें से कोई नहीं

27. फाइल एक्सटेंशन किसलिए इस्तेमाल होते हैं?
(a) फाइल को नाम देने के लिए (b) फाइल को आइडेंटिफाई करने के लिए
(c) यह सुनिश्चित करने के लिए फाइल का नाम गुम न हो जाये
(d) फाइल टाइप को आइडेंटिफाई करने के लिए
(e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009, IBPS Cl...*

Viva Technologies

28. सारे वर्ड डाक्यूमेंट का डिफाल्ट फाइल एक्सटेंशन क्या है?
(a) TXT (b) WRD (c) FIL
(d) DOC (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009, RBI 2012)*

29. किसी कॉलम में टेक्स्ट प्रायः ..... अलाइन (Align) होते हैं।
(a) लेफ्ट (b) राइट (c) सेन्टर
(d) जस्टिफाइड (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

30. एक्सल में किस विकल्प के प्रयोग से चार्ट बनाये जा सकते हैं?
(a) चार्ट विजर्ड (b) पिवट टेबल (c) पाइ चार्ट
(d) बार चार्ट (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI 2009)*

31. बाई डिफॉल्ट डाक्युमेंट.....मोड में प्रिंट होता है।
(a) लैंडस्केप (b) पोर्ट्रेट (c) पेज सेटअप
(d) प्रिंट व्यू (e) इनमें से कोई नहीं *(Punjab & Sind 2010)*

32. वर्ड प्रोसैसिंग प्रोग्रामों से किस प्रकार की फाइल बनाई जा सकती है?
(a) डाटाबेस फाइल (b) स्टोरेज फाइल (c) वर्कशीट फाइल
(d) डाक्युमेंट फाइल (e) ग्राफिकल फाइल *(Punjab & Sind 2010)*

33. प्रयोक्ता डाकुमेंट को जो नाम देता है उसे क्या कहते हैं?
(a) फाइलनेम (b) प्रोग्राम (c) रिकॉर्ड
(d) डाटा (e) इनमें से कोई नहीं *(SBI Asso. Clerk 2010)*

34. मौजूदा डाक्युमेंट को भिन्न नाम से सेव करना हो तो क्या करना होगा?
(a) डाक्युमेंट को फिर से टाइप करें और भिन्न नाम दें
(b) सेव ऐज कमांड का प्रयोग करें
(c) मूल डाक्युमेंट को नये डाक्युमेंट में कॉपी व पेस्ट करें और फिर सेव करें
(d) डाक्युमेंट को भिन्न लोकेशन पर कॉपी करने के लिए विंडोज एक्सप्लोरर का प्रयोग करें और फिर इसे रीनेम करें
(e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011, IBPS Clerk 2011)*

35. जब आपको कोई पाठ (Text) एक पृष्ठ से अलग पृष्ठ पर ले जाना हो, तब सबसे अच्छा तरीका है.....
(a) ड्रैग और ड्रॉप करो (b) कट और पेस्ट करो
(c) डिलीट और री टाइप करो (d) फाइंड और रिप्लेस करो (e) इनमें से कोई नहीं
(Union Bank of India Clerk 2011, IBPS Clerk 2011)

36. सेविंग यह ..... की प्रक्रिया है।
(a) मेमोरी से स्टोरेज माध्यम तक दस्तावेज कॉपी करना
(b) दस्तावेज की वर्तमान स्थिति में बदलाव लाना
(c) दस्तावेज का चेहरा अथवा समग्र स्वरूप को बदल देना
(d) कुंजी पटल के प्रयोग से पाठ/टेक्सट् को दर्ज करके दस्तावेज विकसित करना
(e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011)*

37. डिरेक्टरी में डिरेक्टरी को ..... कहा जाता है।
(a) मिनि डाइरेक्टरी (b) जूनियर डाइरेक्टरी (c) पार्ट डाइरेक्टरी
(d) सब डाइरेक्टरी (e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of I...*

Viva

38. जुम आज्ञा / कमांड चयनित किये जाने से.....
(a) अलग दर्शन (व्हयू) में दस्तावेज की कापी खोलता है
(b) प्रदर्शित दस्तावेज की कापी प्रिंट करता है
(c) प्रदर्शित दस्तावेज को विस्तारण में बदलाव लाता है
(d) प्रदर्शित दस्तावेज की कापी सेव करता है
(e) इनमें से कोई नहीं *(Union Bank of India Clerk 2011)*

39. यदि पहले सेव किया गया फाइल एडिट किया जाये तब.....
(a) परिवर्तन को स्टोर करने हेतु फाइल फिर से सेव करना जरूरी है
(b) परिवर्तन अपने आप फाइल में सेव किये जायेंगे
(c) एक पेज से ज्यादा लंबाई हो जाने पर ही फाइल सेव करनी होगी
(d) इसका नाम बदलना होगा (e) इनमें से कोई नहीं
(Union Bank of India Clerk 2011)

40. बजट सृजित किये जाने हेतु इस्तेमाल किये जानेवाले सॉफ्टवेयर को.....कहा जाता है।
(a) वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर (b) ग्राफिक सॉफ्टवेयर (c) यूटीलिटी सॉफ्टवेयर
(d) स्प्रेडशीट सॉफ्टवेयर (e) इनमें से कोई नहीं *(Bank of Baroda 2011)*

41. सेल में दर्ज किये गये अंकों और सूत्रों / फार्म्युलों को.....कहा जाता है।
(a) लेबल्स (b) आंकिक प्रविष्टियां / न्यूमरिक एंट्रीज
(c) इंटरसेक्शन / छेदन (d) टेक्सट् / पाठ (e) फिलर्स
(Bank of Baroda 2011)

42. माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस यह .....का उदाहरण है।
(a) क्लोज-सोर्स सॉफ्टवेयर (b) ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर
(c) क्षितिज समानांतर मार्केट सॉफ्टवेयर
(d) वर्टिकल मार्केट सॉफ्टवेयर (e) कंपाइलर
(Allahabad Bank PO 2011)

43. आप.....का प्रयोग चयनित पाठ / टैक्स्ट् को कापी करने और.....दस्तावेज में पेस्ट करने हेतु होता है।
(a) CTRL + C, CTRL + V (b) CTRL + C, CTRL + P
(c) CTRL + S, CTRL + S (d) SHIFT + C, ALT + P
(e) CTRL + D, CTRL + A *(Allahabad Bank PO 2011)*

44. ..... यूनिट के रूप में सेव्ड इनफार्मेशन का कलेक्शन होता है।
(a) फोल्डर (b) फाइल (c) पाथ
(d) फाइल एक्सटेंशन (e) इनमें से कोई नहीं *(Allahabad Bank Clerk 2011)*

45. वर्कशीट का बेसिक यूनिट जिसमें आप एक्सेस में डाटा एंटर करते हैं उसे ..... कहते हैं।
(a) टैब (b) सेल (c) बॉक्स
(d) रेंज (c) इनमें से कोई नहीं *(IBPS PO 2011)*

46. .....एक विशेष विजुअल और ऑडियो इफेक्ट है जो पावरपाइंट में टेक्स्ट या कंटेंट को ऐप्लाई किया जाता है।
(a) एनिमेशन (b) फ्लैश (c) वाइप
(d) डिजोल्व (e) इनमें से कोई नहीं

Viva

47. एक्सेल स्प्रेडशीट का एक्स्टेंशन है .....
(a) .doc (b) .xls (c) .ppt
(d) .accts (e) .exe *(IBPS Clerk 2011)*

48. स्प्रेडशीट में जिस पॉइंट पर कॉलम और रो इंटरसेक्ट करते हैं उसे ..... कहते हैं।
(a) col_row (b) कंटेनर (c) box
(d) grid (e) cell *(IBPS Clerk 2011)*

49. वर्कशीट के ..... वर्टिकली एपीयर होते हैं और वर्कशीट विंडो के ऊपर अक्षरों द्वारा आइडेंटिफाई होते हैं।
(a) रो (b) सेल (c) कालम
(d) हेडिंग (e) रेंज *(IBPS Clerk 2011)*

50. वर्ड में यूजर द्वारा सेलेक्टेड टेक्स्ट के सेंटरिंग के लिए शॉर्टकट की क्या है?
(a) CTRL + A (b) CTRL + B (c) CTRL + C
(d) CTRL + D (e) CTRL + E *(IBPS Clerk 2011)*

51. निम्नलिखित में से कौन-सा WORD संबंधी पद नहीं है?
(a) डिलीट (b) एडिट (c) कॉपी
(d) स्लाइड शो (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

52. एक्सेल दस्तावेज ..... नामक फाइल के रूप में स्टोर किए जाते हैं।
(a) वर्कफोर्स (b) वर्कशीट्स (c) वर्कटेबल्स
(d) वर्कग्रुप्स (e) वर्कबुक्स *(IBPS Clerk 2011)*

53. वर्ड डाक्यूमेंट में किन शब्दों को रंगीन डिस्प्ले किया जा सकता है?
(a) केवल टाइटल (b) सभी शब्द, किंतु कलर प्रिंटर जरूरी है
(c) सभी शब्द (d) केवल हेडर और फुटर (e) इनमें से कोई नहीं
(IBPS Clerk 2011)

54. वर्ड में अलाइनमेंट और फॉन्ट साइज के लिए कौन-सा टूल बार बटन्स डिस्प्ले करता है?
(a) फॉर्मेटिंग टूलबार (b) स्टैंडर्ड टूलबार (c) ड्राइंग टूलबार
(d) ग्राफिक्स टूलबार (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

55. स्प्रेडशीट्स संबंधी पद निम्नलिखित में से कौन-सा नहीं है?
(a) फॉर्मूला (b) सेल (c) ब्राउजर
(d) कैरेक्टर (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

56. निम्न में से कौन-सा कंप्यूटर फाइलों के बारे मे सत्य नहीं है?
(a) वे एक स्टोरेज माध्यम में सेव किया गया डाटा का संग्रह होती हैं
(b) प्रत्येक फाइल का एक नाम होता है
(c) प्रयोक्ता इसे बनाने की तारीख निर्दिष्ट करने के लिए एक्टेंशन देता है
(d) सामान्यतः फाइलों में डाटा होता है
(e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

57. वर्ड डाक्यूमेंट में वाक्य के लिए फॉन्ट का चुनाव करना हो तो .....
(a) फार्मेट मेनू में फॉन्ट सिलेक्ट करें (b) एडिट मेनू में फॉन्ट सिलेक्ट करें
(c) टूल्स मेनू में फॉन्ट सिलेक्ट करें (d) इन्सर्ट मेनू में फॉन्ट सिलेक्ट करें
(e) इनमें से कोई नहीं

Viva

58. एक्सेल वह प्रोग्राम है जिसका प्रयोग ..... तैयार करने के लिए किया जाता है।
(a) डाटाबेस (b) टेक्स्ट डाक्यूमेंट (c) स्प्रेडशीट
(d) स्लाइड प्रेजेन्टेशन (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

59. बना लिए गए डाक्यूमेंट को एडिट करने का अर्थ है .....
(a) इसे सेव करना (b) इसे प्रिंट करना (c) इसे स्कैन करना
(d) इसे करेक्ट करना (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

60. एक्सेल में सेल की पहचान निम्न में से कौन करता है?
(a) फार्मूला (b) नाम (c) लेबल
(d) एड्रैस (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

61. वर्ड में रिप्लेस ऑप्शन ..... पर उपलब्ध है।
(a) फाइल मेनू (b) व्यू मेनू (c) एडिट मेनू
(d) फार्मेट मेनू (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

62. वर्ड में किसी शब्द पर ..... क्लिक किया जाए तो वह सिलेक्ट हो जाता है।
(a) एक बार (b) दो बार (c) तीन बार
(d) चार बार (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

63. वर्ड में अपने पिछले एक्शन को रिवर्स करने के लिए—
(a) कट कमांड का प्रयोग करें (b) अन-डू कमांड का प्रयोग करें
(c) डिलीट को प्रेस करें (d) री-डू कमांड का प्रयोग करें
(e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

64. टेक्स्ट में आपकी पोजीशन कौन दिखाता है ?
(a) ब्लिंकर (b) कर्सर (c) कॉजर
(d) प्वाइंटर (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

65. यदि आप ..... चाहते हों तो प्रिंट प्रिव्यू उपयोगी होता है।
(a) डाक्यूमेंट को कलर करना (b) डाक्यूमेंट को सेव करना
(c) डाक्यूमेंट को डिलीट करना (d) डाक्यूमेंट को कॉपी करना
(e) प्रिंट हेने पर डाक्यूमेंट कैसा दिखेगा, यह देखना *(IBPS Clerk 2011)*

66. माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस एक्सेल डाक्यूमेंट में प्रत्येक सेल को इसके सेल एड्रेस से जाना जाता है तो ..... होता है।
(a) सेल का कॉलम लेबल (b) सेल का कॉल लेबल और वर्कशीट टैब नाम
(c) सेल का रो लेबल (d) सेल का रो और कॉलम लेबल
(e) सेल के कन्टेन्ट *(IBPS Clerk 2011)*

67. ओपन, प्रिंट और सेव सभी बटन ..... पर स्थित हैं।
(a) स्टेटस बार (b) फारमैटिंग टूल बार (c) स्टैंडर्ड टूल बार
(d) टाइटल बार (e) स्टेटस एंड टाइटल बार *(IBPS Clerk 2011)*

68. माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस वर्ड डाक्यूमेंट का नाम ..... और टास्क बार दोनों में डिस्प्ले होता है।
(a) मेनू बार (b) टास्क बार (c) फारमैटिंग टूल बार
(d) स्टैंडर्ड टूल बार (e) टाइटल बार *(IBPS Clerk 2011)*

Viva

69. **xls** एक्सटेंशन का प्रयोग ..... फाइलों के लिए किया जाता है।
(a) विंडोज (b) एक्सेस (c) पावर पाइंट
(d) वर्ड (e) एक्सेल *(IBPS Clerk 2011)*

70. जब आप वर्ड आरंभ करते हैं, तो दिखनेवाला नया डाक्यूमेंट ..... पर आधारित होता है।
(a) नए डाक्यूमेंट टेंपलेट (b) ब्लैंक डाक्यूमेंट टेंपलेट (c) जनरल टेंपलेट
(d) लैटर टेंपलेट (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

71. = (C 10 + C 11)/12) + D 18 किसका उदाहरण है?
(a) फंक्शन (b) सेल एड्रेस (c) फार्मूला
(d) वैल्यू (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

72. ..... एक प्रोफैशनली डिजाइन किया गया 'एम्प्टी' डाक्यूमेंट है जिसे प्रयोक्ता की जरूरतों के मुताबिक ढाला जा सकता है।
(a) गाइड (b) फाइल (c) टेम्पलेट
(d) यूजर गाइड फाइल (e) इनमें से कोई नहीं *(IBPS Clerk 2011)*

73. वर्ड प्रोसैसिंग का कौन सा व्यू डाक्यूमेंट में हेडर्स की हाइरार्की दर्शाता है?
(a) स्लाइड व्यू (b) स्लाइड सॉर्टर व्यू (c) नोट्स पेज व्यू
(d) आउट लाइन व्यू (e) स्लाइड शो व्यू *(IBPS Clerk 2011)*

74. वर्कशीट में सेलों का आयताकार समूह निम्न में से कौन सा है?
(a) सेल रेफरेंस (b) सेल फार्मूला (c) सेल वैल्यू
(d) सेल रेंज (e) वर्कशीट का नाम *(IBPS Clerk 2011)*

75. निम्नलिखित सभी पद स्प्रेडशीट सॉफ्टवेयर से संबंधित है सिवाय .....
(a) वर्कशीट (b) सेल (c) फार्मूला
(d) वायरस डिटेक्शन (e) इनमें से कोई नहीं *[SBI 2012]*

76. टेक्स्ट डाक्यूमेंट को बनाने, एडिट करने, फार्मेट करने, स्टोर करने, रिट्रीव और प्रिंट करने के लिए कुल मिलाकर एक शब्द कौन-सा है?
(a) वर्ड प्रोसैसिंग (b) स्प्रैडशीट डिजाइन (c) वेब डिजाइन
(d) डाटाबेस प्रबंधन (e) प्रेजेंटेशन जेनरेशन *[IBPS PO 2012]*

77. इंटरसेक्टिंग कॉलम और रो का अक्षर और अंक ..... होता है।
(a) सेल लोकेशन (b) सेल पोजीशन (c) सेल एड्रेस
(d) सेल कोऑर्डीनेट्स (e) सेल कन्टेन्ट्स *[IBPS PO 2012]*

78. उन फार्मों को क्या कहते हैं जिनका प्रयोग बिजनेस डाटा को रोज और कॉलमों में व्यवस्थित करने के लिए किया जाता है?
(a) ट्रांजेक्शन शीट्स (b) रजिस्टर (c) बिजनेस फार्म
(d) शीट स्प्रेड्स (e) स्प्रैडशीट्स *[IBPS PO 2012]*

79. उस PC प्रोटक्टिविटी टूल को ..... कहते हैं जो रोज और कॉलमों में व्यवस्थित डाटा को मैनिपुलेट करता है।
(a) स्प्रैडशीट (b) वर्ड प्रोसैसिंग डाक्यूमेंट (c) प्रेजेंटेशन मकैनिज्म
(d) डाटाबेस रिकार्ड मैनेजर (e) EDI क्रिएटर

Viva

80. एक PC यूनिट के मदरबोर्ड पर विभिन्न घटक समानांतर इलेक्ट्रिकल कंडक्टिंग लाइनों के सेटों से आपस में जुड़े रहते हैं। इन लाइनों को क्या कहते हैं? ****
(a) कन्डक्टर्स (b) बसेस (c) कनेक्टर्स
(d) कन्सीक्यूटिव्स (e) इनमें से कोई नहीं *[IBPS PO 2012]*

81. स्टोरेज डिवाइस के मेन फोल्डर को क्या कहते हैं?
(a) रूट डिरेक्टरी (b) इंटरफेस (c) डिवाइस ड्राइवर
(d) प्लैटफार्म (e) मेन डिरेक्टरी *[RBI 2012]*

82. फाइल को अकसर ..... कहते हैं।
(a) विजर्ड (b) डाक्यूमेंट (c) पेन
(d) डिवाइस (e) डाक्यूमेंटेशन *[RBI 2012]*

83. न्यूमैरिकल और स्टैटिस्टिकल कैलक्यूलेशन करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सॉफ्टवेयर ऐप्लिकेशन सर्वाधिक उपयुक्त होगा?
(a) डाटाबेस (b) डाक्यूमेन्ट प्रोसेसर (c) ग्राफिक्स पैकेज
(d) स्प्रेडशीट (e) पावर पॉइंट *[RBI 2012]*

84. परस्पर संबंधित रिकार्ड के समूह को ..... कहते हैं।
(a) यूटिलिटी फाइल (b) मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम
(c) डाटाबेस (d) स्प्रेडशीट (e) डाटाशीट *[RBI 2012]*

85. नयी स्लाइड के लिए कीबोर्ड शॉर्टकट क्या है?
(a) Ctrl + M (b) Ctrl + N (c) Ctrl + Shift + N
(d) Ctrl + S (e) इनमें से कोई नहीं *[RBI 2012]*

86. एमएस-वर्ड डॉक्युमेंट में अक्षरों के नीचे लाल लहर का निशान क्या दर्शाता है?
(a) स्पेलिंग में त्रुटि (b) ग्रामर त्रुटि
(c) ऐड्रेस ब्लाक (d) प्रिंटिंग त्रुटि *(Jharkh. Sachi. 2013)*

87. वर्ड रैप की क्या विशेषता है?
(a) आवश्यकता होने पर टेक्स्ट को अगली लाइन में स्वतः भेज देता है
(b) डॉक्यूमेंट के निचले हिस्से में प्रकट होता है
(c) यह आपको टेक्स्ट पर टाइप करने की सुविधा देता है
(d) यह लघु क्षैतिज रेखा है जो डॉक्यूमेंट के अंत को दर्शाती है *(Jharkh. Sachi. 2013)*

उत्तर

1.	(c)	2.	(a)	3.	(d)	4.	(c)	5.	(b)	6.	(a)	7.	(c)
8.	(c)	9.	(a)	10.	(d)	11.	(c)	12.	(d)	13.	(a)	14.	(a)
15.	(d)	16.	(d)	17.	(c)	18.	(b)	19.	(d)	20.	(c)	21.	(a)
22.	(e)	23.	(b)	24.	(a)	25.	(c)	26.	(b)	27.	(d)	28.	(d)
29.	(a)	30.	(a)	31.	(b)	32.	(d)	33.	(a)	34.	(b)	35.	(b)
36.	(a)	37.	(d)	38.	(c)	39.	(a)	40.	(d)	41.	(b)	42.	(c)
43.	(a)	44.	(a)	45.	(b)	46.	(a)	47.	(b)	48.	(e)	49.	(c)
50.	(e)	51.	(d)	52.	(e)	53.	(c)	54.	(a)	55.	(c)	56.	(c)
57.	(a)	58.	(c)	59.	(d)	60.	(d)	61.	(c)	62.	(b)	63.	(b)
64.	(b)	65.	(e)	66.	(d)	67.	(c)	68.	(e)	69.	(e)	70.	(b)
71.	(c)	72.	(c)	73.	(d)	74.	(d)	75.	(d)	76.	(a)	77.	(c)
78.	(e)	79.	(a)	80.	(b)	81.	(a)	82.	(b)	83.	(d)	84.	(c)
85.	(b)	86.	(a)	87.	(a)								

★★★

Viva Technologies

13

कम्प्यूटर से संबंधित शब्द-संक्षेप
(Abbreviation Related to Computer)

ADC : Analog Digital Converter
AI : Artificial Intelligence
ALGOL : Algorithmic Language
ALU : Arithmetic Logic Unit
ASCII : American Standard Code for Information Interchange
ATM : Automatic Teller Machine
BARC : The Bhabha Atomic Research Centre
BASIC : Beginner's All-purpose Symbolic Instruction Code
BIOS : Basic Input output System
BSNL : Bharat Sanchar Nigam Limited
CAD : Computer Aided Design
CAM : Computer Aided Manufacturing
CD : Compact Disc
CD ROM : Compact Disc Read Only Memory
CD RW : Compact Disc Read and Write
COBOL : Common Business Oriented Language
CPU : Central Processing Unit
CRT : Cathode Ray Tube
CU : Control Unit
D RAM : Dynamic Ram
DAC : Digital Analog Converter
DBMS : Database Management System
DCL : Digital Command Language
DFD : Data Flow Diagram
DNS : Domain Name System
DPI : Dots Per Inch
DRDO : The Defence Research and Development Organisation
DVD–Digital Versatile Disc or Digital Video Disc
E Mail : Electronic Mail
E-Commerce : Electronic Commerce
E–PROM : Erasable Programmable Read Only Memory
EBCDIC : Extended Binary Coded Decimal Interchange Code
EDP : Electronic Data Processing

Viva

EDSAC : Electronic Delay Storage Automatic Calculator
EE-PROM : Electrically Erasable Programmable Read Only Memory
ENIAC : Electronic Numerical Integrated and Computer
FORTRAN : Formula Translation
FTP : File Transfer Protocol
GUI : Graphical User Interface
HTML : Hyper Text Markup Language
HTTP : Hyper Text Transfer Protocol
IBM : International Business Machine
ISDN : Integrated Services Digital Network
IT : Information Technology
KBPS : Kilo Byte Per Second
LAN : Local Area Network
LCD : Liquid Crystal Display
LSI : Large Scale Integration
MAN : Metropolitan Area Network
MB : Mega Byte
MICR : Magnetic Ink Character Reader
MODEM : Modulator – Demodulator
MS-ACCESS : Microsoft Access
MS–DOS : Microsoft-Disc Operating System
MS–EXCEL : Microsoft-Excel
MS–WINDOS : Microsoft-Windows
MS-WORD : Microsoft -Word
MTNL : Mahanagar Telephone Nigam Limited
NAL : National Aerospace Laboratories
NIC : Network Interface Card
OCR : Optical Character Reader
OMR : Optical Mark Reader
OS : Operating System
PC : Personal Computer
PDL : Program Design Language
PL 1 : Programming Language 1
POS : Point of Sales
PROM : Programmable Read Only Memory
PSTN : Public Switched telephone Network
RAM : Random Access Memory
ROM : Read Only Memory
RPG : Report Program Generator
S RAM : Static Ram

Viva

SCSI Port : Small Computer System Interface Port
TCP/IP : Transmission Control Protocol/Internet Protocol
TFT : Thin- Film Transistor
ULSI : Ultra Large Scale Integration
UNIVAC : 1–Universal Automatic Computer
UPS : Uninterruptible Power Supply
URL : Uniform Resource Locator
USB : Universal Serial Bus
VDU : Visual Display Unit
VLSI : Very Large Scale Integration
VSNL : Videsh Sanchar Nigam Limited
WAN : Wide Area Network
WIMAX : Worldwide Interoperability for Microwave Access
WLL : Wireless Local Loop
WORM : Write Once Read Many
WWW : World Wide Web

★★★

Viva